UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

नई सोच, नया जुनून...

करण वाणी

● वर्ष : 09 ● अंक : 52 ● लखनऊ, सोमवार 21 जुलाई 2025 ● मूल्य : 2 रु. ● पृष्ठ : 08

4 राष्ट्र की मुख्य धारा महिलाओं का उत्थान...

5 गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों पर कसा शिकंजा

6 मानसिक तनाव में पिता ने दिव्यांग बेटे...

यूपी में बड़े धर्मांतरण रैकेट का भंडाफोड़

छह राज्यों से जुड़े नेटवर्क के 10 लोग गिरफ्तार

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की आगरा पुलिस ने अवैध धर्मांतरण के एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुये देश के छह राज्यों से दस लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि आगरा पुलिस आयुक्त दीपक कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छह राज्यों से 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी छद्म नाम से गैर मुस्लिम युवतियों से दोस्ती कर उन्हे प्रेमजाल में फंसाते थे और बाद में उन्हे इस्लाम अपनाने पर मजबूर किया जाता था। उन्होने बताया कि पूरे मामले की शुरुआती जांच में इस गिरोह का संबंध पीएफआई, एसडीपीआई और पाकिस्तान के आतंकी संगठनों से होने के संकेत मिले हैं। इस घटना के संबंध में बंगाल, गोवा, उत्तराखंड, दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में 11 टीमों को लगाया गया था जिन्होने आयशा (एसबी कृष्णा) गोवा, अली हसन (शेखर राय) कोलकाता, ओसामा-कोलकाता, रहमान कुरैशी-आगरा, अब्बू तालिब-खालापार, मुजफ्फरनगर, अबुर रहमान-देहरादून, मोहम्मद अली-जयपुर, राजस्थान, जुनैद कुरैशी-जयपुर, मुस्तफा (मनोज)-दिल्ली, मोहम्मद अली-जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि आगरा पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में उत्तर प्रदेश की विशेष एजेंसी एटीएस और एसटीएफ भी शामिल थी। अब इस मामले की आगे की जांच के लिए अन्य राज्यों की पुलिस तथा केंद्रीय जांच एजेंसी के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है। उन्होने बताया कि आगरा जिले में पिछली मार्च में दो सगी बहनों जिनकी उम्र 33 वर्ष और 18 वर्ष की थी गुमशुदगी का मामला उनके परिवार में दर्ज कराया था। जिसमें धारा 87, 111(3), 111(4) और 3/5 उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म सा परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना की जांच के दौरान सदर बाजार पुलिस और साइबर पुलिस को रेडिकलाइजेशन लव जिहाद में शामिल लोगों के बारे में पता चला, जिनकी फंडिंग कनाडा और अमेरिका से हो रही थी। आगरा पुलिस ने इसकी जानकारी डीजीपी मुख्यालय और अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था को दी, जिसके बाद इस पूरे मामले की गहनता से जांच शुरू हुई। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने बताया कि इस नेटवर्क में लव जिहाद का उपयोग कर तथा विदेश से प्राप्त धन से धन परिवर्तन व रेडिकलाइजेशन के सबूत मिले हैं। गिरफ्तार अभियुक्त पूरे नेटवर्क में अलग-अलग रोल निभाते थे। जैसे फंड प्राप्त करना, फंड को चौनेलाइज करना, सेफहाउस बनाना, लीगल एडवाइस देना, नए फोन व सिम प्रदान करना, प्रेम जाल में फसना, धर्म परिवर्तन के लिए सब्जबाग दिखाकर प्रेरित करना, धर्म परिवर्तन के लिए कागज तैयार करना व रेडीकलाइजेशन करना आदि शामिल है। गौरतलब है कि पुलिस ने एक नया मिशन अस्मिता लॉन्च किया था। इसके तहत पूर्व में अवैध धर्म परिवर्तन के सिंडिकेट के दो लोगों गौतम और मुफ्ती जहांगीर आलम को यूपी एटीएस ने गिरफ्तार किया था। अभी हाल ही में बलरामपुर के उतरौला में धर्म परिवर्तन करने वाले जमालुद्दीन उर्फ ठाकुर के सिंडिकेट को एटीएस और एसटीएफ ने पर्दाफाश किया था।

ये हैं पकड़े गए आरोपी

- आयशा (एस0बी0 कृष्णा) - गोवा
- अली हसन (शेखर राय) - कोलकाता
- ओसामा - कोलकाता
- रहमान कुरैशी - आगरा
- अब्बू तालिब - खालापार, मुजफ्फरनगर
- अबुर रहमान - देहरादून
- मोहम्मद अली - जयपुर, राजस्थान
- जुनैद कुरैशी - जयपुर
- मुस्तफा (मनोज) - दिल्ली
- मोहम्मद अली - जयपुर

प्रदेश में अवैध धर्मांतरण में जाकिर नाईक की संस्थाओं से फंडिंग के सुराग

लखनऊ। प्रदेश में अवैध धर्मांतरण के लिए विदेशों से फंडिंग के तार भगोड़े इस्लामिक कट्टरपंथी जाकिर नाईक से जुड़ रहे हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के अलावा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को भी इससे जुड़े कुछ सुराग हाथ लगे हैं। हैरानी की बात यह है कि इस फंडिंग को दिलाने के पीछे प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के कुछ पदाधिकारियों की भूमिका बताई जा रही है। फिलहाल ईडी इसकी गहनता से जांच कर रही है, वहीं एटीएस भी इस पहलू को खंगाल रही है। दरअसल, बलरामपुर में अवैध धर्मांतरण का सिंडीकेट चला रहे जमालुद्दीन उर्फ छांगुर को विदेशी संस्थाओं से फंडिंग हो रही थी। वहीं आयकर विभाग ने भी बीते फरवरी माह में नेपाल सीमा पर छापा मारकर अवैध धर्मांतरण के साथ मस्जिद, मदरसों और मजारों के निर्माण के लिए दक्षिण भारत के कुछ राज्यों से फंडिंग होने के पुख्ता सुराग मिले थे।

बब्बर खालसा के तीन आतंकी पंजाब में गिरफ्तार

पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई से मिल रहे थे ऑर्डर

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। काउंटर इंटेलिजेंस पटियाला और स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल मोहाली ने खुफिया सूचना के आधार पर ज्वाइंट ऑपरेशन के दौरान बब्बर खालसा इंटरनेशनल के तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। ये तीनों आरोपी 1 अप्रैल को पटियाला के बादशाहपुर और 6 अप्रैल 2025 को हरियाणा के अजीमगढ़ में पुलिस चौकी पर हुए ग्रेनेड हमलों में शामिल थे।

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि तीनों आतंकियों को विदेशों में बैठे हैंडलरों से वित्तीय और लॉजिस्टिक सहायता मिल रही थी। ग्रीस में बब्बर खालसा इंटरनेशनल के मनु अगवान और मलेशिया के मनिंदर बिल्ला इन्हें हैंडल कर रहे थे। यह मॉड्यूल पाकिस्तान स्थित आतंकी

हरविंदर सिंह रिंदा और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारों पर काम कर रहा था। आतंकियों से दो हैंड ग्रेनेड, एक .30 बोर और एक .32 बोर की पिस्तौल बरामद की गई हैं। तीनों के खिलाफ एसएसओसी मोहाली में विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

पाकिस्तानी आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल पंजाब में लगातार पांव पसार रहा है। इससे सुरक्षा एजेंसियां और पंजाब पुलिस चिंतित है। पंजाब पुलिस के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल ने 25 जून को भी इसके आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया था। तब पुलिस ने अमृतसर से तीन आतंकी पकड़े थे, इनमें एक नाबालिग भी था। इनसे 2 हैंड ग्रेनेड, 1 ग्लॉक पिस्तौल और अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद हुई थी।

यह मॉड्यूल यूके में बैठे निशान सिंह और पाकिस्तान में छिपे आतंकी हरविंदर रिंदा द्वारा चलाया जा रहा था। बब्बर खालसा इंटरनेशनल को भारत, कनाडा, अमेरिका, इंगलैंड, यूरोपीय संघ, जापान और मलेशिया सहित कई देशों ने आतंकवादी समूह घोषित किया है। इस संगठन का लक्ष्य भारत के पंजाब क्षेत्र में खालिस्तान नामक एक स्वतंत्र सिख राज्य बनाना है।

पहली बार एआई से होगी निगरानी

आरओ-एआरओ परीक्षा: 2382 केंद्रों पर शामिल होंगे करीब 11 लाख अभ्यर्थी

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। उप्र. लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की 27 जुलाई को होने वाली समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ/एआरओ) की परीक्षा को शुचितापूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए सरकार ने कड़ी व्यवस्थाएं की हैं। परीक्षा में कोई गड़बड़ी न हो, इसके लिए एआई से लेकर सीसीटीवी और सोशल मीडिया के जरिये निगरानी की जा रही है। यह परीक्षा सभी 75 जिलों में परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक एक पाली में होगी। परीक्षा में 10.76 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसके लिए 2382 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। हर जिले में डीएम को नोडल बनाया गया है जो परीक्षा की निगरानी करेंगे और आवश्यकतानुसार त्वरित निर्णय लेंगे। परीक्षा की गोपनीयता के लिए प्रश्नपत्र दो अलग-अलग सेट दो अलग-अलग मुद्रकों से तैयार कराए गए हैं। प्रश्नपत्र का चयन

कंप्यूटर आधारित रैंडमाइजेशन से ठीक परीक्षा शुरू होने से 45 मिनट पूर्व किया जाएगा। सभी प्रश्नपत्र आठ मल्टीपल जंबल्ड सीरीज में होंगे जिन पर यूनिक एवं वैरिएबल बारकोड भी होंगे। प्रश्नपत्रों को त्रिस्तरीय लॉक वाले गोपनीय ट्रंक बॉक्स में रखा जाएगा जो पांच स्तरीय टेम्पर्ड प्रूफ पैकिंग से सुरक्षित होंगे। पूरी प्रक्रिया की निगरानी लाइव सीसीटीवी स्ट्रीमिंग के जरिये होगी। सोशल मीडिया पर किसी भी अफवाह, लीक या अनुचित गतिविधि की निगरानी के लिए विशेष सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल भी बनाया गया है।

बायोमीट्रिक और फेस रिकग्नीशन से मिलेगा प्रवेश: अभ्यर्थियों का केंद्र आवंटन कंप्यूटर रैंडमाइजेशन से किया गया है। ई प्रवेश पत्र को ओटीआर (वन टाइम रजिस्ट्रेशन) आधारित सत्यापन प्रक्रिया से जोड़ा गया है। प्रवेश के समय बायोमीट्रिक सत्यापन और फेस रिकग्निशन से अभ्यर्थी की पहचान की जाएगी। अभ्यर्थियों की तलाशी की जिम्मेदारी पुलिस बल और कार्यदायी संस्था साझा रूप से निभाएंगे। परीक्षा केंद्रों पर निगरानी के लिए एक सेक्टर मजिस्ट्रेट, एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, दो सह केंद्र व्यवस्थापक तथा प्रशिक्षित अंतः परीक्षक तैनात किए जाएंगे। परीक्षा केंद्रों में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। एलआईयू व एसटीएफ भी परीक्षा की निगरानी कर रहे हैं।

आर्य समाज मंदिर का प्रमाण पत्र विवाह का सबूत नहीं

कहा- स्टांप पेपर पर नहीं हो सकता तलाक

संवाददाता

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक महिला के अनुकंपा नियुक्ति के मामले में दिए अहम फैसले में कहा कि सिर्फ आर्य समाज मंदिर का प्रमाणपत्र विवाह का वैध सबूत नहीं माना जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि महज स्टांप पेपर पर पति - पत्नी के बीच तलाक नहीं हो सकता है। इन टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने महिला की अनुकंपा नियुक्ति पाने की याचिका खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति मनीष माथुर की एकल पीठ ने यह फैसला महिला की याचिका पर दिया। महिला ने अपने कथित पति की मृत्यु के बाद उसकी जगह खुद को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने का दावा किया था, जिसे कृषि विभाग ने बीते 5 अप्रैल को खारिज कर दिया था। दावे को खारिज करने के इसी आदेश को महिला ने याचिका में चुनौती दी थी। महिला का कहना था की उसने कृषि विभाग में कार्यरत व्यक्ति के साथ, उसकी पहली पत्नी से कथित तलाक होने के बाद वर्ष 2021 में आर्य समाज मंदिर में विवाह किया था। इसके लिए महिला ने सिर्फ आर्य समाज मंदिर से जारी विवाह का प्रमाणपत्र पेश किया। इसके अलावा वह सेवारत व्यक्ति का पहली पत्नी के साथ तलाक होने की कोई कानूनी डिक्री (फैसला) पेश नहीं कर सकी। हाईकोर्ट ने कहा कि महिला के कथित पति का पहली पत्नी के साथ तलाक का दावा सिर्फ एक स्टांप पेपर पर आधारित है, जिसमें दोनों के बीच तलाक होने की बात कही गई है।

कांवड यात्रा में उपद्रव और तोड़फोड़ पर सीएम नाराज

धार्मिक यात्रा को बदनाम करने वालों के चस्पा होंगे पोस्टर, होगा एक्शन: योगी

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। कांवड़ यात्रा में तोड़फोड़ और उपद्रव करने वालों के योगी सरकार पोस्टर चस्पा करने जा रही है। कांवड़ यात्रा सम्पन्न के बाद उनके खिलाफ सख्त एक्शन होगा। ये बाते खुद सीएम योगी ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा के बाद प्रेस ब्रीफिंग में कही। सीएम योगी इन घटनाओं को लेकर बेहद तल्ख तेवरों में नजर आए और बोले कि सबके सीसीटीवी हैं जिन्होंने कांवड़ यात्रा को बदनाम करने का प्रयास किया है। जो भी उपद्रवियों के भेष में छिपे हैं बेनकाब होंगे। सीएम योगी ने आगाह भी किया कि कांवड़ यात्रा में जहां उत्साह और उमंग है, श्रद्धा और भक्ति है। इस उत्साह और श्रद्धा को बदनाम करने का कुंचित प्रयास किया जा रहा है। सोशल मीडिया के साथ अन्य माध्यमों से इस धार्मिक

यात्रा को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। अपने बीच में न घुसने दें जो कांवड़ को खंडित और श्रद्धा से जो खिलवाड़ करता है।खुद कानून हाथ में न लें बल्कि उनके बारे में प्रशासन को सूचना दें।सीएम योगी ने कांवड़ यात्रा के दौरान जहां कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की, वहीं लोगों को उनकी जिम्मेदारी का भी अहसास कराया। सीएम योगी ने कहा कि शिव लोकमंगल के देवता हैं वो आदिदेव महादेव हैं, पुलिस प्रशासन ने तो बेहतर व्यवस्थाएं की हैं, लेकिन हमें भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हमे दूसरों की परेशानी भी समझनी होगी। सफाई कर्मचारी तो अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, लेकिन हमें भी अपना दायित्व समझना होगा। चौराहों और उनके पास गंदगी न फैलाएं। शिव भक्त स्वच्छता के कार्यक्रम से जुड़े।

2031 तक इंग्लैंड करेगा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2031 तक के फाइनल की मेजबानी इंग्लैंड को सौंपी है। आईसीसी ने रविवार को बताया कि अगले तीनों संस्करणों की मेजबानी इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के पास ही रहेगी।

आईसीसी ने यह फैसला इंग्लैंड के ट्रैक रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए लिया है। दरअसल, पिछले तीनों संस्करणों की मेजबानी भी इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ही की है। डब्ल्यूटीसी का पहला फाइनल मुकाबला 2021 में खेला गया था। साउथेम्प्टन में खेले गए खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड ने भारत को आठ विकेट से हराया था। इसके बाद 2021-23 सत्र का डब्ल्यूटीसी फाइनल मुकाबला द ओवल में खेला गया, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने जीता। वहीं, 2023-25 सत्र का डब्ल्यूटीसी फाइनल मैच लॉर्ड्स में खेला गया था। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

आईसीसी की तरफ से जारी की गई विज्ञप्ति में कहा गया, बोर्ड ने हाल के फाइनल की मेजबानी में सफल ट्रैक रिकॉर्ड के बाद इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड को 2027, 2029 और 2031 संस्करणों के लिए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी के अधिकार देने की पुष्टि की है। ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने कहा, हमें बेहद खुशी है कि इंग्लैंड एवं वेल्स को अगले तीन आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी के लिए चुना गया है।

हर महीने 50 से 60 करोड़ की रिश्वत लेते थे जगन

एजेंसी

अमरावती। आंध्र प्रदेश पुलिस ने 3,500 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले के मामले में एक स्थानीय अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। इस आरोपपत्र में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को हर महीने औसतन 50 से 60 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने वाला बताया गया है। शनिवार को 305 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया गया है, लेकिन इसमें जगन को आरोपी के रूप में नामित नहीं किया गया है। अदालत ने अभी इस आरोपपत्र का संज्ञान नहीं लिया है। आरोपपत्र में कहा गया है कि यह रकम पहले केसिरेड्डी राजशेखर रेड्डी (आरोपी नंबर 1) को सौंपी जाती थी। फिर वह पैसा विजय

साई रेड्डी (आरोपी नंबर 5), मिधुन रेड्डी (आरोपी नंबर 4) और बालाजी (आरोपी नंबर 33) को दिया जाता था, जो कि अंत में इसे पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी तक पहुंचाते थे। हर महीने औसतन 50-60 करोड़ रुपये इकट्ठा किए जाते थे। यह बात एक गवाह के बयान से भी साबित हुई है। इसमें यह भी आरोप लगाया गया है कि राजशेखर रेड्डी इस पूरे घोटाले के मास्टरमाइंड और सह-साजिशकर्ता है। उसने आबकारी नीति में बदलाव करवाया और आपूर्ति के लिए आदेश (ओएफएस) की स्वचालित (ऑटोमैटिक) प्रणाली को हटाकर मैनुअल प्रक्रिया लागू करवाई। साथ ही, उसने आंध्र प्रदेश स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एपीएसबीसीएल) में अपने भरोसेमंद लोगों की नियुक्ति करवाई। राजशेखर रेड्डी ने कथित तौर पर फर्जी डिस्टिलरी (शराब बनाने का संयंत्र) बनवाईं और बालाजी गोविंदप्पा नाम के आरोपी के जरिए जगन को रिश्वत पहुंचाई। साथ ही, उसने पूर्व विधायक चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी के साथ मिलकर वाईएसआरसीपी के लिए चुनावों में 250 से 300 करोड़ रुपये नकद दिए।

इंडोनेशिया के समंदर में आग का तांडव

300 लोगों से भरी नाव से उठीं लपटें, पानी में कूदे लोग

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडोनेशिया में समंदर के बीच एक बड़ा ही भयंकर हादसा हुआ है। यहां पर उत्तरी सुलावेसी तट के पास लगभग 300 लोगों को लेकर जा रही एक नाव में आग लग गई है। आग की वजह से नाव में सवार तमाम यात्रियों के बीच में भगदड़ मच गई और कई लोग जान बचाने के लिए समंदर में ही कूद पड़े। खबरों के मुताबिक के एम बार्सिलोना नामक इस नाव में दोपहर करीब 1: 30 पर आग लग गई। देखते ही देखते पूरी आग ने पूरी नाव को चपेटे में ले लिया और पूरी नाव से आग की लपटें और धुआं उठने लगा। इस डरावने घटनाक्रम को कई यात्रियों ने अपने मोबाइल में भी कैद कर लिया है। फिलहाल मिली जानकारी के अनुसार इस घटना में 18 लोग घायल हो गए हैं, जबकि दर्जनों लोगों को बचाया जा चुका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक नाव पर कुल 300 लोग सवार थे, जिनमें कई बच्चे भी शामिल थे। घटना की जानकारी मिलते ही इंडोनेशियाई बचाव दल हरकत में आ गया और बड़े पैमाने पर लोगों को निकालना शुरू कर दिया। अभी तक किसी के भी हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है।

इस पूरी घटना की सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रही हैं। आग लगने की जानकारी सामने आते ही नाव पर मौजूद लोग मदद के लिए चिल्लाने लगते हैं।

घर में एक ही परिवार के 5 लोगों ने खाया जहर

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार को एक ही परिवार के पांच लोगों ने कथित रूप से जहर खाकर जान दे दी। मृतकों में पति-पत्नी उनकी दो बेटियां और एक बेटा शामिल है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए हैं। सामूहिक खुदकुशी की वजह अभी पता नहीं चल सकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अहमदाबाद ग्रामीण के एसपी ने बताया कि बावला स्थित किराए के मकान में एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने जहरीला तरल पदार्थ पीकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण अभी पता नहीं चल सका है। सभी मूल रूप से ढोलका के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान विपुल वाघेला (32), उसकी पत्नी सोनल (26) और उनके बच्चों करीना (11), मयूर (8) और राजकुमारी (5) के रूप में हुई है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए स्थानीय अस्पताल भेज दिया गया है।

भाषा के मुताबिक, अहमदाबाद जिले में शनिवार देर रात एक दंपती और उनके तीन बच्चों के शव उनके घर से बरामद किए गए। पुलिस को शक है कि यह सामूहिक आत्महत्या का मामला है। पुलिस अधीक्षक अहमदाबाद (ग्रामीण) ओम प्रकाश जाट ने बताया कि यह घटना बगोदरा गांव में हुई और पुलिस को इसकी सूचना देर रात

करीब 2 बजे मिली। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा है कि उन्होंने जहर खाकर आत्महत्या की है। उन्होंने कहा कि इस कदम के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

अधिकारी ने कहा, '' एक व्यक्ति, उसकी पत्नी और उसके तीन बच्चों ने बगोदरा स्थित अपने किराए के मकान में जहर खाकर जान दे दी। व्यक्ति ऑटो-रिक्शा चलाकर अपना गुजारा करता था और परिवार द्वारा उठाए गए इस कदम के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं है।''

पुलिस और फॉरेंसिक टीम घर की तलाशी लेने के साथ ही सबूत इकट्ठे कर रही हैं। इसके साथ ही आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

औद्योगिक संपत्तियां भी 5000 रुपए में होंगी ट्रांसफर

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश में औद्योगिक घरानों को बसाए रखने के लिए उन्हें राहत देने जा रही है। पैतृक संपत्तियों के बंटवारे में औद्योगिक संपत्तियों को भी शामिल करने का सुझाव उच्च स्तर से दिया गया है। ऐसी संपत्तियों को परिवारों में ट्रांसफर करने पर 5000 रुपए का स्टांप शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। उच्च स्तर से दिए गए सुझाव के आधार पर कैबिनेट प्रस्ताव में संशोधन किया जा रहा है।प्रदेश में पैतृक संपत्तियों के बंटवारे के लिए अभी ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। इसे हस्तांतरण करने के लिए सामान्य रजिस्ट्रियों की तरह इसके लिए भी पैसे देने पड़ते हैं। स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग ने इस संबंध में कैबिनेट प्रस्ताव तैयार कराते हुए भेजा था। इसमें पैतृक संपत्तियों को सिर्फ 5000 रुपए के स्टांप पर हस्तांतरित किया जाना था, लेकिन उच्च स्तर से इसे वापस करते हुए कहा गया है कि इसमें और संशोधन की जरूरत है। इसमें औद्योगिक और संस्थागत संपत्तियों को भी शामिल करने का सुझाव दिया गया है।प्रदेश में काफी संख्या में औद्योगिक संपत्तियां पड़ी हुई हैं। कुछ उद्योग बंद हो चुके हैं। यह संपत्तियां परिवारों में बंट नहीं पा रही हैं। इनके बंटवारे पर अभी काफी मोटा स्टांप देना पड़ रहा है। इनका बंटवारा न होने की वजह से इन पर आए दिन कब्जे की शिकायतें आ रही हैं। उच्च स्तर पर काफी संख्या में ऐसी शिकायतें आ चुकी है। इसको देखते हुए पैतृक संपत्तियों के साथ औद्योगिक और संस्थागत संपत्तियों को भी शामिल करने का सुझाव दिया गया है। इससे प्रदेश में ऐसी संपत्तियों के बंटवारा आसान हो जाएगा।स्टांप विभाग को इससे करोड़ों रुपए राजस्व मिलेगा।

ऐसी संपत्तियों पर अवैध कब्जे का झंझट कम होगा।ऐसी संपत्तियों को लेकर कोर्ट में चल रहे केस कम होंगे और पारिवारिक विवादों में भी काफी हद तक कमी आएगी।

सीएम योगी ने कांवड़ियों पर की पुष्प वर्षा

सीसीटीवी निगरानी में हो रही यात्रा, उपद्रवियों की पहचान के बाद पोस्टर होंगे जारीः मुख्यमंत्री

कुछ तत्व सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की कर रहे कोशिशः सीएम

श्रद्धा के साथ स्वच्छता और संयम का भी दिया संदेश, कानून हाथ में लेने की बजाए प्रशासन को सहयोग की अपील

करण वाणी न्यूज

मेरठ/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कांवड़ यात्रा के पवित्र अवसर पर शिवभक्तों का स्वागत कर उनकी श्रद्धा को सम्मान दिया। मेरठ में उन्होंने स्वयं सड़क पर उतरकर कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की, वहीं कुछ जिलों में हेलिकॉप्टर से पुष्प बरसाकर भावनात्मक श्रद्धा को नमन किया। इसी दौरान मेरठ में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा की आड़ में जो भी उपद्रव करेगा और पवित्र यात्रा को बदनाम करने का प्रयास करेगा, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सावन मास में आप सभी का हृदय से अभिनंदन करता हूं। देश के विभिन्न राज्यों से लाखों शिवभक्त हरिद्वार से पावन गंगाजल लेकर भगवान शिव के विभिन्न मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे। बाबा औघड़नाथ मंदिर, पुरा महादेव मंदिर, दुग्धेश्वरनाथ मंदिर जैसे पवित्र स्थलों पर श्रद्धालु अपने भाव व्यक्त करेंगे। यह अत्यंत आनंददायक है कि इस यात्रा में युवा, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी शामिल होकर सामाजिक समता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

श्रद्धा को बदनाम करने वालों से सख्ती से निपटेगा प्रशासनः मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कुछ असामाजिक तत्व इस पवित्र यात्रा को बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। यह हर कांवड़ संघ, हर शिवभक्त का कर्तव्य है कि वे ऐसे उपद्रवियों की पहचान कर उन्हें बेनकाब करें और प्रशासन को तत्काल सूचना दें। सीएम योगी ने कहा कि पूरे मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और यात्रा पूरी होने के बाद उपद्रवियों की पहचान कर उनके पोस्टर सार्वजनिक किए जाएंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरकार ने की सुरक्षा और सुविधा की पुख्ता व्यवस्थाः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि कांवड़ यात्रा के सफल और सुरक्षित संचालन के लिए सरकार, प्रशासन, स्वयंसेवी संगठनों और धार्मिक संस्थाओं ने व्यापक व्यवस्था की है। श्रद्धालुओं को न तो कोई असुविधा हो और न ही यातायात या सुरक्षा से जुड़ी कोई समस्या इसके लिए पूरा प्रशासन तैनात है। जगह-जगह पंडाल लगाए गए हैं, स्वागत शिविर बनाए गए हैं और पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा व विश्राम की पूरी व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने शिवभक्तों से आग्रह किया कि वे यात्रा के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। किसी सड़क, चौराहे या सार्वजनिक स्थल को गंदा न करें। यह यात्रा जितनी पवित्र है, उसकी गरिमा उतनी ही बनी रहनी चाहिए। शिवभक्तों को चाहिए कि वे लोक कल्याण के भाव के साथ यात्रा करें और दूसरों की असुविधा का भी ध्यान रखें।

2017 से पहले की सरकारों पर साधा निशानाः सीएम योगी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला करते हुए कहा कि 2017 के पहले ऐसी पवित्र यात्राओं को प्रोत्साहन नहीं मिलता था, बल्कि उन्हें बाधित किया जाता था। आज जब श्रद्धा को सम्मान देने वाली सरकार है, तो हर शिवभक्त का भी कर्तव्य बनता है कि वह इस परंपरा को शांति और गरिमा के साथ आगे बढ़ाए।

अपने संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि किसी को उपद्रवियों की जानकारी मिले तो वह स्वयं कानून हाथ में लेने के बजाय प्रशासन को सूचना दे। हम सबका दायित्व बनता है कि इस पवित्र यात्रा की गरिमा बनी रहे। भगवान शिव लोकमंगल के देवता हैं, उनकी कृपा सब पर समान रूप से बरसती है। ऐसे में इस यात्रा को किसी भी प्रकार की हिंसा या अव्यवस्था से दूर रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

भाजपा दलितों और गरीबों की दुश्मनः राजेन्द्र पाल

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। भाजपा अब दलितों और गरीबों की सबसे बड़ी दुश्मन बन गई है। वह न सिर्फ उनके अधिकार छीन रही है, बल्कि उनकी अस्मिता और स्वाभिमान को रौंद रही है।÷ कांग्रेस के राष्ट्रीय अनुसूचित जातिध्जनजाति विभाग के चेयरमैन राजेन्द्र पाल गौतम ने लखनऊ में प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा पर सियासी हमला बोला। गौतम ने कहा कि भाजपा सरकार में दलितों पर अत्याचार और उनके खिलाफ अपराध बढ़े हैं।

उन्होंने दावा किया कि 2027 में जब उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी, तभी दलितों को न्याय मिलेगा और अत्याचारों से मुक्ति मिलेगी। राजेन्द्र पाल गौतम ने कहा कि एनसीआरबी 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक दलितों के खिलाफ अपराध में यूपी देश में नंबर-1 पर था। वर्ष 2022 में देशभर में 51,656 केस दर्ज हुए जिनमें से 12,287 मामले (करीब 24ः) यूपी में दर्ज हुए।÷दुर्भाग्य है कि इसके बाद केंद्र सरकार ने एनसीआरबी के आंकड़े ही रोक दिए, ताकि असली तस्वीर जनता के सामने न आए। जब दलितों पर पेशाब करने जैसी घटनाएं हो रही हों, तब सरकार आंखें बंद किए बैठी है,÷ उन्होंने कहा बाबा साहब की मूर्तियों पर योजनाबद्ध तरीके से हमले हो रहे हैं। ऐसी घटनाएं यूपी में सैकड़ों बार हो चुकी हैं, लेकिन योगी सरकार चुप है।

गौतम ने बताया कि योगी सरकार में दलित बारातों पर हमले, घुड़चढ़ी रोकना, डीजे बंद कराने जैसी घटनाएं फिर से सामान्य हो गई हैं। उन्होंने कहा, ÷दलितों को मार खाकर भी जीना पड़ता है, और अब सरकार ने शिक्षा का हक भी छीन लिया है। 50 हजार से ज्यादा सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए। राजेन्द्र गौतम ने सवाल उठाया भाजपा को दलितों के पढ़ने, बढ़ने और बराबरी की बात करने से क्यों परेशानी है? क्यों आरक्षण खत्म करने की बातें होने लगी हैं?÷ गौतम ने दावा किया कि जब कांग्रेस सरकार 2027 में आएगी, तभी दलितों को न्याय मिलेगा। हम बंद किए गए स्कूलों को दोबारा खोलेंगे। दलितों को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देंगे। अपराधियों पर सख्त कार्रवाई होगी। दलितों की अस्मिता को ठेस पहुंचाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। गौतम बोले योगी सरकार को बताना होगा कि आखिर दलितों पर इतने हमले क्यों हो रहे हैं? और क्यों मनुवादी सोच को खुली छूट मिली हुई है? प्रेसवार्ता में यूपी कांग्रेस एससी विभाग के प्रदेश चेयरमैन तनुज पुनिया, पूर्व मंत्री राज बहादुर सिंह, मीडिया चेयरमैन डॉ. सीपी राय, प्रो. आरबी बौद्ध सहित कई नेता मौजूद रहे।

इंदिरा नगर आवासीय महासमिति का विस्तार

लखनऊ। इंदिरा नगर लखनऊ में 20 जुलाई 2025 दिन रविवार इंदिरा नगर आवासीय महासमिति की एक महत्वपूर्ण बैठक सेक्टर 8 इंदिरा नगर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता देवी शरण त्रिपाठी तथा संचालन महासचिव सुशील कुमार बच्चा ने किया। बैठक के दौरान महासमिति के अध्यक्ष देवी शरण त्रिपाठी तथा महासचिव सुशील कुमार बच्चा ने बताया कि इंदिरा नगर एशिया की सबसे बड़ी कॉलोनी होने के नाते जन समस्याओं का निराकरण जल्द से जल्द कराने के लिए कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। संरक्षक डॉ. आरपी सिंह, कार्यवाहक अध्यक्ष पीके जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष शर्मा, कोषाध्यक्ष कैलाश चंद्र जैन, कार्यकारिणी सदस्य राम किशोर, उमराव, सुनीता श्रीवास्तव को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। उन्हें अंग वस्त्र तथा फूल माला पहनकर सम्मानित किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों को एके सिंह, अच्छे लाल वर्मा, अशोक वर्मा, सविता शुक्ला, नितिन गोस्वामी, रामकिशोर, दरबारी सिंहमहेश वाल्मीकि ने बधाई दी।

कावड़ियों के वेश में सत्ता संरक्षित गुंडों का उपद्रवः स्वामी प्रसाद

सरकार नहीं चाहती वंचितों के बच्चे पढ़ें

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। पूर्व कैबिनेट मंत्री और अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने प्रदेश सरकार पर बड़ा हमला बोला है। रविवार को उन्होंने आरोप लगाया कि योगी आदित्यनाथ की सरकार गरीब, मजदूर, दलित और वंचित तबकों के बच्चों की शिक्षा छीनने की साजिश कर रही है। लखनऊ के एक निजी होटल में आयोजित प्रदेश पदाधिकारी बैठक में मौर्य ने कहा कि सरकार द्वारा 27,000 से अधिक स्कूलों के मर्जर का निर्णय शिक्षा का गला घोंटने जैसा है। इसे लेकर उनकी पार्टी प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। मौर्य ने कांवड़ियों को लेकर कहा कि उनके वेश में सत्ता संरक्षित गुंडे उपद्रव कर रहे हैं। लखनऊ में आयोजित बैठक के दौरान स्वामी प्रसाद मौर्य ने पार्टी के महिला मोर्चा, युवा मोर्चा सहित कई नए पदाधिकारियों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अगस्त महीने से प्रदेश के हर ब्लॉक में 'बाइक रैली' निकाली जाएगी, जो योगी सरकार के स्कूलों के मर्जर के फैसले का विरोध करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार यह आदेश वापस नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा, मैंने सबसे पहले राजभवन घेराव का आह्वान किया था और आने वाले दिनों में इस आंदोलन को और तेज किया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव, बूथ-बूथ तक पहुंचेंगे। सोशल मीडिया को आंदोलन का हथियार बनाया जाएगा। बैठक में यह भी तय हुआ कि विधानसभा और जिला स्तर पर संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया जाएगा। स्वामी प्रसाद मौर्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कांवड़ यात्रा पर दिए गए बयान पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा, ÷कांवड़ यात्रा में जो बवाल हो रहा है, वह भोले के भक्त नहीं कर सकते। असली उपद्रव सत्ता से संरक्षण प्राप्त गुंडे और मवालियों द्वारा किया जा रहा है, जो यात्रा की आड़ में माहौल बिगाड़ते हैं। स्वामी प्रसाद ने कहा कि प्रदेश में दलित, वंचित, पिछड़े और अल्पसंख्यकों को टारगेट कर उनके घर तोड़े जा रहे हैं, उन पर मुकदमे लादे जा रहे हैं, जबकि सत्ता से जुड़े हिस्ट्रीशीटर और माफियाओं पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि सरकार का असली चेहरा अब उजागर हो चुका है। आगामी चुनावों को लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि उनकी पार्टी बीजेपी की विचारधारा के खिलाफखड़ी किसी भी पार्टी से गठबंधन पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि 2027 का चुनाव भाजपा को सत्ता से हटाने का चुनाव होगा और हमारी पार्टी उसमें निर्णायक भूमिका निभाएगी। बैठक में स्वामी प्रसाद मौर्य ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे हर गांव और बूथ तक पार्टी के संदेश को पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि पार्टी का मुख्य उद्देश्य है-दलितों, पिछड़ों, गरीबों और मजलूमों की आवाज बनना और उनकी हक की लड़ाई को आंदोलन के माध्यम से मजबूत करना।

कपिलवस्तु के पर्यटन विकास हेतु 6 करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृतः जयवीर

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बौद्ध पर्यटन निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। 2024 में राज्य में 61,47,826 बौद्ध पर्यटक पहुंचे, जिनमें से 79,418 ने कपिलवस्तु का भ्रमण किया। पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए राज्य सरकार सिद्धार्थनगर स्थित कपिलवस्तु में पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए छह करोड़ रुपए की परियोजनाएं स्वीकृत की है।

जिसके अंतर्गत आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा।पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 2024 में कपिलवस्तु में 79,418 बौद्ध पर्यटक पहुंचे थे। इनमें 62,790 घरेलू जबकि 16,628 विदेशी पर्यटक थे। 2022 में कपिलवस्तु आने वाले पर्यटकों की कुल संख्या 26,805 थी, जिनमें 26,707 घरेलू और महज 98 विदेशी पर्यटक थे। मगर, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा किए गए प्रयासों का प्रतिफल रहा कि दो साल के भीतर कपिलवस्तु आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई।

इसी क्रम में विभाग कपिलवस्तु में 06 करोड़ रुपए की लागत से पर्यटन सुविधाओं का विकास करने जा रही है। कपिलवस्तु भगवान बुद्ध का बाल्यकालीन निवास स्थल रहा है, यह स्थान बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए अत्यंत पावन माना जाता है। आंकड़े दर्शाते हैं कि कपिलवस्तु बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र है।सरकार द्वारा विकसित किए जा रहे बौद्ध सर्किट, पर्यटक सुविधाएं और प्रचार-प्रसार ने इस सफलता में अहम भूमिका निभाई है।

राज्य सरकार का विजन है कि विकास योजनाओं के माध्यम से कपिलवस्तु को वैश्विक धार्मिक पर्यटन मानचित्र पर मजबूती से स्थापित किया जाए। कपिलवस्तु, बुद्ध के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों में से एक है, जहां उन्होंने अपने जीवन के 29 वर्ष बिताए थे। यह स्थान प्राचीन शाक्य गणराज्य की राजधानी थी और राजकुमार सिद्धार्थ जो बाद में गौतम बुद्ध बने का घर था। वर्तमान में यह बौद्ध धर्म मानने वालों के लिए तीर्थ स्थल है।

भगवान बुद्ध के अवशेषों वाले स्तूप सहित अन्य पुरातात्विक स्थल हैं, जो दुनियाभर के बौद्ध अनुयायियों को आकर्षित करता है। कपिलवस्तु नगरमुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर स्थित है। पर्यटकों के लिए यहां कपिलवस्तु म्यूजियम, शांति स्तूप, थाई मोनेस्ट्री, तिलौराकोट की प्राचीन साइट आदि हैं। प्रमुख सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग फैम ट्रिप, विदेशी धरती पर लगने वाले व्यापार मेलों का हिस्सा बन प्रदेश सरकार की पर्यटन नीति को आगे बढ़ा रही है।

संसद में उठाऊंगा स्कूलों को बंद करने का मामलाः संजय

सदन से लेकर सुप्रीम कोर्ट और सड़क तक लड़ेंगे लड़ाई

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि सोमवार से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में यूपी में 27000 परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने के मामले को उठाऊंगा। प्रदेश सरकार ने सरकारी प्राथमिक विद्यालयों को बेहतर संसाधन देने की बजाय बंद करने की योजना निकाली है।

विद्यालय के बंद होने से गरीब, दलित, अल्पसंख्यक और पिछड़े समाज के बच्चों को कंपोजिट विद्यालय में पढ़ने के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है।रास्ते में जंगल, रेलवे क्रॉसिंग और हाइवे जैसी तमाम बाधाएं पार करके बच्चों को जाना पड़ता है, जिसके चलते हजारों बच्चों की पढ़ाई रुक गई है। स्कूलों को बंद कर सरकार अपनी नाकामी छुपा रही है। योगी सरकार के इस निर्णय के खिलाफआम आदमी पार्टी सड़क से संसद तक और फिर सुप्रीम कोर्ट तक इस लड़ाई को लड़ेगी। 21 जुलाई से चलने वाले संसद सत्र में भी स्कूलों को बंद करने के खिलाफ आवाज उठाऊंगा। उन्होंने कहा कि यह स्कूल बचाओ आंदोलन तब तक चलेगा, जब तक प्रदेश सरकार निर्णय को वापस नहीं लेगी। आप सांसद ने कहा कि सरकार का तर्क है कि बच्चों की संख्या कम होने के चलते स्कूलों को बंद किया जा रहा है।

सवाल ये है कि जब पहले से ही स्कूलों को संसाधन हीन कर दिया जाएगा, टाट पट्टी पर बच्चों को बैठाया जाएगा, शौचालय नहीं होंगे, मिड डे मील में कीड़े निकलेंगे, स्कूलों की इमारतें जर्जर और कमरे बिना बिजली के अंधेरे पड़े होंगे तो स्कूलों में बच्चों की संख्या तो कम होगी। लेकिन सरकार उन स्कूलों में संसाधनों को बढ़ाने के बजाए उन्हें बंद कर शिक्षा को जड़ से खत्म करने पर तुली है। सांसद संजय सिंह ने कहा कि एक किलोमीटर के दायरे में स्कूल होना चाहिए, ये शिक्षा के अधिकार का कानून कहता है। लेकिन स्कूलों को 3 से 4 किलोमीटर दूर करके योगी सरकार बच्चों का भविष्य बर्बाद करने पर तुली है।

उन्होंने सवाल किया कि मोदी, योगी आदित्यनाथ, बीजेपी के नेताओं, आईएएस अधिकारी जिन्होंने स्कूल बंद करने का फैसला किया है, क्या उनके बच्चे रोजाना 5 किमी पैदल स्कूल आ और जा सकते हैं?

लुलु मॉल ने मनाया लुलु हैंड्स ऑफ ऑनर

लखनऊ । कारगिल विजय दिवस के अवसर पर लुलु मॉल, लखनऊ ने अपने वीर जवानों के साहस और बलिदान को स्मरण करते हुए एक अनोखी पहल की लुलु हैंड्स ऑफ ऑनर। इस आयोजन का उद्देश्य केवल श्रद्धांजलि देना ही नहीं, बल्कि उन परिवारों को भी मंच देना है जिन्होंने देश सेवा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। इस अवसर पर लुलु मॉल ने आर्मी वुमेंस वेलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से हैंडमेड प्रोडक्ट्स एग्जीबिशन का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन श्रीमती रुचिरा सेनगुप्ता, क्षेत्रीय अध्यक्ष, सूर्या कमांड द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में सैनिकों की पत्नियों द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की गई। यह पहल आत्मनिर्भरता, सम्मान और सृजनात्मकता का प्रतीक बनी। इस पहल को सुव्यवस्थित और सफल बनाने में आर्मी स्किल ट्रेनिंग सेंटर, लखनऊ की प्रमुख भूमिका रही, सूर्या कमांड के सभी फौजी परिवारों के भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत है।

हर पल है कीमती, हर 6 सेकंड में एक जान लेता है ब्रेन स्ट्रोक

वर्ल्ड ब्रेन डे पर अपोलो हॉस्पिटल्स की जागरूक पहल 'प्रयास''

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। ब्रेन स्ट्रोक दुनियाभर में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण बन चुका है और हर 6 सेकंड में एक व्यक्ति इसकी चपेट में आकर अपनी जान गंवा देता है। ऐसे में शुरुआती लक्षणों को पहचानना और तुरंत इलाज शुरू करना बेहद जरूरी हो जाता है। इसी उद्देश्य के साथ अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने वर्ल्ड ब्रेन डे के मौके पर 'प्रयास एक कोशिश बेहतर जिंदगी की' नाम से एक विशेष अभियान की शुरुआत की। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को ब्रेन स्ट्रोक, उसके शुरुआती संकेत, आपातकालीन प्रतिक्रिया और आधुनिक इलाज की उपलब्ध सुविधाओं के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर विशेषज्ञ डॉक्टरों के व्याख्यान, डेमो प्रदर्शन, स्ट्रोक से उबर चुके मरीजों के अनुभव और अत्याधुनिक स्ट्रोक रिस्पॉन्स सिस्टम की लॉन्चिंग की गई। न्यूरोलॉजी विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर, डॉ. प्रदीप कुमार ने स्ट्रोक को लेकर जनजागरूकता की कमी पर चिंता जताते हुए कहा, अधिकतर स्ट्रोक मरीज कीमती समय गंवा देते हैं क्योंकि वे या उनके परिजन ब्रेन स्ट्रोक के शुरुआती लक्षणों को पहचान नहीं पाते। यदि मरीज स्ट्रोक आने के 4 घंटे के भीतर अस्पताल पहुंच जाए, तो समय रहते इलाज से अक्सर पूरी तरह से रिकवरी संभव हो सकती है। इस स्थिति में इलाज जितनी जल्दी शुरू हो जाए, मस्तिष्क को भी उतनी तेजी से बचाया जा सकता है, यानि, जितना समय बचाया, उतना ही मस्तिष्क बचाया। न्यूरो इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के कंसल्टेंट, डॉ. देवांश मिश्रा ने एडवांस स्ट्रोक केयर और समय पर इलाज की अहमियत पर जोर देते हुए कहा, अक्सर लोग स्ट्रोक के शुरुआती संकेत कृ जैसे बोली में लड़खड़ाहट, एक तरफ कमजोरी या चेहरे का टेढ़ा होना कृ को नजरअंदाज कर देते हैं, सोचते हैं कि यह अपने आप ठीक हो जाएगा।

व्यापारी समस्याओं को लेकर जिलों में होगा प्रदर्शन

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। ऑनलाइन ट्रेडिंग एवं ई-कॉमर्स कंपनियों को रेगुलेटिंग एक्ट में लाने एवं जीएसटी विभाग द्वारा उत्पीड़न, खाद्य विभाग द्वारा सैंपल के नाम पर उत्पीड़न, मंडी शुल्क पांच प्रतिशत करने, स्मार्ट मीटर एवं पुलिस उत्पीड़न जैसे अनेक मुद्दे के विरोध में व्यापारी 23 व 24 जुलाई को अपने-अपने जिले में धरना प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराएंगे। यह निर्णय रविवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में लिया गया।

बैठक का आयोजन एमआई रसल कोर्ट शहीद पथ पर प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा की अध्यक्षता में हुआ। संचालन प्रदेश महामंत्री राजेंद्र गुप्ता ने किया। बैठक में संगठन की मजबूती एवं व्यापारियों की व्यावसायिक चुनौतियों पर व्यापक रूप से चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा ने कहा कि ऑनलाइन के बढ़ते कारोबार से व्यापारी परेशान है जीएसटी विभाग व्यापारियों को ईमेल के माध्यम से नोटिस भेज रहा है जिसको व्यापारी देख नहीं पाते हैं इस परिस्थिति में व्यापारी ग्रेड-1 में अपील न कर पाने के कारण एक्सपार्टी का शिकार हो रहे हैं। फिर उनके खाते सीज किए जा रहे हैं।

प्रदेश के जलेसर सहित अनेक जिले में जांच एवं सर्वे के नाम पर व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। सचल दल छोटी-छोटी भूलवश समस्याओं पर जुर्माना वसूल रहे हैं तथा धारा 79 का दुरुप्रयोग कर अपना गुड वर्क दिखाकर व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। जिसे व्यापारी बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि 3 अगस्त को भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की स्थापना दिवस के अवसर आकाशवाणी ऑडिटोरियम संसद मार्ग में व्यापारियों का सम्मेलन होने जा रहा है इसलिए प्रत्येक जिले से व्यापारी भारी संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाए।

बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा, चेयरमैन महेंद्र जैन मयूर, प्रदेश महामंत्री राजेंद्र गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलाकांत पांडे, रविंद्र प्रताप मल्ल, अशोक कंसल, कोषाध्यक्ष राम किशोर मिश्रा, जिलाध्यक्ष कुलदीप सिंह दुआ, प्रदेश युवा महामंत्री योगेंद्र सिंह, अमरनाथ अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

आश्वासन मिलने के बाद समिति द्वारा तीन दिवसीय धरना समाप्त

लखनऊ। लखनऊ सरोजनीनगर प्रथम वार्ड के पण्डितखेड़ा समग्र विकास समिति व क्षेत्र की जनता द्वारा 3 दिवसीय धरना का आयोजन किया गया था जो क्षेत्र की विभिन्न मुद्दों के लिए था जिसमे अधूरे नाले का निर्माण शीघ्र पूरा हो व शुभम् सिटी पारा लिंक रोड,यादव आटा चक्की से छठ घाट तक की सड़क,रेलवे अंडरपास के नीचे जल भराव की समस्या व सबसे महत्वपूर्ण केसरीखेड़ा रेलवे क्रासिंग पर वैकल्पिक रास्ता देने की मांग प्रमुख थी मा. विधायक डॉ राजेश्वर सिंह जी की पहल पर सभी मांगे स्वीकार करते हुए इन मांगों को 3 माह के भीतर धरातल पर उतारने का भरे मंच से आश्वासन दिया जिसका हम सभी क्षेत्र के वासियों ने स्वागत किया व विधायक प्रतिनिधि श्री अखिलेश सिंह जी के आग्रह पर 3 दिवसीय धरने को समाप्त किया गया,इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष विनीत मिश्रा, अरुण शुक्ला, अमित सिंह, विजेंद्र देव ओझा, अरुण दूबे, बृजेश श्रीवास्तव,नवीन, प्रदीप राजपाल, प्रमोद मिश्रा,बीबी पाल, अभिनव सक्सेना, वीरेंद्र तिवारी, अजय सिंह,अजय शुक्ला ,पिंटू यादव,पूनम चौरसिया, सहित तमाम महिलाएं भी शामिल रहीं।

सीएजी ने तलब की निजीकरण फाईल, मचा हड़कम्प

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 42 जनपदों के निजीकरण पर एक नए घटनाक्रम के तहत बड़ा संकट पावर कारपोरेशन के सामने आ गया है। भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने पावर कॉरपोरेशन से निजीकरण के पूरे मसौदे पर रिपोर्ट तलब करते हुए पूरा मसौदा शुरू से लेकर अंत तक सीएजी के सामने प्रस्तुत करने का निर्देश जारी कर दिया है। सीएजी द्वारा जारी निर्देश की प्रति जैसे ही निदेशक वित्त पावर कारपोरेशन को पहुंची पावर कारपोरेशन में हड़कंप मच गया। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद लगातार निजीकरण के मसौदे को आसंवैधानिक बताते हुए इसमें भ्रष्टाचार किए जाने का मामला उठा रहे है। उनका सीधा और प्रमाणिक आरोप है कि निजी घरानों को बड़ा लाभ देने की तैयारी है। जून 2025 में पूरे मामले को भारत के प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति को भेजते हुए सीबीआई, सीएजी या किसी उच्च स्तरीय जांच कमेटी से कराने की मांग उठाई थी। जिस प्रकार से भारत सरकार की केंद्रीय एजेंसी सीएजी ने पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है। यह ऊर्जा क्षेत्र के इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है कि निजीकरण के मामले में कार्यवाही शुरू करने के पहले ही पूरे मसौदे को तलब कर लिया है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने कहा कि कतिपय अधिकारियों और संरक्षकों को इन मनमानी और भ्रष्टाचार की सजा दिलाने तक परिषद चुप नही बैठेगा। न ही निजीकरण होने देगा और न ही बिजली के दाम बढ़ने देगा। गौरतलब है की बिजली कंपनियों में निजीकरण का यह मसौदा पूरी तरीके से असंवैधानिक है। क्योंकि जो कंसलटेंट ग्रांट थ्रोनटन इस मसौदे को तैयार कर रहा है वह पहले से ही अमेरिका रेगुलेटर के रडार पर है।

कैब ड्राइवरों का सड़क पर लेटकर प्रदर्शन

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के विभूति खंड में कैब ड्राइवरों ने कैब कंपनियों के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया है। ड्राइवर ओला, उबर, इन ड्राइव और रैपिडो मुर्दाबाद, योगी सरकार ड्राइवरों का उत्पीड़न बंद करो, होश में आओ के पोस्टर बैनर लेकर पहुंचे। सड़क पर लेटकर योगी सरकार और कैब कंपनियों के खिलाफ नारेबाजी की। यूपी में कैब कंपनियों के लिए एग्रीगेटर पॉलिसी लागू करने की मांग की। ड्राइवरों का कहना है कि कैब कंपनियां राइड पर कम पेमेंट करती हैं। इसे बढ़ाने के लिए कई बार मांग की जा चुकी है। सुनवाई नहीं हो रही है। अब सामूहिक रूप से आत्मदाह करेंगे। भारतीय कैब कंट्रोल बोर्ड के अस्थाई अध्यक्ष जाहिद प्रधान ने कहा कि एग्रीगेटर पॉलिसी के हिसाब से प्रति किलोमीटर किराया 22 रुपए से अधिक होना चाहिए, लेकिन अभी 8 से 10 रुपए तक है। ड्राइवर अपना परिवार नहीं चला पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से भी मिल चुके हैं। ज्ञापन दे चुके हैं। गांधी प्रतिमा पर प्रदर्शन भी किया गया है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अब हम सब लोग एकजुट होकर अपने तरीके से प्रदर्शन करेंगे और सामूहिक रूप से आत्मदाह भी करेंगे। योगी सरकार का विरोध करेंगे, क्योंकि सरकार के कान में जूं नहीं रेंग रही है। कैब ड्राइवर मोहम्मद शरीफ ने कहा कि किराया 8 प्रति किलोमीटर मिल रहा है। ओला-उबर के चलते हम लोग परेशानी झेल रहे। घनश्याम ने कहा कि किराया बहुत कम है। किराए की कोई लिमिट नहीं है। कंपनी हमसे ध्4000 टैक्स हर तीसरे महीने लेती है। पुलिस वाले हर सड़क-चौराहे पर चालान करते हैं। कागज होता भी है तभी कार्रवाई हो जाती है। फहीम खान ने कहा कि सरकार भी हमसे कमा रही है। कंपनी भी हमसे कम रही है, लेकिन हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ड्राइवर विपिन राय ने कहा कि 1 साल का 16000 टैक्स देते हैं। 5000 से अधिक का फिटनेस होता है। ड्राइवर अपने परिवार का पालन पोषण भी नहीं कर पा रहे हैं। रामचंद्र उपाध्याय ने कहा कि पहले कमाई बहुत थी, लेकिन अब पैसे अच्छे नहीं मिलते हैं। आज की डेट में स्थिति यह है कि खाने के लाले पड़ गए हैं। बच्चों की फीस नहीं जमा कर पा रहे हैं।सबसे अधिक टैक्स यूपी में है। हम लोग कॉमर्शियल गाड़ी चलाते हैं टैक्स भी देते हैं, लेकिन प्राइवेट गाड़ियों में पुलिस की मिली भगत से टैक्सी गाड़ियां चल रही है। हम आत्मदाह के लिए मजबूर हैं। सीएनजी यहां बहुत महंगी है। टैक्स भी अन्य राज्यों से अधिक है। हम लोगों की भी सुनवाई होनी चाहिए। हम लोगों पर सरकार को ध्यान देना चाहिए बाइक भी चलाई जा रही है। वह कामर्शियल नहीं है फिर भी सरकार ध्यान नहीं दे रही है।

मामूली विवाद में जमकर चले लाठी-डंडे और कुर्सियां

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। गुडंबा इलाके में मामूली विवाद में दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडा व कुर्सियां चली। जिसमें एक महिला को गंभीर चोट आई है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि जब वो बचने के लिए घर में भागे तो दबंग पीछे से बांका लेकर अंदर आ गए और हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्पोर्ट्स कॉलेज गुडंबा निवासी रेखा यादव (35) पत्नी बालक राम यादव ने बताया कि रविवार को घर के बाहर अपनी बुआ संगीता यादव व अन्य परिवार के साथ बैठी थी। तभी इलाके में रहने वाले राकेश, डॉक्टर संतोष, अजेन्द्र, राम लखन सहित 25-30 पहुंचकर गाली गलौज करने लगे। गाली देने का विरोध किया तो बुआ पर हमला कर दिया। परिवार वाले बीच बचाव करने आए तो दबंगों ने बांके से जान से मारने की नियत से सभी पर हमला कर दिया।

परिवार के लोग जान के बचाने के लिए घर में घुसे तो पीछे से डॉक्टर संतोष सहित अन्य लोग अंदर घुस गए। इसके बाद संगीता व बालक राम पर सहित 10 साल के शिवा पर बांके से हमला कर दिया। हमले में शिवा बाल-बाल बच गया। लेकिन संगीता और बालक राम हमले से बेहोश होकर वहीं गिर गए। इसके बाद आरोपी गले की सोने की चेन लेकर मरा समझकर भाग गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पीड़ित परिवार ने पुलिस के पास तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

लॉन्ग जंप, शॉट पुट और 100 मीटर रेस में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

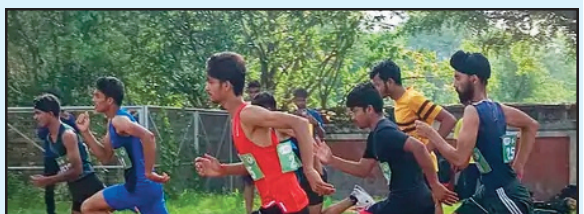

लखनऊ। लखनऊ खेल प्राधिकरण परिसर में सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल, कानपुर रोड कैंपस द्वारा आयोजित सीबीएसई क्लस्टर-4 खेल प्रतियोगिता का दूसरा दिन उत्साहपूर्ण रहा। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने कई प्रतिस्पर्धाओं में अपना कौशल दिखाया। अंडर-14 बालिका लॉन्ग जंप में लखनऊ पब्लिक स्कूल की पलक मिश्रा ने स्वर्ण पदक जीता। सेंट थॉमस स्कूल, चित्रकूट की आकांक्षा सेंगर रजत और एसआरजी मेमोरियल अकेडमी की अमरिंदर कौर ने कांस्य पदक प्राप्त किया। बालक वर्ग में माउंट लिट्रा स्कूल, इटावा के अर्पित यादव प्रथम स्थान पर रहे। अंडर-17 बालिका लॉन्ग जंप में कन्नौज पब्लिक स्कूल की साक्षी सिंह विजेता रहीं। आर्मी पब्लिक स्कूल की सिद्धि और डीपीएस कानपुर की मीनाक्षी शुक्ला ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। शॉट पुट प्रतियोगिता में अंडर-14 वर्ग में एसेंट पब्लिक स्कूल के अरमान और विद्या निकेतन स्कूल की आरोही सिंह ने स्वर्ण पदक जीते। अंडर-17 में आर्मी पब्लिक स्कूल के प्रशांत यादव और संजोस अकेडमी की अलका यादव विजयी रहे। 100 मीटर दौड़ में अंडर-14 वर्ग में एसएस पब्लिक स्कूल के आर्यन गोस्वामी और ब्राइटलैंड स्कूल की वर्षा ने पहला स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 में आर्मी पब्लिक स्कूल के वर्धन दीक्षित और विद्या पब्लिक स्कूल की रिद्धिमा सिंह ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्य पूनम गौतम ने खिलाड़ियों को खेल भावना के महत्व का संदेश दिया।

रक्तदान शिविर,17 लोगों ने किया रक्तदान

लखनऊ। राजधाानी के स्नेह नगर आलमबाग स्थित सावन कृपाल रूहानी मिशन परिसर में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। लोक बंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय आशियाना के ब्लड बैंक विभाग ने इस शिविर का आयोजन किया। शिविर में ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ. पी.सी. तिवारी सहित कई चिकित्सक और कर्मचारी मौजूद रहे। इनमें डॉ. तान्या जायसवाल, श्री एस.पी. उपाध्याय, श्री राज कुमार पांडेय, श्री धनंजय प्रजापति समेत अन्य स्टाफ शामिल थे। सावन कृपाल रूहानी मिशन के आध्यात्मिक कार्यक्रम के दौरान लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में 24 लोगों ने पंजीकरण कराया। इनमें से 17 लोगों ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने कहा कि रक्तदान से शरीर को कोई नुकसान नहीं होता है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से रक्तदान करने की अपील की।

निगोहा में पूरी रात रही बिजली गुल

निगोहां। भीषण गर्मी में बीती देर लगभग साढ़े ग्यारह बजे बछरांवा ट्रांसमिशन से संचालित निगोहां उपकेंद्र की 33 केवी लाइन फेस टू फेस हो गयी। ओवर करंट के कारण तकनीकी खराबी से जम्पर क्षतिग्रस्त हो गया। इसके कारण पूरी रात करीब 10000 उपभोक्ताओं की बिजली गुल रही। हालाकि, शिकायत पर अभियंता और कर्मचारी पूरी रात तकनीकी खराबी को दूर करने के लिए जुटे रहे जिससे रविवार सुबह बिजली चालू हो सकी अवर अभियंता विजय शर्मा के अनुसार न समेसी उपकेंद्र से निगोहां सबस्टेशन की 33 केवी लाइन चालू करवाई, बिजली चल नहीं सकी। इस दौरान विद्युतकर्मियो की टीम बछरांवा से पोषित 33केवी लाइन की पेट्रोलिंग करते रहे। अमावां गांव के पास बंधे जंफरो में एक जंफर जला मिला,जिसको जोड़ा गया,जिसके बाद सुबह लगभग साढ़े चार बजे बछरांवा ट्रांसमिशन से निगोहां उपकेंद्र की आपूर्ति शुरू हो पाई।

दूसरे दिन 770 का चालान, सात वाहन सीज

लखनऊ। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर राजधानी लखनऊ में चल रहे सघन प्रवर्तन चेकिंग अभियान के दूसरे दिन अलग-अलग चौक-चौराहों पर आरटीओ, एआरटीओ, पीटीओ और प्रवर्तन सिपाही इन्फोर्समेंट करते दिखायी दिये। दूसरे दिन अभियान में एआरटीओ प्रवर्तन राजीव कुमार बंसल के अलावा लखनऊ संभाग के सभी 06 जनपदों के नौ पीटीओ अफसर भी शामिल रहे। इस दौरान बिना हेलमेट के दुपहिया वाहन चलाने, बिना सीट बेल्ट के चार पहिया वाहन चलाने, बिना ड्राइविंग लाइसेंस व हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के वाहन चलाने, चार पहिया वाहन में ब्लैक फिल्म के प्रयोग आदि अभियोजन के विरुद्ध कार्रवाई की गई। आरटीओ प्रवर्तन प्रभात कुमार पांडेय ने बताया कि अभियान के दूसरे दिन कुल 770 वाहनों का चालान तथा 07 वाहनों को निरुद्ध किया गया। जिसमें हेलमेट से अभियोग में 678 वाहनों के तथा सीट बेल्ट के अभियोग में 92 वाहनों के चालान किए गए। उक्त के अतिरिक्त 07 वाहनों को थाने में निरुद्ध किया गया। अभियान महानगर चौराहा, इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहा, घंटाघर / चौक तथा बंगला बाजार, आशियाना क्षेत्र में चलाया गया जिसमें लखनऊ से पीटीओ एसपी देव, मनोज भारद्वाज, आभा त्रिपाठी, अनीता वर्मा, उन्नाव से शैहपर किदवई, रायबरेली से रेहाना बानो, हरदोई से केएन पाण्डेय, लखीमपुर खीरी से डॉ.कौशलेंद्र यादव और सीतापुर से मो. आब्दीन अहमद उपस्थित थे।

कई इलाकों में तेज बारिश हुई

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कई इलाकों में रविवार दोपहर में तेज बारिश हुई। 35-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। हालांकि, सुबह से मौसम साफ था। तेज धूप निकली थी। मौसम विभाग ने दोपहर में बारिश होने की संभावना जताई थी। रविवार को अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री रहने की संभावना है। अगले दो दिन भारी बारिश के आसार हैं। शनिवार को तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। पूरे दिन बरसात नहीं हुई। इससे गर्मी बढ़ी। अधिकतम तापमान 34.9 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 1 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.4 डिग्री अधिक रहा। दिनभर तेज धूप निकली रही। कई बार बादल भी छाए रहे।

गंदगी और अतिक्रमण से परेशान लोग सड़क पर उतरे

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के उत्तर विधानसभा के चार वार्डों की पहचान वाले फैजुल्लागंज की बदहाली ने स्थानीय निवासियों में आक्रोश पैदा कर दिया है। गांव में नालियों का पानी सड़कों पर बह रहा है। जगह-जगह कूड़े के ढेर जमा है। सुअरों का जमावड़ा लगा रहता है। शिवाला पार्क की टूटी बाउंड्री और अतिक्रमण के बीच गंदगी का अंबार लगा है। दो साल पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा लगवाया गया ओपन जिम भी गंदगी के बीच उपेक्षित पड़ा है। पार्क में जाने से लोग बीमार हो रहे हैं। स्थानीय निवासी राम औतार ने बताया कि गांव ने स्थानीय होने के कारण विधायक डॉ. नीरज बोरा को वोट देकर जिताया। वे आधा किलोमीटर दूर प्रियदर्शनी कॉलोनी में बैठते हैं। लेकिन गांव की दुर्दशा देखने नहीं आए। न ही कोई विकास कार्य करवाया।

पीजीआई में मनाया गया 9वां राष्ट्रीय एनेस्थीसिया टेक्नोलॉजिस्ट दिवस

लखनऊ। संजय गांधी पीजीआई के एनेस्थीसिया विभाग में रविवार 20 जुलाई को 9वां राष्ट्रीय एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नॉलॉजिस्ट दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा सरस्वती पूजा और दीप प्रज्वलन से हुई। मुख्य अतिथि और संस्थान के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर देवेंद्र गुप्ता ने कहा कि मरीज की सुरक्षा और सर्जरी की सफलता टेक्नीशियन के कुशल योगदान पर निर्भर करती है।

विभागाध्यक्ष एनेस्थीसिया प्रोफेसर प्रभात तिवारी ने हार्ट सर्जरी में ट्रांस इसोफेजियल इको उपकरण के रखरखाव में टेक्नीशियन की भूमिका को सराहा। कार्यक्रम में मेडिटेक संगठन के महामंत्री सरोज वर्मा, वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष धर्मेश कुमार और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ टेक्नॉलॉजिस्ट उपस्थित रहे। इनमें विनय प्रताप सिंह, मनोज सिंह, अजय नारायण वर्मा और अभय कुमार झा शामिल थे।

आपने बहुत सेवा की, अब दुनिया को छोड़ कर जा रहा...!

बुजुर्ग ने कीटनाशक का सेवन कर की खुदकुशी

करण वाणी न्यूज

लखनऊ, मलिहाबाद। रहीमाबाद थाना अंतर्गत पोखर गांव में रविवार सुबह एक लापता बुजुर्ग का शव मिलने से सनसनी फैल गई। बुजुर्ग के मुंह से झाग निकल रहा था और बगल में ही एक सुसाइड नोट भी मिला। जिसमें लिखा था कि आपने मेरी बहुत सेवा की, अब मैं इस दुनिया को छोड़कर जा रहा हूं। इसके बाद पुलिस ने शिनाख्त के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, आशंका जताई जा रही है कि बीमारी से तंग आकर बुजुर्ग ने आत्मघाती कदम उठा लिया। रहीमाबाद इंस्पेक्टर आनंद कुमार के मुताबिक, काकोरी थाना अंतर्गत फूलबाग निवासी दयाराम वर्मा (75) पत्नी रामावती और बेटे हरिओम के साथ रहते थे। एक लम्बे समय से वह बीमार चल रहे थे, शहर के एक अस्पताल से उनका इलाज चल रहा था। बेटे हरिओम ने बताया कि शुक्रवार को पिता दयाराम बगैर बताए घर से कहीं चले गए थे। जिसके बाद वह वापस नहीं लौटे। परिजनों से काफी खोजबीन की। बावजूद इसके उनका कहीं पता नहीं लग सका। इसके बाद बेटे ने काकोरी थाने में पिता की गुमशुदगी दर्ज कराई। रविवार सुबह रहीमाबाद के पोखर गांव के पास ग्रामीणों ने दयाराम को मृत हालत में देख पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को सूचना देते हुए शव की शिनाख्त कराई। पूछताछ में पता चला कि दयाराम एक बीमारी से ग्रस्त थे। लम्बे समय से उनका इलाज चल रहा था। बीमारी से मुक्ति पाने के लिए दयाराम ने कीटनाशक का सेवन का आत्महत्या कर ली। इंस्पेक्टर ने बताया कि घटनास्थल के पास से पुलिस ने दो एक सुसाइड नोट के अलावा दो कीटनाशक दवा की शीशी भी बरामद की है। फिलहाल, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा।

खेत में लगे लोहे के एंगल रातों-रात चोरी

करण वाणी न्यूज

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर विकास खंड के मझिगवा सुशांत गोल्फ सिटी के क्षेत्र में आए दिन खेत में लगे लोहे के एंगल चोरी होना आम बात हो गई है , वहीं थाना क्षेत्र में लोगों की सुरक्षा को लेकर दिन रात पुलिस गश्त करती है , लेकिन मामला कुछ और ही नजर आता है , पुलिस के गश्त के बाबजूद भी चोरों के हौसलों को डांट देते हैं , जहां एक तरह पुलिस दिन रात गश्त करती है, गश्त के बाद भी चारों ने खेत में लगे एंगल को चोरी कर ले जाते है , दिन रात गश्त के बाद भी चोरी क्यों ? इस पर सवाल खड़ा कर देनी वाली बात है। लोहे के एंगल की कीमत 10 हजार से ज्यादा की है ।

सरोजनीनगर विकास खंड के मझिगवा सुशांत गोल्फ सिटी के निवासी सत्येंद्र कुमार के खेत में लगे लोहे के एंगल रातों रात चोरी हो गए । ऐसे में क्षेत्र में गश्त कर रही पुलिस की गाड़ियों पर सवाल उठ रहा है , जहाँ पर खेतो मे खड़ी फसलो को जानवरों से बचाने के लिए लोहे के एंगल लगाए गए थे लेकिन बीती 17 जुलाई को चोरो ने चोरी कर ले गए थे। यही नहीं बेखौफ़ चोरो ने पुनः 19 जुलाई को फिर खेतो मे लगे लोहे के एंगलो को चोरी कर ले गए। जिससे करीब 20 लोहे के एंगल चोरी हो गए। ऐसे में लोगों के दिल में एक दहशत बनी हुई है।

क्षेत्र में लगातार चोरों की दहशत बढ़ती जा रही है , पुलिस हाथ पे हाथ रखे ए.सी का मजा ले रही है वहीं क्षेत्र में क्या हो रहा है क्या नहीं साहेब को पता नहीं । जहां एक तरह प्रशासन क्षेत्र में होने वाले क्राइम व चोरियों को कम करने में दिन रात गश्त के लिए गाड़ी दी जा रही है , लेकिन विडंबना क्षेत्र में चोरियों पर लगाम लगने का नाम नहीं ले रही है , क्या प्रशासन ने गाड़ी सिर्फ आराम फरमाने के लिए दी है जहां लगातार हो रही चोरियों से लोग परेशान है।

खेत की सुरक्षा न किया जाए तो जानवर फसल नाश कर देते है , लोहे के एंगल लगा कर खेत की सुरक्षा की जाए तो बेखौफ़ घूम रहे, चोरों का आतंक खेत में लगे एंगल चोरी कर ले जाना आम बात हो गई , ऐसे में किसान किस की सुरक्षा करे । इसकी शिकायत थाना गोल्फ सिटी के जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज करवाई गई है लेकिन अभी तक पीड़ित सतेंद्र

स्कूटी से हीरे की अंगूठी बब्ली-बंटी ने चुराई

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मानकनगर में एक महिला-पुरुष ने स्कूटी की डिक्की से हीरे की अंगूठी गायब कर दी। दोनों ज्वैलर्स की दुकान से पीछा करते हुए आए। मौका पाकर 2-3 मिनट के अंदर अंगूठी फरार हो गए। सारी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सेक्टर-जी एलडीए कॉलोनी कानपुर रोड निवासी शानू 16 जुलाई को रात करीब 8.30 बजे अपनी धर्म पत्नी मीनू फुल्ल को अंगूठी दिलवाने बरगंवा फीनिक्स माल कानपुर रोड के पास कल्याण ज्वैलर्स गए थे। वहां पर 75 हजार रुपए की हीरे की अंगूठी खरीदी। इसके बाद अपनी ओला इलेक्ट्रिक स्कूटी की डिक्की में अंगूठी उसका बिल और अन्य कागज रखकर सर्राफ चौकी आलमबाग के ठीक सामने मुकेश डिपार्टमेंटल स्टोर में कुछ सामान खरीदने चले गए। गाड़ी दुकान के सामने ही खड़ी थी। सामान लेकर दो से तीन मिनट में वापस आए तो गाड़ी की डिक्की से अंगूठी गायब मिली। इसके बाद दुकानदार के सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता हुआ कि एक महिला व पुरुष जो कल्याण ज्वैलर्स से ही हमारा पीछा कर रहे थे। उन्होंने अंगूठी चोरी कर ली है। इसके बाद थाने जाकर मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस सीसीटीवी की मदद से आरोपियों की तलाश कर रही है।

शहीद पथ किनारे बेकाबू स्कॉर्पियो ढाबे में जा घुसी

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। शहीद पथ किनारे बने ढाबे में तेज रफ्तार बेकाबू स्कॉर्पियो जा घुसी। स्कॉर्पियो घुसने से ढाबे में भगदड़ मच गई। गाड़ी एक युवक और टेबल को टक्कर मारते हुए किचन से टकराकर रूकी। कस्टमर ने भागकर अपनी जान बचाई। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्कॉर्पियो को सीज कर दिया। हादसा शनिवार देर रात करीब 1:45 बजे अहिमामऊ इलाके के सीवाज ढाबे का है।

मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया कि स्कॉर्पियो चला रह युवक नशे में था। उसने करीब एक घंटे पहले ढाबे पर ही शराब पी थी। कार, टेबल और फिर किचन से टकराने से स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त हो गई। उसका ड्राइवर साइड का गेट लॉक हो गया। इस वजह से गाड़ी चला रहा युवक फंस गया। ढाबे में खड़े एक युवक ने स्कॉर्पियो का गेट खींचकर उसे बाहर निकाला। थप्पड़ मारते हुए मौके से भगा दिया। उसकी पहचान अहिमामऊ के सोनू के रूप में हुई है।

पुलिस का कहना है कि मामले में किसी ने तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अहिमामऊ का सीवाज ढाबा रातभर खुलता है। सीसीटीवी में दिख रहा है कि लोग खाना खा रहे थे। कुछ लोग ऑर्डर का इंतजार कर रहे थे। रात 1¬45 बजे काली स्कॉर्पियो पहले बाहर खड़ी एक कार को टक्कर मारती है, फिर सीधे ढाबे के मुख्य रास्ते से अंदर घुस जाती है। अंदर एक युवक टक्कर मारती है और फिर टेबल को रौंदती है। ढाबे में अफरा-तफरी मच जाती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सीवाज ढाबे में ग्राहकों को शराब पिलाई जाती है। ढाबे के बाहर गाड़ियां खड़ी करके लोग शराब पीते हैं। ढाबा संचालक संदीप सिंह से कई बार लोगों ने शिकायत की, लेकिन उसने सुनवाई नहीं की। स्थानीय लोगों ने बताया कि ढाबा संचालक संदीप सिंह का स्थानीय नेताओं और पुलिस से कनेक्शन है। इस वजह से वह पूरी रात ढाबा खुला रहता है। खुलेआम लोग शराब भी पीते हैं। हुड़दंग करते हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती है। फिलहाल, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।

कूड़ा और बदबू से परेशान लोगों ने किया हंगामा

लखनऊ। नगर निगम जोन-7 के देवा रोड स्थित लखनऊ स्वच्छता अभियान (एलएसए) के कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन पर रविवार को जमकर बवाल हुआ। वर्षों से गंदगी और दुर्गंध से परेशान वुड्स अपार्टमेंट के निवासियों ने कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन हटाने की मांग को लेकर हंगामा किया। सड़कों पर गाड़ियां खड़ी करने व कूड़ा ढेर कर बदबू फैलाने का आरोप लगाकर एलएसए कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई। गाड़ियों की चाबियां छीन लीं। गेट में ताला लगा दिया। काफी देर तक हंगामे के बाद जोनल अधिकारी आकाश कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने अपार्टमेंट और एलएसए कर्मचारियों के बीच वार्ता कर विवाद सुलझाया। 10 दिन के अंदर यहां की व्यवस्था दुरुस्त की जाएगी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस ट्रांसफर स्टेशन से इलाके में भारी गंदगी और दुर्गंध फैलती है, जिससे आसपास रहना मुश्किल हो गया है। स्थिति से त्रस्त लोगों ने यूजर चार्ज देना भी बंद कर दिया था। रविवार को अचानक हालात बेकाबू हो गए। जोनल अधिकारी को वुड्स अपार्टमेंट के निवासियों ने बताया कि ट्रांसफर स्टेशन से लगातार उठती बदबू और फैली गंदगी के कारण बच्चों, बुजुगों और बीमार लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। इलाके में मच्छरों और संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। नगर निगम ने न तो ट्रांसफर स्टेशन हटाया और न ही उसकी नियमित सफाई की व्यवस्था की।

भोजवाल समाज ने रखी सामाजिक समानता की मांग

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। लखनऊ श्रीअन्नकला बोर्ड की स्थापना और भोजवाल समाज की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक दिशा में सुधार को लेकर लखनऊ स्थित वित्तीय प्रबंधन संस्थान, सेक्टर-24, इंदिरा नगर के ऑडिटोरियम में भोजवाल समाज के प्रबुद्ध वर्ग का महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित किया गया।सम्मेलन में उत्तरप्रदेश, नगालैंड, बिहार, राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड समेत कई राज्यों से समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद विधान परिषद सदस्य गोपाल अंजान ने कहा कि यदि भोजवाल समाज को राजनीति में प्रभावी हिस्सेदारी चाहिए तो समाज को संगठित होना होगा। उन्होंने श्रीअन्नकला बोर्ड की स्थापना की मांग पर सहमति जताते हुए कहा कि भोजवाल समाज का प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही मुख्यमंत्री से मिलेगा। सम्मेलन के सह-आयोजक इंजीनियर उमा शंकर भोजवाल ने कहा कि आजादी के 77 साल बाद भी भोजवाल समाज को न तो सामाजिक समानता मिली और न ही कोई विशेष सरकारी सुविधा। वहीं संतोष शिवा ने कहा कि जनसंख्या के अनुपात में भोजवाल समाज को अब तक राजनीतिक लाभ नहीं मिल पाया है। कार्यक्रम आयोजक अरुण आजाद भोजवाल ने ऐलान किया कि शीघ्र ही प्रदेश के सभी जिलों में भोजवाल समाज एकजुट होकर जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपेगा। उन्होंने कहा,÷जिस दिन एक करोड़ भोजवाल समाज के लोग अपने हक के लिए खड़े होंगे, उस दिन कोई सरकार हमारी अनदेखी नहीं कर पाएगी। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे राजकुमार भुर्जी ने कहा कि देशभर से भोजवाल समाज का प्रबुद्ध वर्ग अपने अधिकारों को लेकर चिंतित है और इसका प्रभाव आगामी 2027 के चुनावों में स्पष्ट दिखाई देगा। प्रमुख वक्ताओं में राजीव भोजवाल, विनोद विद्यार्थी, सरिता भोजवाल, पंकज गुप्ता, दिनेश चंद्रा भोजवाल, डॉ. शंभू नारायण, एडवोकेट कामेश्वरनाथ सहित सैकड़ों बुद्धिजीवियों ने अपने विचार साझा किए।

बुजुर्ग विधवा महिला को घर में घुसकर पीटा

लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र में एक वृद्ध महिला से मारपीट का मामला सामने आया है। लौंगा खेड़ा, खारिका में दुर्गा मंदिर के सामने रहने वाली 62 वर्षीय श्याम दुलारी के साथ 19 जुलाई को दोपहर 11 बजे मारपीट की गई। आरोप है कि अमर सिंह, उनकी पत्नी, उनका बेटा, किराएदार राजू, स्कूटी मित्र और विद्या शंकर ने महिला के घर में घुसकर गाली-गलौज की। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उनके साथ मारपीट भी की, जिससे उन्हें आंतरिक चोटें आईं।

पीड़िता ने बताया कि वह विधवा हैं और अकेली रहती हैं। कभी-कभी वह अपनी बेटी के घर चली जाती हैं। पिछले दो साल से आरोपी नाली का गंदा पानी उनके घर की तरफ बहा रहे हैं। इसका विरोध करने पर वे अक्सर मारपीट करते हैं। श्याम दुलारी का आरोप है कि आरोपियों की मंशा उनके घर पर कब्जा करने की है। उन्होंने अपनी जान को खतरा बताया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आभूषण खरीदारी महोत्सव लकी लक्ष्म की हुई घोषणा

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) जो भारत का शीर्ष निकाय है और 6 लाख से अधिक आभूषण विक्रेताओं का प्रतिनिधित्व करता है, लखनऊ में एक प्रभावशाली ज्वैलर्स मीट और लाभम सेमिनार के साथ अपने उत्तरी क्षेत्र में विस्तार की शुरुआत कर रहा है। अपने व्यवसाय को स्वचालित रूप से बढ़ाना विषय पर आधारित यह कार्यक्रम 20 जुलाई 2025 को शाम 7.30 बजे होटल लिनिएज में आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में क्षेत्र भर के प्रमुख खुदरा विक्रेताओं और व्यापार संघों की भागीदारी होगी। इस कार्यक्रम में जीजेसी के शीर्ष नेतृत्व शामिल होंगे, राजेश रोकड़े (अध्यक्ष-जीजेसी), अविनाश गुप्ता (उपाध्यक्ष-जीजेसी), वर्धमान (आशीष) कोठारी (निदेशक एवं लाभ संयोजक-जीजेसी), राजन रस्तोगी (क्षेत्रीय समिति सदस्य-जीजेसी), रवीन्द्र नाथ रस्तोगी (अध्यक्ष-लखनऊ सराफा एसोसिएशन), प्रदीप अग्रवाल (महामंत्री-लखनऊ सराफा एसोसिएशन) और शिवराम (मुख्य सलाहकार-प्रशिक्षक, रिटेल गुरुकुल)। लखनऊ सर्राफा एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस सत्र को स्केलेबल बिजनेस मॉडल अपनाने के इच्छुक ज्वैलर्स से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है।

यह सेमिनार जीजेसी की आगामी राष्ट्रीय पहलों पर प्रकाश डालता है जिनका उद्देश्य आभूषण उद्योग में विकास, नेतृत्व और पहचान को बढ़ावा देना है। इनमें लकी लक्ष्मी भी शामिल है, जो एक उत्सव खुदरा अभियान है जिसे उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाने और आभूषणों की बिक्री बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

सम्पादकीय

सृष्टि का आधार हैं शिव

सावन चहुँदिश उल्लास लाता है। प्रकृति श्रृंगार करती है। वनस्पतियों का सौंदर्य आकर्षित करता है। नदियों झीलों सरोवरों में जल प्रवाह बढ़ जाता है। सावन मनुष्यों के साथ प्रत्येक जीव को आनंदित करता है। दादुर (मेंढक) कोयल, पपीहा भी गीत गाने लगते हैं। सब तरफ हरियाली दिखाई देती है। सावन की हरीतिमा प्रत्येक का आकर्षण है। आकाश में जल भरे मेघ देखकर ही हृदय प्रफुल्लित होता है। तपिश की विदाई हो जाती है। वह बार-बार मुड़कर देखती है पर उसे जाना ही पड़ता है। मेघों की प्रत्येक अमृत बूंद सबको ताजगी स्फूर्ति से भर देती है। खेती किसानी का कार्य आरंभ हो जाता है। किसानों के हृदय से गीत उठने लगते हैं। वह भी बरसात में आनंदित होते हैं। सावन में धान की खेती का कार्य अधिकतम होता है। धान से ही अक्षत निकलते है। धान बाद में अक्षत (चावल)हो जाता है। भारतीय संस्कृति में अक्षत का बड़ा महत्व है। मांगलिक कार्यक्रमों में अक्षत का प्रयोग हर जगह है। माटी का कलश रखा जाता है कलश पर सतरंगी अक्षतों की छटा सबने देखी है। सावन का भारतीय संस्कृति में अति महत्व है। सृष्टि का आधार शिव हैं। पूरे सावन माह देवाधिदेव महादेव का पूजन अर्चन किए जाने के भारतीय धार्मिक ग्रन्थो में निर्देश हैं। वह आदि देव हैं। उन्हें महादेव कहा गया है। वे उमापति अर्थात वे मां पार्वती के पति हैं। वह ही अर्धनारीश्वर हैं। राम जब श्रीलंका युद्ध के लिए प्रस्थान करते हैं उससे पूर्व समुद्र तट पर शिवलिंग की स्थापना करते हैं। वही रामेश्वरम शंकर ही हैं। शिव शक्ति अनादि है। पार्वती शक्ति का अंश है। वह ही शिव की अर्धांगिनी हैं। कहा जाता है श्रावण मास में पार्वती ने शिव को पति के रूप में पाने की तपस्या की थी। जब हम अपनी भीतर की यात्रा में होते हैं अपने अंतस की वाणी को सुनते हैं। अन्तस् में स्थिर होकर वह शक्ति बाहर गतिशील होती है। जीवन में शुभ अशुभ, दिन रात, प्रकाश अंधकार, हर्ष-विषाद, अमृत-विष, मंगल-अमंगल साथ-साथ हैं। शिव सृजन और प्रलय के देवता हैं। रुद्र संहिता में शिव ने दक्ष से कहा मैं अपने सगुण स्वरूप के गोपनीय रहस्य को धर्म की दृष्टि से तुम्हारे सामने प्रकट करता हूँ। जगत का मैं ही परम कारण ब्रह्मा और विष्णु हूँ। मैं सबका आत्म ईश्वर और साक्षी हूँ। अपनी त्रिगुणात्मिका शक्ति को स्वीकार करके मैं ही जगत की सृष्टि पालन और संहार करता हूँ। ब्रह्मा विष्णु और रुद्र नाम धारण करता हूँ। गीता के दसवें अध्याय विभूति योग में श्री कृष्ण कहते हैं, रुद्रो में मैं ही शंकर हूँ। मैं देवताओं का महर्षियों का आदि हूँ। इससे पूर्व वे कहते हैं कि जो मनुष्य अजन्मा अनादि और संपूर्ण लोकों को ईश्वर जानता है संदेह रहित स्वीकारता है वह मनुष्यों में ज्ञानवान है। परमात्मा सभी शक्तियों विद्याओं का स्रोत है। शक्ति चिन्मय परम तत्व में ही रहती है। शिव महापुराण में महादेव ने पार्वती से कहा यदि साधक के मन में श्रद्धा भक्ति न हो तो पूजन, कर्म, तपस्या, जप, आसन आदि अन्य साधन से भी मैं वशीभूत नहीं होता हूँ। मैं श्रद्धा से वश में होता हूँ। फिर वह मेरा दर्शन स्पर्श पूजन और संभाषण भी कर सकता है। श्रद्धा स्वधर्म के हेतु है। वही इस लोक में रक्षा करने वाली है। मेरे बताएं मार्ग से ही मुझमें स्थिर भाव से चित् लगाने वाले साधक द्वारा जो अंतःकरण की वृत्तियों का निरोध किया जाता है। उसी को योग कहते हैं। फिर कहते हैं देवी चित् को निर्मल एवं प्रसन्न बनाना अश्वमेध यज्ञों के समूह से श्रेष्ठ है। वही मुक्ति प्रदाता है। आगे कहते हैं प्राणियों पर दया करनी चाहिए। ज्ञान का संग्रह आवश्यक है। मुझ में श्रद्धा करना। इंद्रियों का संयम वेद पढ़ना यज्ञ, करना मेरा चिंतन करना आवश्यक है। प्रिये, कर्ममय यज्ञ द्वारा मेरी पूजा करके फिर ज्ञान योग का साधक अभ्यास करें। मेरा पूजन दो तरह का है वाह्य है और आभ्यंतर। मन वाणी और शरीर। त्रिविध साधनों के भेद से मेरा भजन तीन प्रकार माना गया है। तप,कर्म, जप, ध्यान और ज्ञान। मेरे भजन के पांच स्वरूप हैं। मूर्ति पूजन वाह्य पूजन है। वहीं, भजन पूजन जब मन के द्वारा होने से केवल अपने ही अनुभव का विषय होता है। तब आभ्यन्तर कहा जाता है। मुझ में लगा चित्त मन कहलाता है। जो वाणी मेरे नाम जप कीर्तन में लगी हुई है वही वाणी कहलाने योग्य है। शरीर नहीं। शास्त्र में बताए हुए त्रिपुण्ड्र आदि चिन्हों से अंकित है निरंतर मेरी सेवा पूजा में लगा है वही शरीर है दूसरा नहीं। मेरे स्वरूप का चिंतन स्मरण ही ध्यान है। मैं सदा ही कृतकृत्य हूँ। शिव का रुद्राभिषेक, जलाभिषेक अनेक तरह के पदार्थों से वस्तुओं से किया जाता है। वे ही नील कंठ हैं। समुद्र मंथन में अमृत के साथ निकले विष को भी शिव ने लोक मंगल के लिये पान किया। यह भी समझना है कि जब शिव को विष पान करना पड़ा तब साधारण मनुष्य को विषपान करके ही उसके भी मनोरथ पूरे होंगे। मनोरथ चाहे स्वयं के हो अथवा राष्ट्र समाज के लोकमंगल के हों। बाधाएं हैं। बाधा रूपी विषपान के बाद ही शिवत्व घटित होता है। फिर राम हों, कृष्ण हों परशुराम हो विष बाधा प्रत्येक को पार करनी पड़ती है।

राष्ट्र की मुख्य धारा महिलाओं का उत्थान सर्वोपरि

> “ देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही हैस यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है।

भारत में महिलाओं के विकास का अति संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ गया हैस स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी हैस आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही हैस आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम हैस वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैस भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर हैस विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही हैस अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही हैस यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है ,परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया था महिलाओं को घर की चारदीवारी में क्या होना पड़ा थास इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी योग्यता,ऊर्जा,शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएंस भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही हैस इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन,मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी ,एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैंस सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका मैं इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25ः से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60ः महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ।इन परिस्थितियों में महिलाओं द्वारा दिए गए सामाजिक आर्थिक विकास के योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ अधिनियम 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा महिलाओं को मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी उपलब्ध कराए हैं। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड अपने आंकड़ों से स्पष्ट करता है की किस प्रकार महिलाओं की श्रमबल में अधिक भागीदारी जीडीपी में अप्रत्याशित वृद्धि करता है। पूरा विश्व इस बात से सहमत है की महिलाएं कोमल है पर कमजोर नहीं एवं शक्ति का नाम ही नारी है। हिंदुस्तान के विकास में सही मायने में यदि 50ः भागीदारी महिलाओं की हो तो असाधारण क्षमता की धनी महिलाएं इस देश को विश्व के अन्य विकसित देशों में खड़ा कर सकती हैं, जरूरत इनकी शक्ति क्षमता एवं योग्यता को पहचानने की है। 21वीं सदी में विश्व शक्ति रूप भारत के सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक विकास में महिलाओं का सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर आर्थिक महाशक्ति के स्वप्न को साकार किया जा सकता है।

सरोकार

प्रकृति की छननी खुद प्रदूषण में उलझी

मेनहेडेन व्यावसायिक उपयोग की एक समुद्री मछली है। यह एक ऐसी मछली है, जिसका उपयोग भोजन के रूप में किया जाता है। इसे सागर तटों से प्रतिवर्ष बहुत बड़ी संख्या में पकड़ा जाता है और इससे तेल निकाला जाता है। अटलांटिक महासागर के तटों पर दो प्रकार की मेनहेडेन मछलियां देखने को मिलती हैं, उत्तरवाली मेनहेडेन और दक्षिण वाली मेनहेडेन। उत्तरी मेनहेडेन दक्षिण की मेनहेडेन से कुछ बड़ी और मोटी होती है। इसके साथ ही उत्तरी मेनहेडेन से दक्षिण की मेनहेडन की अपेक्षा अधिक तेल प्राप्त होता है। मेनहेडेन सागर तट के निकट उथले पानी में रहती हैं। मेनहेडेन हमेशा झुंड में रहती है। इसके झुंड बहुत बड़े होते हैं। मेनहेडेन हमेशा उथले पानी में रहती है, किंतु एक ही स्थान पर इसकी संख्या बदलती रहती है। कभी-कभी मेनहेडेन एक ही स्थान पर इतना बड़ा झुंड बना लेती है, जिसमें लाखों मछलियां होती हैं। मेनहेडेन की शारीरिक संरचना सागर की सामान्य मछलियों की तरह होती है। इसका सिर बड़ा और शरीर दबा हुआ होता है। मेनहेडन के शरीर पर चांदी की तरह रूपहले रंग के शल्क होते हैं। इसके शल्क एक-दूसरे पर चढ़े हुए होते हैं एवं इन पर गहरे नीले रंग की चमक होती है। कभी-कभी तो इसके शल्क पूरी तरह नीले रंग के दिखाई देते हैं। मेनहेडेन के शरीर के मांसल भागों पर गहरे रंग के धब्बे होते हैं। इसकी लंबाई 30 सेंटीमीटर से लेकर 40 सेंटीमीटर तक होती है कितु कभी-कभी इससे बड़े आकार की मेनहेडेन मछलियां भी देखने को मिल जाती हैं। मेनहेडेन बहुत अधिक भोजन करने वाली मछली है। यह अपने मुंह की छन्नी से एक मिनट में सात गैलन तक प्लेंकटन छान लेती है तथा इसके छोटे-छोटे जीवों

को अपना आहार बना लेती है। मेनहेडेन का प्रजनन हेरिंग मछली के समान होता है। यह उसी के समान ही अंडे देती है और हेरिंग के समान ही इसके अंडों और बच्चों का विकास होता है। मेनहेडेन हमेशा मुहानों में अंडे देती है। इसका प्रजनन काल अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग होता है। यह मई से खाड़ी में पतझड़ और सर्दियों में अंडे देती है तथा न्यूयार्क और इसके आसपास के क्षेत्रों में मई से लेकर जून तक अंडे देती है। मेनहेडेन जैसे-जैसे उत्तर की ओर बढ़ती है, इसका प्रजनन काल बदलता जाता है। मेनहेडेन के अंडे स्वतंत्र रूप से शुक्राणुओं से मिलते हैं, जिससे इनका निषेचन हो जाता है। मेनहेडेन के प्रत्येक अंडे में तेल की एक बूंद होती है, जिससे ये हल्के हो जाते हैं और सागर की सतह पर आकर उतराने लगते हैं। इसके अंडे एक लंबे समय तक प्लेंकटन का भाग बनकर रहते हैं।इनके अंडों का विकास पानी के तापक्रम पर निर्भर करता है। यदि पानी का तापक्रम अधिक होता है तो ये जल्दी परिपक्व हो जाते हैं, किंतु पानी का तापक्रम कम होने पर इन्हें परिपक्व होने में अधिक समय लगता है। मेनहेडेन के अंडे परिपक्व हो जाने के बाद फूटते हैं और इनसे छोटे-छोटे लारवे निकल आते हैं। इसके प्रत्येक लारवे के साथ योल्क की थैली होती है। इसी थैली के योल्क के सहारे इसका पोषण होता है। मेनहेडेन के नवजात लारवे के न मुंह होता है और न ही कोई महत्वपूर्ण अंग। यह आरंभ में सागर में उतराता रहता है। धीरे-धीरे इसके मुंह निकल आता है, जिससे यह प्लेंकटन खाने लगता है। मेनहेडेन के लारवे का बड़ी तेजी से विकास होता है और यह शीघ्र ही छोटी-सी मेनहेडेन मछली की तरह दिखाई देने लगता है। मेनहेडेन के बहुत से शत्रु हैं। सागर में बहुत से मांसाहारी जीव और बड़ी मछलियां इसका शिकार करती हैं। इसके शत्रु बहुत बड़ी संख्या में प्रतिवर्ष इसे अपना आहार बनाते हैं। एक अनुमान के अनुसार मानव जितनी मेनहेडेन पकड़ता है, उससे लगभग एक हजार गुना मेनहेडेन अपने प्राकृतिक शत्रुओं द्वारा मारी जाती है। मेनहेडेन की प्रमुख शत्रु नीली मछली है। यह प्रतिवर्ष लाखों मेनहेडेन मछलियों को अपना आहार बनाती है। मेनहेडेन की वर्तमान स्थिति अच्छी नहीं है। सागर में इसकी संख्या निरंतर कम होती जा रही है। इसका प्रमुख कारण है पर्यावरण प्रदूषण। नदियों के जल प्रदूषण का प्रभाव इसके प्रजनन पर पड़ा है। क्योंकि यह मुहानों में ही अंडे देती है। मेनहेडेन को बचाने के लिए नदियों का जल प्रदूषण रोकना होगा। मानव ने यदि जल प्रदूषण नहीं रोका तो यह नदियों के मुहानों में विषम स्थिति उत्पन्न कर देगा, जिससे मेनहेडेन के साथ ही साथ मुहानों में अंडे देने वाली अन्य समुद्री मछलियों के प्रजनन पर भी निश्चित रूप से अत्यंत घातक प्रभाव पड़ेगा।

ज्ञान और प्रेम वात्सल्य से जीवन सार्थक, ब्रह्म में शिक्षा और ज्ञान की भूमिकास

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को मनुष्य बनाकर को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है। जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता रहा है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और इतिहास की धारा को भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेम पूर्वक जीने का महान संदेश दिया है। गांधीजी के सिद्धांतों में हिंसा का कोई स्थान नहीं था। वह अन्यायी व्यक्ति का प्रेम द्वारा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखते थे, उनका कहना था कि श्पाप से घृणा करो पापी से नहींश् फ्ल स्वरुप उन्होंने अपने प्रेम से भारतीय जनमानस के हृदय जीत लिया और अपने ज्ञान को तर्कशक्ति से अंग्रेजों को भारतीय जनमानस के सामने झुकने पर मजबूर कर दिया और हमने स्वतंत्रता प्राप्त की। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन में अंगुलिमाल डाकू का हृदय परिवर्तन कर उसे महात्मा बना दिया था,उन्होंने ज्ञान व प्रेम के द्वारा उसका हृदय परिवर्तन कर दिया था। इसी तरह जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया तब उन्होंने स्वयं को सूली पर चढ़ाने वालों के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना किश् ईश्वर इन्हें माफकर देना इनको नहीं पता कि यह क्या करने जा रहे हैंश। इस तरह उन्होंने मानवता के सामने अपने प्रेम को ज्ञान का जो उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया हुआ अत्यंत दुर्लभ है आज संपूर्ण विश्व में प्रभु यीशु के अनुयायियों की संख्या सर्वाधिक है। भगवान श्रीराम ने प्रेम में वशीभूत होकर ही शबरी के जूठे बेर भी खा लिए थे, जबकि श्री राम सर्वाधिक ज्ञान में आदर्श मनुष्य थे। एक अच्छे और सार्थक जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान दोनों का संबंध एवं समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू हैं। अकेला ज्ञान तथा अकेला प्रेम सदैव सार्थक नहीं हो सकता है। रावण ज्ञानी पुरुष था किंतु विध्वंस कारी भी था उसने प्रेम के अभाव में सिर्फ ज्ञान के चलते अपने कुल को नष्ट करवा दिया था। प्रेम तथा ज्ञान के सदुपयोग से अच्छे जीवन का पथ प्रदर्शन भी किया जा सकता है। इससे हम केवल परिवार व्यक्ति या समाज ही नहीं बल्कि राष्ट्र के स्तर पर भी आत्मसात कर राष्ट्र को वैश्विक महानता की ओर ले जा सकते हैं। वर्तमान में हम संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप सामाजिक जीवन को सफ्लतापूर्वक संचालित करने में सक्षम है। आज हमारे सामने पर्यावरण संतुलन वैश्विक अपन गरीबी जैसी अनेक समस्याएं मौजूद हैं। हम सभी मूक प्राणियों वनस्पति आदि के प्रति ज्ञान का उपयोग दिखाकर उनके साथ प्रेम पूर्वक व्यवहार कर समस्या का समाधान कर सकते हैं।

आधुनिक तकनीक से अर्जित ज्ञान के उपयोग इनके संरक्षण में करने में हम सक्षम भी हैं। अतः प्राचीन काल से मान्यता रही है कि सार्थक, सफ्ल, एवं प्रेरणादाई जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान का समन्वय कारी सदुपयोग एक आवश्यक तत्व है।

नजरिया

स्क्रॉल संस्कृति और अंधविश्वासः तकनीक के युग में मानसिक गुलामी

आज का युग तकनीक और सूचना का है। हर हाथ में मोबाइल है, हर जेब में इंटरनेट। लेकिन क्या वास्तव में हम ज़्यादा जागरूक हुए हैं या बस स्क्रीन पर फिसलती उंगलियों के गुलाम बन गए हैं? विज्ञापन, वीडियो, मीम्स, रील्स और टोटकों की अंतहीन दुनिया में लोग उलझे हुए हैं। स्क्रॉल संस्कृति ने हमारे ध्यान की डोर काट दी है। पहले जो बातें गहराई से समझी जाती थीं, वे अब 30 सेकेंड के शॉर्ट्स और 280 कैरेक्टर की पोस्ट में सिमट चुकी हैं।

हमारा मस्तिष्क सतही जानकारी से भर चुका है लेकिन ज्ञान की गहराई खो चुकी है। एक समय था जब हम अखबार में लंबा लेख पढ़ते थे, चर्चा करते थे, विचार करते थे। अब हम ÷स्क्रॉल÷ करते हैं- बिना रुके, बिना सोचे। नतीजा? मानसिक थकावट, एकाकीपन, दिखावे की होड़ और डिजिटल अवसाद। लोग मुस्कुराते हुए सेल्फी पोस्ट करते हैं लेकिन भीतर से टूटे हुए होते हैं। ‘हैशटैग हैप्पी’ के पीछे एक गहरा खालीपन छिपा होता है। सोशल मीडिया पर तथाकथित ‘इन्फ्लुएंसर’ अब जीवन के हर क्षेत्र में सलाह दे रहे हैं- स्वास्थ्य, शिक्षा, रिश्ते, यहां तक कि अध्यात्म भी।

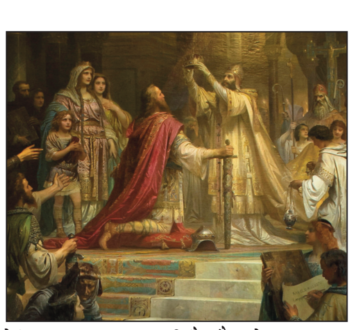

लेकिन इनका ज्ञान सतही है और उद्देश्य? व्यूज और लाइक्स। जिन्हें खुद का मानसिक स्वास्थ्य संभालना नहीं आता, वे ‘मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट’ बन बैठे हैं। स्क्रॉल संस्कृति ने हमारी सोच को टुकड़ों में बाँट दिया है। एक तरफ ‘माइंडफुलनेस’ की बात हो रही है, दूसरी तरफ हम खुद से कटते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते हुए लोग घंटों बर्बाद कर देते हैं लेकिन वास्तविक संवाद की शक्ति खो चुके हैं। एक क्लिक में हजारों राय मिलती हैं लेकिन उनकी वैधता कौन जाँचे? तकनीकी युग में यह उम्मीद थी कि अंधविश्वास खत्म होगा। लेकिन अब ये डिजिटल भूत-प्रेत बन चुके हैं। व्हाट्सएप पर- रात को ये मंत्र ज़रूर पढ़ेंः फेसबुक पर- इस फोटो को 5 लोगों को भेजो, नहीं तो दुर्भाग्य आएगा यूट्यूब पर- पितृ दोष हटाने का चमत्कारी उपाय। क्या ये डिजिटल इंडिया है? या अंधविश्वास का नया किला? शिक्षित लोग भी वैज्ञानिक सोच की बजाय महादेव वाले अंकल की वीडियो से समाधान खोज रहे हैं। लोग जीवन की अनिश्चितता से डरते हैं। इस डर में वे अंधविश्वास का सहारा लेते हैं, जिससे उन्हें भावनात्मक सुरक्षा का भ्रम मिलता है। इंटरनेट पर जानकारी है, लेकिन छँटाई करने की क्षमता नहीं सिखाई गई। नतीजतन, झूठ भी सच लगता है। हर कोई मोटिवेशनल स्पीकर, लाइफ कोच, एस्ट्रोलॉजर बन गया है। बिना प्रमाणिकता के। इनका मकसद है ट्रैफिक और पैसा। बचपन में सवाल करने पर डांटा जाता है - ‘श्रद्धा रखो।’ यही सोच वयस्क होते ही भ्रम फैलाने वाली सामग्री को ग्रहण करने में सक्षम बना देती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, औसतन भारतीय युवा रोज़ाना 4-6 घंटे सोशल मीडिया पर बिताता है। इस दौरान वह कितनी बार खुद से जुड़ता है? स्क्रॉल करते हुए हम दूसरों की ज़िंदगी की झलक देखते हैं- उनकी पार्टियों, छुट्टियों, खुशियों की तस्वीरें और अपनी ज़िंदगी से असंतुष्ट हो जाते हैं। यह तुलना भीतर एक बेचैनी और अवसाद को जन्म देती है। हमने जीवन को रील में बदल दिया है। जो दिखता है वही बिकता है- यही सोच आत्मा को खोखला कर रही है। नींद की कमी, ध्यान भटकाव, सोशल एंग्जायटी, आत्म-संदेह, आत्महत्या की प्रवृत्ति -ये सब स्क्रॉल संस्कृति की भेंट चढ़ते मानसिक परिणाम हैं। कई शोधों में पाया गया है कि इंस्टाग्राम, टिकटॉक और फेसबुक का अधिक प्रयोग किशोरों और युवाओं में आत्म-संकोच और डिप्रेशन बढ़ाता है।

टीवी चैनल्स भी अब ‘रहस्यमयी मंदिर’, ‘भूतिया हवेली’, ‘ज्योतिष समाधान’ जैसे कार्यक्रमों से टीआरपी बटोरते हैं। विज्ञापन कंपनियाँ भी ‘राहु-केतु दोष’ जैसे शब्दों से डराकर उत्पाद बेचती हैं। जब संस्थान ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण के खिलाफ काम करें, तो जनता कैसे जागरूक हो? रोज़ 1 घंटा मोबाइल-मुक्त समय बिताएं। सप्ताह में 1 दिन डिजिटल डिटॉक्स करें। रात को सोने से 1 घंटा पहले स्क्रीन न देखें। अधूरी जानकारी के आधार पर राय न बनाएं। हर बात पर शक नहीं, पर हर बात पर सोच ज़रूर हो। बच्चों को सवाल पूछने के लिए प्रोत्साहित करें। विज्ञान, लॉजिक और तथ्य आधारित शिक्षा प्रणाली अपनाएं। स्कूलों में ‘सूचना की जाँच कैसे करें’ जैसे पाठ्यक्रम हों। ‘फैक्ट चेकिंग’ एक सामाजिक आदत बने। यू-ट्यूब पर देखी गई हर बात को सच न मानें। धर्म को आत्मा से जोड़ें, डर से नहीं। श्रद्धा का मतलब है समझना, अंधा पालन नहीं। तथाकथित चमत्कारी समाधानों की जांच-पड़ताल करें। तकनीक ने हमें जोड़ने का दावा किया था, लेकिन आज हम सबसे कट चुके हैं- खुद से भी, और समाज से भी। हम स्क्रीन पर हैं, लेकिन जीवन से बाहर हैं। हम क्लिक करते हैं लेकिन महसूस नहीं करते। सोशल मीडिया के इस कोलाहल में आत्मचिंतन की आवाज़ कहीं गुम हो गई है। आज सबसे बड़ी जरूरत है डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक वैचारिक पुनर्जागरण की। वरना ये स्क्रॉल संस्कृति और अंधविश्वास मिलकर हमें उस अंधे युग में ले जाएंगे, जहां रोशनी होगी- सिर्फ स्क्रीन से निकलती- पर भीतर घुप्प अंधेरा होगा। ज्ञान कभी स्क्रॉल में नहीं आता, वह ठहराव माँगता है। श्रद्धा कभी अंधी नहीं होती, वह तर्क से ताकत पाती है। और आज के समय में सबसे बड़ा विद्रोह है- सोचना।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द्र सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एवं पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक-पंकज सिंह मो-9415067370 आरएनआई - UPHIN/2016/74800 मेल आईडी-karnvaninews@gmail.com website : karnvaninews.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।)

संक्षिप्त खबरें

भारत युवाओ का देश और असीमित ऊर्जा से भरपूर- राहुल

बाराबंकी। मेरा युवा भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर संगोष्ठी व व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी में प्रशिक्षण संस्थान किया गया । जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आरसेटी निदेशक राहुल के कर कमलों से मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व पूजन कर किया गया। श्री राहुल ने कहा कि भारत युवाओं का देश है जिनमें असीमित ऊर्जा भरी हुई है और जिसको हमें बाहर निकालने की आवश्यकता है व प्रत्येक व्यक्ति में कौशल छुपा हुआ होता है जिसको निकालने की जरूरत है जो हमारे जीवन को सफल व रोजगारपरक बनाता है। कार्यक्रम का संचालन उमेश शाही संकाय सदस्य ने बड़े उत्साह के साथ किया। कार्यक्रम के पश्चात मुख्य अतिथि आर्सेटी निदेशक को मेरा युवा भारत की ओर से उनको बैज लगाकर व पौध देकर उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अश्विनी कुमार शर्मा, सुरजीत सिंह चौहान, आर्सेटी कार्यालय की तरफ से प्रदीप शर्मा वैष्णवी श्रीवास्तव मोहम्मद साकिब प्रिंस ओमप्रकाश प्रशिक्षक पूजा पाण्डेय मोहम्मद साजिद आदि मौजूद रहे।

बीडीसी सदस्य के साथ गालीगलौच व मारपीट

बीघापुर,उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गांव ओसियां में बीघापुर से दवा लेकर लौट रहे बीडीसी सदस्य के साथ पड़ोसी युवक ने गालीगलौज करते हुए मारपीट की ।सूचना पर पहुंची पीआरवी पुलिस के सामने भी युवक गालीगलौज करते हुए जान से मार देने की धमकी देता रहा। ओसियां निवासी भूपेंद्र सिंह उर्फ विकास 12 जुलाई की शाम को वह बाइक से बीघापुर से दवा लेकर लौट रहा था तभी गांव का ही जय सिंह ने जबरन उसे रोक लिया और गालीगलौज करने लगा । मना करने पर उसे मारपीट शुरू कर दी ।एसओ राजपाल ने बताया कि शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है। जांच करा कर कार्रवाई की जायेगी।

अलग अलग गांवों मे जहरीला कीडा काटने से एक वृद्ध सहित तीन की हालत नाजुक

बांगरमऊ,उन्नाव। क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में जहरीला कीड़ा काटने से एक वृद्ध सहित तीन लोगों की हालत नाजुक हो गई। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के ग्राम मंगू पुरवा निवासी हरिओम 21 वर्ष पुत्र धनीराम आज गुरूवार की सुबह अपने खेत में धान बेढ़ की रोपाई कर रहा था। तभी अचानक पानी के अंदर बिल से निकले किसी जहरीले कीड़े ने उसके पैर में डस लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। यह देखकर परिजन आनन-फानन उसे यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखकर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इसके अलावा बीते बुधवार को देर शाम कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मुस्तफाबाद निवासी सागर 27 वर्ष पुत्र रामशंकर और ग्राम शीतलगंज निवासी बराती 65 वर्ष पुत्र करीम के भी किसी जहरीले कीड़े ने काट लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें यहां के सरकारी अस्पताल लाए। चिकित्सकों ने दोनों को भी बेहद नाजुक हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

विवाहिता ने प्रेमी के बहकावे में आकर किया कीमती जमीन का बैनामा, बहन ने चप्पलों से पिटाई कर दिया

बीघापुर, उन्नाव। तहसील बीघापुर के एक गांव में एक विवाहिता ने अपने पूर्व प्रेमी के बहकावे में आकर कीमती जमीन का बैनामा कर दिया, जिसके बाद वहां एक दिलचस्प और हंगामेदार घटना घटी। विवाहिता की बहन ने तहसील परिसर में ही प्रेमी की चप्पलों से पिटाई कर दी। इस घटनाक्रम में तहसील में मौजूद लोग तमाशबीन बने रहे और किसी ने भी हस्तक्षेप नहीं किया। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के एक युवक ने विवाहिता को शादी का झांसा देकर उसकी दो बिसवा जमीन (जो कि विवाहिता के नाम दर्ज थी) का 25 मई 2025 को रजिस्ट्री करवा ली। इस घटना के बाद विवाहिता के पति और परिवार के अन्य लोग तहसील पहुंचे और जमीन के अभिलेखों की जांच की, जिसमें बैनामे की पुष्टि हुई। जब युवक को इस बात का पता चला, तो वह अपनी पत्नी को लेकर तहसील पहुंचा और विवाहिता को दबाव डालकर अपने साथ जाने के लिए कहने लगा। यह देख विवाहिता की बहन का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उसने सरेआम युवक की चप्पलों से पिटाई कर दी। आरोपी युवक अपनी पत्नी के साथ घटनास्थल से भाग खड़ा हुआ, लेकिन तहसील में मौजूद लोग बस तमाशा देखते रहे। इस घटना में कोई भी पक्ष पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के लिए तैयार नहीं हुआ, और मामला वहीं खत्म हो गया। विवाहिता की बहन द्वारा की गई चप्पल से पिटाई ने तहसील परिसर में एक हलचल मचा दी। लोग इसे एक अनोखी और हैरान करने वाली घटना मान रहे हैं, लेकिन किसी ने भी स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश नहीं की। इस घटना ने तहसील प्रशासन की लापरवाही को भी उजागर किया है, क्योंकि ऐसी स्थिति में अधिकारियों को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए था। इस मामले में न तो विवाहिता के परिवार ने पुलिस में शिकायत की है, और न ही युवक या उसकी पत्नी ने। इसके बावजूद तहसील में इस घटना को लेकर चर्चा का माहौल बना हुआ है।

मिलावटी और मानकविहीन खाद को लेकर छापेमारी, 3 दुकानें निलंबित, 16 के नमूने लिए

उन्नाव। डीएम गौरांग राठी द्वारा गठित तीन टीमों ने जिले की 65 उर्वरक की दुकानों का निरीक्षण कर उपलब्ध स्टॉक और खाद की जांच की। जिसमें तीन बंद दुकानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। 16 दुकानों से खाद के नमूना लेकर परीक्षण को प्रयोगशाला भेजा है। जबकि आठ खाद विक्रेताओं को नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा है। उक्त जानकारी देते हुए जिला कृषि अधिकारी शशांक ने बताया कि प्रमुख सचिव (कृषि) के आदेश पर किसानों को गुणवत्ता पूर्ण उर्वरक उचित दर पर उपलब्ध कराने के लिए खाद विक्रेताओं की जांच के लिए डीएम गौरांग राठी ने तीन टीमें गठित की हैं। जिसमें पहली टीम में उप कृषि निदेशक रविचंद्र प्रकाश, उप जिलाधिकारी द्वारा पुरवा व बीघापुर, दूसरी टीम में जिला कृषि अधिकारी शशांक, उप जिलाधिकारी बांगरमऊ व हसनगंज तथा तीसरी टीम में वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप ए अनुराग कुमार, उप जिलाधिकारी सदर व सफीपुर शामिल हैं। बुधवार को तीनों ने अपने अपने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। उर्वरक की दुकानों परन छापेमारी की। तीनों टीमों ने 65 उर्वरक दुकानों का निरीक्षण किया। संदिग्ध स्टाक से 16 खाद के नमूना लेकर प्रयोगशाला भेजा। आठ खाद विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस तथा तीन दुकानों चौरसिया खाद भंडार मटुकरी, श्रीवैष्णो कीटनाशक एवं खाद बीज भंडार ब्योली इस्लामाबाद, शुक्ला पेस्टिसाइड एंड खाद भंडार ब्योली इस्लामाबाद बंद कर दिए जाने के कारण लाइसेंस निलंबित किया।

सीएचसी पर आयोजित हुई ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला

अमेठी। गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में टीकाकरण कार्यक्रम को लेकर ब्लाक स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डा एम के त्रिपाठी ने ए एन एम और स्वास्थ्य कर्मियों को टीकाकरण कार्यक्रम का माइक्रो प्लान बनाने के तरीके भी बताए। उन्होंने कहा कि नगर से लेकर ग्रामीण अंचल तक सभी केंद्रों पर नियमित टीकाकरण समय से होना चाहिए। टीकाकरण के दौरान एक भी बच्चा और गर्भवती महिलाएं टीका विहीन न रह जाएं । जिसे बाद में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़े। विभाग की ओर से चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ हर घर तक पहुंचना चाहिए। सरकार की यही मंशा है। उन्होंने प्रशिक्षण के साथ सर्विलांस की भी जानकारी विस्तार से दी। कार्यशाला में सभी एएनएम,सीएच ओ , स्वास्थ्य पर्यवेक्षक और चिकित्सा अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। अधीक्षक डॉक्टर आलोक तिवारी ने कार्यशाला में आए हुए सभी अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मियों का स्वागत सम्मान किया और शत प्रतिशत नियमित टीकाकरण करने पर जोर दिया। कार्यशाला में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार पटेल, लालमणि,जयदीप सिंह, एमके पटेल ,चंद्रिका शुक्ला दीपक शुक्ला ,नीरज सिंह बृजेश सिंह अमरजीत, अनीता शुक्ला, आशीष सिंह आदि मौजूद रहे।

गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों पर कसा शिकंजा

▸▸ 75स्कूलों को दी नोटिस, बेसमेंट में चल रही शिक्षा की दुकानें, अधिकारी मौन

करण वाणी न्यूज

अमेठी। परिषदीय विद्यालयों में नवीन नामांकनों में वृद्धि के साथ जिले में चल रहे गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को बंद कराने के लिए बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय कुमार तिवारी ने कड़े कदम उठाए हैं। सभी विकास खंडों से प्रतिदिन होने वाले नामांकनों की रिपोर्ट रोज मांगी जा रही है। खंड शिक्षा अधिकारियों की रिपोर्ट पर बी एस ए ने 75गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को नोटिस जारी की है। बीईओ के बाद बीएसए ने भी सभी स्कूलों को नोटिस जारी कर बंद करने का निर्देश दिया है। अगर जल्द से स्कूल संचालक द्वारा खुद स्कूलों को बंद नही किया गया तो प्रसाशन सख्ती के बाद उसे बंद करवाएगा। जिले में शिक्षा विभाग की लापरवाही से बड़े पैमाने पर अवैध स्कूलों का संचालन हो रहा था। जांच में पूरे जिले में 75 विद्यालय पाए गए। जो गैर मान्यता प्राप्त थे। जिसके बाद सभी स्कूलों को बंद करने के लिए खंड शिक्षा अधिकारी की तरफ से स्कूल संचालकों को नोटिस जारी किया गया था । लेकिन स्कूल संचालकों ने स्कूलों को बंद नही किया। गैर मान्यता प्राप्त के खिलाफ बीएसए ने भी सख्ती करनी शुरू कर दी है। बीएसए ने सभी स्कूल संचालकों को नोटिस स्कूल बंद करने के लिए नोटिस जारी करते हुए स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया। अगर स्कूल संचालक जल्द से जल्द स्कूलों को बंद नही करते है तो उन पर कार्यवाही करते हुए उन्हें बंद करवाया जाएगा। बीएसए संजय तिवारी ने कहा कि जिले में 75 गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालित हो रहे हैं। खंड शिक्षा अधिकारीयों के बाद मेरे द्वारा नोटिस जारी किया गया है। अगर जल्द से जल्द यह स्कूल संचालक अपने स्कूलों को बंद नहीं करते हैं तो विभाग खुद अभियान चला कर सभी स्कूलों में ताला लगाएगा। अमेठी शासन की ओर से रोक लगाए जाने के बाद बड़ी संख्या में लोग बेसमेंट में शिक्षा की दुकानें चला रहे हैं। बेसमेंट में चल रहे स्कूलों पर अधिकारियों की नजर नहीं जा रही है। नगर अमेठी में धम्मौर रोड पर लम्बे समय से एक स्कूल बेसमेंट में संचालित हैं। भेंटुआ में टिकरी चौराहे के पास एक विद्यालय संचालित है। बेसमेंट में चल रहे इस विद्यालय में 150से अधिक छात्र हैं।हारीपुर बाजार में एक विद्यालय दुकान में चल रहा है।भादर में भी कई विद्यालय बिना मान्यता के छोटे छोटे मानकविहीन कमरों में संचालित हैं।

खंड शिक्षा अधिकारी पूजा ने बताया कि राजपती देवी शिक्षण संस्थान कोहरा और ज्ञान स्थली महाराजपुर को नोटिस जारी की गई है। बेसमेंट में चल रहे स्कूलों को शीघ्र बंद कराया जाएगा। खंड शिक्षा अधिकारी शिव कुमार यादव ने बुधवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र पर हेडमास्टरों के साथ बैठक कर स्कूल चलो अभियान और नवीन नामांकन की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने बच्चों की उपस्थिति अस्सी फीसदी करने के लिए अभिभावकों से नियमित रूप से सम्पर्क करने और ड्राप आउट बच्चों को स्कूलों में वापस लाने पर जोर दिया। निपुण भारत मिशन की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षक संकुल बैठकों में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग के निर्देश दिए। नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के लिए बच्चों के फार्म भरवाने के भी निर्देश दिए।

विद्यालय का युग्मन न करने को लेकर महानिदेशक को भेजा पत्र

करण वाणी न्यूज

मसौली, बाराबंकी। युग्मन नीति में रेलवे लाइन व विद्यालय की अधिक दूरी होने के कारण जनप्रतिनिधियों एवं अभिभावकों ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा को पत्र भेजकर विद्यालय का युग्मन न करने की गुहार लगाई है। प्रदेश सरकार की परिषदीय विद्यालयों की युग्मन नीति में विकास खण्ड मसौली के प्राथमिक विद्यालय गिराधरी लाल पुरवा का युग्मन प्राथमिक विद्यालय बजहा में किया गया है। लेकिन आदेश प्राप्त होने के बाद जब अभिभावकों को जानकारी हुई तो अभिभावकों व जनप्रतिनिधियों जिसमें ग्राम प्रधान रीना, बीडीसी कलावती, अमित कुमार, मैनुद्दीन, मुनेसर, परसुराम, राम लखन सहित दर्जनों लोगों ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा सहित उच्च अधिकारियों को पत्र भेजकर कहा कि प्रा0वि0 बजहा रेलवे (डबल लाइन लखनऊ-फैजाबाद) के उस पार है, जिससे बच्चों को प्रा0वि0 बजहा जाने में असुविधा का सामना पड़ेगा। रेलवे लाइन पार करने पर पूर्व में वयस्क लोगों के साथ कई दुर्घटनायें हो चुकी है। अतः छोटे बच्चों के साथ दुर्घटनायें होने की सम्भावनायें अधिक हैं। जबकि विद्यालय की दूरी गांव से 2 किमी से अधिक होने के कारण गांव के बच्चे वहां जाने में असमर्थ है।

अमेठी की जनता के लिए भामाशाह राजेश मसाला

अमेठी। जनपद में जन्में समाज सेवी उद्योगपति जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश मसाला आज नाम के लिए मोहताज नहीं हैं, गरीब शोषित असहाय लोगों का सहारा बनकर उभर रहे हैं, हर वर्ष करोड़ों रुपए जरूरतमंदों को इलाज, शादी विवाह आदि के लिए दान करते हैं, भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता तथा सनातन के लिए भी हमेशा संकल्पित रहते हैं, राम मंदिर से लेकर माघ मेले तक राजेश मसाला का सहयोग प्रदान रहता है सोमवार को अमेठी के महाराजा गार्डन में संघ द्वारा आयोजित गुरु दक्षिणा कार्यक्रम में राजेश मसाला ने पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल पर कहा कि मैं बचपन से ही स्वयं सेवक रहा हूं और मेरे माता-पिता ने देश सेवा समाज सेवा सर्वोपरि है, यही सिखाया है जिसे करने का मैं निरंतर प्रयास करता रहता हूं, और उन्होंने कहा कि समय बलवान होता है समय के चक्र से कोई अछूता नहीं है, देश ,हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखे, तेरा वैभव अमर रहेगा मां, हम दिन चार रहे ना रहे।

ऑपरेशन सिंदूर के रणनीतिकार पहुंचे अमेठी

▸▸ एके-203 फैक्ट्री का निरीक्षण, फायरिंग क्षमता परखी

करण वाणी न्यूज

अमेठी। ऑपरेशन सिंदूर में सामरिक योजना के प्रमुख सूत्रधारों में शामिल भारतीय सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सामरिक क्षमता विकास एवं अनुरक्षण) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह बुधवार को अमेठी के कोरवा स्थित एके-203 राइफल फैक्ट्री पहुंचे। उन्होंने निर्माण संयंत्र का गहन निरीक्षण किया और निर्माण प्रक्रिया के साथ ही हथियारों की फायरिंग क्षमता की भी परख की। करीब ढाई घंटे तक फैक्ट्री परिसर में मौजूद रहे जनरल सिंह ने संयंत्र से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की, उत्पादन गति और गुणवत्ता पर विस्तार से चर्चा की और स्वदेशीकरण की प्रगति की जानकारी ली। फैक्ट्री से जुड़े सूत्रों के अनुसार, उन्होंने तैयार हो रही राइफलों के प्रदर्शन और फायरिंग टेस्ट का भी अवलोकन किया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल और उपजिलाधिकारी आशीष सिंह भी फैक्ट्री परिसर पहुंचे और सेना अधिकारी से भेंट की गौरतलब है कि कोरवा स्थित इस इंडो-रशियन रायकल प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में भारतीय सेना के लिए एके-203 राइफलों का निर्माण किया जा रहा है। वर्ष 2024 में सेना को 35 हजार राइफलों की आपूर्ति की जा चुकी है, जबकि 2025 में 70 हजार और राइफलों की डिलीवरी प्रस्तावित है। इन राइफलों का उपयोग सेना में इंसास की जगह किया जा रहा है। वर्ष 2025 के अंत तक इन राइफलों में स्वदेशी पुर्जों की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। शुक्रवार को सेंट्रल कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता भी कोरवा स्थित इस फैक्ट्री का निरीक्षण करेंगे।

अनियंत्रित डम्फर कार में टक्कर मारकर दुकान में घुसा

करण वाणी न्यूज

बीघापुर, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के ऊंचगांव चौराहे पर भगवंत नगर से बक्सर की ओर जा रहा डंपर भोजपुर की ओर से आ रही कार में टक्कर हो गई ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के दाएं और स्थित शैलेंद्र गारमेंट्स की दुकान में टकरा गया।टक्कर से डंपर व कार ड्राइवर गंभीर घायल हो गए।

ऊंचगांव चौराहे पर गुरुवार सुबह लगभग 7~30 बजे ऊंचगांव निवासी भाष्कर दीक्षित अपने चौपहिया वाहन से बेटे को उचगांव भोजपुर रोड पर स्थित विद्यालय छोड़ कर वापस घर आ रहे थे तभी भगवंतनगर की तरफ से बक्सर जा रहा डम्फर चौपहिया वाहन से टकरा गया। टक्कर के बाद अनियंत्रित डंपर ऊंचगांव चौराहा पर स्थित शैलेन्द्र गारमेंट्स की दूकान में टक्कर मार दी। जिस दुकान के बाहर बेन दीवाल टूट गई सुबह ग्राहक न होने के चलते बड़ी घटना टल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार चालक भाष्कर दीक्षित व डंपर चालक को पुलिस ने एम्बुलेंस से बीघापुर अस्पताल भेजा। जहां गंभीर स्थिति देखते हुए परिजन भास्कर दीक्षित को कानपुर निजी अस्पताल ले गए हैं वही डंपर चालक को जिला चिकित्सालय भेजा गया है। घटना के बाद ऊंच गांव चौराहे पर लगभग 45 मिनट जाम लग गया जिससे आवागमन बाधित रहा। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र नाथ मिश्रा ने क्रेन से डंपर हटवाकर जाम खुलवाया व आवागमन चालू कराया गया। एस ओ ने बताया कि सुबह भीड़भाड़ न होने के चलते बड़ी घटना टल गई।

मार्ग दुर्घटनाओं में आधा दर्जन बाइक सवार गम्भीर रूप से घायल

▸▸ हादसे में बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची सरकारी एंबुलेंस घायलों को यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई।

करण वाणी न्यूज

बांगरमऊ,उन्नाव। क्षेत्र के दो अलग-अलग मार्गों पर दुर्घटनाओं में आधा दर्जन बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यहां के सरकारी अस्पताल द्वारा सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रबड़ी निवासी नीलांशु 19 वर्ष पुत्र महिपाल व वीरेश 20 वर्ष पुत्र रामविलास और करन 17 वर्ष पुत्र बिहारी लाल तीनों युवक बुधवार को देर शाम बाइक के जरिए बांगरमऊ से वापस अपने गांव लौट रहे थे। तभी रास्ते में लतीफपुर संपर्क मार्ग पर स्थित ग्राम रबड़ी मोड़ पर अचानक बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। हादसे में बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची सरकारी एंबुलेंस घायलों को यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई। इसके अलावा जिला कानपुर नगर के थाना चौबेपुर अंतर्गत ग्राम घाघपुर निवासी शिवम 30 वर्ष पुत्र रामचंद्र और नीलू 30 वर्ष व धीरेन्द्र 21 वर्ष पुत्र गण सुशील तीनों युवक बीते बुधवार को देर शाम बाइक के जरिए अपने गांव से बांगरमऊ की तरफ़ आ रहे थे। तभी रास्ते में बांगरमऊ - बरुआघाट मार्ग पर स्थित ग्राम राजेपुर के निकट तेज रफ्तार बाइक आगे चल रही ट्रैक्टर ट्राली के पीछे जा घुसी। हादसे में तीनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची सरकारी एंबुलेंस घायलों को यहां के सरकारी अस्पताल लाई।

शिक्षक संगठन ने खंड शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

करण वाणी न्यूज

बीघापुर,उन्नाव। बेसिक शिक्षा विभाग में लगातार चल रहे प्रयोगों से परेशान शिक्षक संगठनों ने खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन देकर युग्मन किए गए विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी के संचालन के स्पष्ट निर्देश देने सहित अन्य समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। बीघापुर विकासखंड में शिक्षा विभाग की अव्यवस्थाओ को लेकर प्राथमिक विद्यालय संघ की ब्लॉक इकाई के अध्यक्ष विश्वनाथ सिंह महामंत्री विजय सिंह व संरक्षक जयशंकर वर्मा तथा उच्च प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष राज किशोर रावत ने बी ई ओ शुचि गुप्ता को शिक्षकों की समस्याओं के लिए दिए ज्ञापन में विकास खंड में युग्मन किए गए विद्यालयों के बारे में अभी तक स्पष्ट निर्देश न मिलने पर रोष जताते हुए कहा कि कई विद्यालय ऐसे हैं जिनसे अन्य विद्यालय काफी दूरी पर हैं । युगमन के लिए विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा प्रस्ताव भी नहीं दिया जा रहा इसके चलते युग्मन में दिक्कतें आ रही है ।16 जून के बाद विद्यालय खुलते ही स्कूल चलो अभियान वृक्षारोपण संचारी रोग कार्यक्रम शिक्षको द्वारा चलाए जा रहे के

थे उसके बाद बी एल ओ की ड्यूटी लगा दी गई है। नवंबर 2024 से शिक्षकों के चयन वेतनमान लंबित है उसका अभी तक निस्तारण नहीं किया जा सका।क्षेत्र में प्रत्येक गांव में गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालित है उन्हें तत्काल बंद कराया जाए वही कक्षा 8 तक की मान्यता लेकर इंटरमीडिएट तक की कक्षाओं का संचालन करने वाले विद्यालयों पर भी पूरी तरह अंकुश लगाया जाए यदि ऐसे गैर मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाएं चलती रही तो प्राथमिक विद्यालय में नामांकन बढ़ाना टेढ़ी खीर होगा ।फरवरी महीने से रसोइयों , अनुदेशक व शिक्षामित्र का मानदेय भी नहीं मिला ।समर कैंप की धनराशि ,कनवर्जन कॉस्ट का भी समय से भुगतान नहीं हो रहा है। शिक्षक नेताओं ने कहा कि समय से समस्याओं का निस्तारण नहीं हुआ तो शिक्षक आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

संदिग्ध हालत में पड़े मिले स्टेशन अधीक्षक चौकाघाट को इलाज के लिए भिजवाया गया

रामनगर। चौकाघाट रेलवे स्टेशन के अधीक्षक वही बने विश्राम घर के सामने संदिग्ध परिस्थितियों में पड़े मिले जिनको 108 एंबुलेंस से सीएचसी रामनगर लाया गया।यंहा हालत में सुधार नहीं होने पर जिला चिकित्सालय भेज दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार गोंडा रेल खंड के मध्य स्थित चौकाघाट रेलवे स्टेशन पर अधीक्षक सुभाष चंद्र विश्वकर्मा की तैनाती है । बीती रात 12 बजे से सुबह 8 बजे तक की इनकी ड्यूटी थी। रात करीब 3 बजकर 42 मिनट से 4 बजकर 55 मिनट के मध्य ट्रेनों का आवागमन नहीं होने पर चौका घाट का गेट मैन कारण जानने के लिए स्टेशन आया तो देखा कि कंट्रोल रूम के पास निर्माण धीन प्लेट फॉर्म नंबर 1 पर कोई व्यक्ति पड़ा है। नजदीक जाकर देखा तो उसे स्टेशन अधीक्षक संदिग्ध अवस्था में अचेत पड़े मिले।

उन्नाव को मिला शताब्दी एक्सप्रेस का तोहफा

▸▸ 20 जुलाई से मिलेगा नया स्टॉपेज

करण वाणी न्यूज

उन्नाव। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के अंतर्गत चलने वाली वीआईपी ट्रेन शताब्दी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12003) को लेकर यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए उन्नाव रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का नया स्टॉपेज देने का फैसला लिया है। यह बदलाव 20 जुलाई से लागू होगा।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, शताब्दी एक्सप्रेस लखनऊ जंक्शन से दोपहर 3:30 बजे रवाना होकर रात 10:25 बजे नई दिल्ली पहुंचती है। वर्तमान में ट्रेन कानपुर, फफूंद, इटावा, टूंडला, अलीगढ़, गाजियाबाद और नई दिल्ली समेत कुल सात स्टेशनों पर रुकती है। अब इस सूची में उन्नाव भी शामिल हो गया है। ट्रेन उन्नाव स्टेशन पर लगभग शाम 4:30 बजे पहुंचेगी और 2 मिनट का ठहराव लेगी, जिसके बाद दिल्ली के लिए रवाना हो जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही नई समय सारणी जारी कर दी जाएगी और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर अपडेट कर दिया जाएगा। शताब्दी एक्सप्रेस में किराया विमान के किराये की तर्ज पर डायनेमिक फेयर के आधार पर तय होता है। फिलहाल, लखनऊ से दिल्ली तक चेयरकार का किराया 1400 रुपए और एग्जीक्यूटिव क्लास का 2168 रुपए तक पहुंच गया है। जानकारी के अनुसार, चेयरकार में करीब 480 सीटें अभी भी खाली चल रही हैं। रेलवे का यह फैसला उन्नाव व आसपास के यात्रियों के लिए एक बड़ी सुविधा साबित होगा। अब उन्हें लखनऊ या कानपुर तक आने की जरूरत नहीं पड़ेगी और वे सीधे उन्नाव से राजधानी की वीआईपी ट्रेन में सफर कर सकेंगे।

रेलवे बोर्ड जल्द ही शताब्दी की अपडेटेड टाइमिंग और स्टॉपेज की आधिकारिक घोषणा करेगा। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे टिकट बुकिंग से पहले ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट वेबसाइट पर जानकारी चेक करें।

पिकप लोडर पीछे से दूसरे वाहन मे जा घुसा

▸▸ चालक व लोडर मालिक की दर्दनाक मौत

करण वाणी न्यूज

बांगरमऊ,उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर स्थित ग्राम शादीपुर के सामने तेज़ रफ़्तार पिकअप लोडर अन्य अज्ञात वाहन के पीछे जा घुसा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि लोडर का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर बाडी से चिपक गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और यूपीडा रेस्क्यू टीम ने केविन की दोनों खिड़कियां तोड़कर किसी तरह लहूलुहान अवस्था में चालक और मालिक को बाहर निकाला और दोनों को एंबुलेंस से यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए। जहां चिकित्सकों ने देखते ही चालक और लोडर मालिक दोनों को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और लखनऊ में मौजूद लोडर मालिक के दो बेटे अस्पताल आ पहुंचे।

जिला अयोध्या के थाना खन्प्रसा अंतर्गत ग्राम अरिहार निवासी रमेश चंद्र गुप्ता 52 वर्ष पुत्र जगजीवन प्रसाद अपने पिकअप लोडर में सौर ऊर्जा प्लेट और बैटरी लादकर राजस्थान जा रहा था।

पिकअप लोडर बेचूलाल 50 वर्ष पुत्र रामकिशोर निवासी ग्राम चांदपुर थाना रुदौली जिला अयोध्या चला रहा था। तभी रास्ते में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर आज गुरूवार को सुबह करीब 6 बजे बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र स्थित गांव शादीपुर के सामने तेज़ रफ़्तार पिकअप लोडर अन्य अज्ञात वाहन के पीछे जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप लोडर का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर बाडी से चिपक गया। हादसे में चालक और मालिक दोनों केविन और बाडी के बीच दबकर लहूलुहान हो गए। रास्ते से गुजर रहे वाहन चालकों की सूचना पर पहुंची बेहटा पुलिस और यूपीडा रेस्क्यू टीम ने आनन-फानन केविन की खिड़कियां तोड़कर चालक और मालिक को बाहर निकाला तथा दोनों को एंबुलेंस से यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए। जहां चिकित्सकों ने देखते ही पिकअप चालक और मालिक दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया।

संक्षिप्त खबरें

कर्ज़ से परेशान व्यापारी परिवार सहित हुआ गायब

निन्दूरा बाराबंकी। कुर्सी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बहरौली गांव मोहम्मद आजम तेल व्यापारी सोमवार की रात पत्नी सहित पांच बच्चों के साथ लापता हो गया व्यापारी का तो पुलिस 36 घंटे बाद सुराग तो नहीं लगा सकी लेकिन क्षेत्र के सरसों सप्लायर पैसे मांगने कारखाने पर पहुंचना शुरू कर दिये है पैसे मांगने पहुंच रहे लोग कारखाने में लटक रहें ताला हुआ लोग परेशान हो रहे हैं देवा थाना क्षेत्र के ग्राम पीड गांव निवासी सरसों सप्लायर एक व्यापारी ने बताया कि जब भी आजम के पास सरसों सप्लाई करने हम आते थे तो आजम कहते थे कि मार्केट में पैसा अधिक होने से दुकानदार पैसा नहीं द रहे हैं। अखबारों में छपी खबरों के बाद व्यापारी पहुंचने लगे दरवाजे पैसा मांगने फतेहपुर थाना क्षेत्र के इसरौली गांव निवासी सरसों सप्लायर ने बताया कि अखबार में खबरें छापने के बाद जानकारी हुई है 320000 रुपए बृहस्पतिवार को देने का वादा किया था लेकिन अब तो कारखाने पर ताला लटक रहा। कस्बा टिकैतगंज निवासी एक सरसों सप्लायर के करीब 5 लख रुपए बकाया है जो वह भी आज पर कारखाने पर गए थे।

20 महिलाओं सहित 50 लोगों पर मुकदमा दर्ज

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी। न्यायालय के आदेश पर लोनी कटरा पुलिस में 20 महिलाओ सहित 50 से अधिक लोगों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। लोनी कटरा थाना क्षेत्र के लाल ईंट मजरे खैराकनकू गांव निवासी रामसुख ने एक माह पूर्व न्यायलय मे वाद दायर किया। बताया कि राजस्व टीम ने हमारी भूमि को चिन्हित कराके कब्जा कर दिया। लेकिन बंधवा खैराकनकू गांव निवासी संतोष कुमार रामेश्वर श्याम महेश राजेश धर्मराज हरि नाम सहित 20 महिलाएं व अन्य 40 पुरुषों ने हमारी धान की फसल को नष्ट करके तहस-नहस कर दिया। उसके बाद हमारी भूमि पर कब्जा कर लिया। भूमि कब्जा करने के दौरान अवैध तमंचा लहराकर दहशत पैदा किया गया। कई राउंड फायरिंग भी हुई।यहीं नही हमें मारा पीटा भी गया। न्यायालय के आदेश के बाद लोनी कटरा पुलिस में सभी आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

गमछे से फांसी लगाकर युवक ने दी जान

निन्दूरा, बाराबंकी। कुर्सी कोतवाली क्षेत्र में एक युवक ने गमछे से पंखे में फांसी लगाकर जान दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए मुख्यालय भेजा। कुर्सी कोतवाली क्षेत्र के चकिया गांव निवासी विवेक गुप्ता 22 पुत्र राम गनेश मंगलवार की रात कमरे में सोने चला गया बुधवार सुबह गमछे के सहारे पंखे से लटका मिला शव सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए मुख्यालय भेजा इस संबंध में चौकी इंचार्ज श्रीकांत मिश्रा ने बताया कि युवक मंदबुद्धि व शराब का आदी था जिसके कारण फांसी लगाकर आत्महत्या किया पीएम के लिए भेजा गया पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा।

कालिंजर दुर्ग में दिखा तेंदुआ, वन विभाग ने भेजी 6 सदस्यीय टीम

बांदा। जनपद के ऐतिहासिक कालिंजर दुर्ग में तेंदुए की मौजूदगी से क्षेत्र में सतर्कता बढ़ गई है। दुर्ग में तेंदुए की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वन विभाग हरकत में आया है। एक सप्ताह पहले दुर्ग परिसर में तेंदुआ देखा गया। किसी ने वहां खड़े तेंदुए की तस्वीर खींचकर सोशल मीडिया पर साझा कर दी। वन विभाग के डीएफओ अरविंद कुमार ने बताया कि मामले की जांच के लिए छह सदस्यीय टीम मौके पर भेजी गई है। टीम तेंदुए के पदचिह्नों की तलाश कर रही है। सावन माह के चलते कालिंजर दुर्ग स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर में एक महीने का मेला लगता है। तेंदुए की मौजूदगी से स्थानीय लोगों में भय का माहौल है। वन विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

यमुना का जलस्तर 102.70 मी पर पहुंचा, खतरे का निशान 108 मीटर, निचले इलाकों में अलर्ट जारी

उरई/जालौन। जालौन जिले में बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन सतर्क हो गया है। यमुना और बेतवा नदियों के जलस्तर को लेकर बुधवार सुबह जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ बुलेटिन जारी किया गया। प्रशासन के अनुसार, यमुना नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जबकि बेतवा नदी के जलस्तर में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। इस स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने निचले इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया है। अपर जिलाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि बुधवार सुबह 8 बजे कालपी में यमुना नदी का जलस्तर 102.70 मीटर पर पहुंच गया, जो मंगलवार को 100.42 मीटर था। उन्होंने बताया कि यमुना का चेतावनी स्तर 107.00 मीटर और खतरे का स्तर 108.00 मीटर निर्धारित है। जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अभी खतरे के निशान से नीचे है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और नदी किनारे बसे इलाकों में अलर्ट घोषित कर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि यमुना में इसी तरह जलस्तर बढ़ता रहा तो आने वाले दिनों में निचले इलाकों के प्रभावित होने की संभावना बढ़ सकती है। ग्रामीणों को सतर्क रहने और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। वहीं दूसरी ओर डकोर के मोहना क्षेत्र से गुजरने वाली बेतवा नदी की स्थिति फिलहाल सामान्य है। अपर जिलाधिकारी के अनुसार, बेतवा नदी का वर्तमान जलस्तर 113.080 मीटर है, जबकि चेतावनी स्तर 121.660 मीटर और खतरे का स्तर 122.660 मीटर है। दो दिन पहले यह नदी खतरे के निशान से 2 मीटर नीचे 119.980 मीटर पर बह रही थी, अब यह करीब 9 मीटर नीचे आ गई है। बेतवा का जलस्तर लगातार घट रहा है जिससे इस क्षेत्र में फिलहाल बाढ़ का कोई खतरा नहीं है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (क्ड।) की ओर से सभी बाढ़ चौकियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीणों और नदी किनारे रह रहे लोगों से अपील की गई है कि वे नदी के पास न जाएं और किसी भी आपात स्थिति में नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें। प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है और हर पल की निगरानी की जा रही है।

एएमयू में ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी का क्लीनिकल ट्रेनिंग कार्यक्रम में प्रवेश 1 अगस्त से आरंभ

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के डा जेड ए. डेंटल कालेज के ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग में तीन माह का क्लीनिकल ट्रेनिंग प्रोग्राम अगले माह 1 अगस्त से शुरू होगा। विभागाध्यक्ष प्रो. सज्जाद अब्दुर रहमान ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उन बी.डी.एस. (बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी) डिग्रीधारकों के लिए है जिन्होंने भारत की डेंटल काउंसिल से मान्यता प्राप्त संस्थानों से आवेदन की तिथि से दो वर्षों के भीतर इंटर्नशिप पूर्ण की हो। आवेदन का निर्धारित प्रारूप विश्वविद्यालय की वेबसाइट 1979/हउंपस.बवउ या बींपतचमतेवद.वउ/उन.ब.पद भेजे जा सकते हैं। प्रो. रहमान ने बताया कि पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर कुल तीन अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित उम्मीदवारों को वांछित शुल्क जमा करना होगा।

एएमयू के यूजीसी मलवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र में क्षमता विकास कार्यक्रम संपन्न

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के यूजीसी मलवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (यूजीसी एमएमटीसी द्वारा टीचिंग विद इम्पैक्टः कम्युनिकेशन इनोवेशन एंड एआई इन एजुकेशन विषय पर आयोजित दो सप्ताहीय क्षमता विकास कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित एलायंस फॉर इकोनॉमिक एंड एजुकेशनल डेवलपमेंट ऑफद अंडरप्रिविलेज्ड (एईईडीयू) के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल और मदरसा शिक्षकों को संवाद, शिक्षण नवाचार और कक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग से संबंधित कौशल प्रदान करना था। इस पाठ्यक्रम में पांच राज्यों से 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रो. मोहम्मद गुलरेज ने शिक्षकों को सार्थक योगदान के माध्यम से अपने आत्म-निर्धारित मूल्यों को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यूजीसी एमएमटीटीसी और एईईडीयू द्वारा समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के संयुक्त प्रयासों की सराहना की, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप हैं। एईईडीयू के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महमूद अख्तर (सेवानिवृत्त आईआरएस) ने प्रतिभागियों के उत्साह और एएमयू के शैक्षणिक नेतृत्व की सराहना की।

डीएम ने सुनी जनता की समस्याएं, आयोजित हुआ किसान दिवस

विकास भवन सभागार में माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

करण वाणी न्यूज

अमेठी। जिलाधिकारी संजय चौहान ने बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनीं। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए।

विकास भवन सभागार में माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। किसान दिवस में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों की समस्याओं व सुझावों को गंभीरता से सुना गया तथा मौके पर ही उनके समाधान हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान किसानों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। उन्हें जैविक व प्राकृतिक खेती के लाभों के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उन्नत खेती करने के सुझाव भी दिए गए। कृषि विज्ञान केंद्र कठौरा के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को फसल सुरक्षा, कीट एवं चूहे नियंत्रण, तथा फसल उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर व्यावहारिक जानकारी दी गई। किसान दिवस में उप कृषि निदेशक सत्येन्द्र कुमार, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ जी0के0 शुक्ला, अधिशासी अभियंता सिंचाई, नलकूप, विद्युत विभाग के अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित रहे।

ट्रेन से कटकर महिला की मौत, परिजनों का आरोप ससुराल वालों ने मारकर ट्रैक पर फेंका

उरई/जालौन। जालौन के अजनारी रोड रेलवे क्रॉसिंग के पास लोहिया पुल के समीप एक महिला का शव रेलवे ट्रैक पर मिला। मृतका की पहचान जालौन के कालपी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम छौंक निवासी आरती के रूप में हुई है। आरती की शादी 2017 में उरई के मोहल्ला इंदिरा नगर निवासी अजय उर्फ मंगल से हुई थी। उसके दो छोटे बच्चे हैं। मंगलवार रात को वह अपने ससुराल से अचानक लापता हो गई। बुधवार सुबह उसका शव रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत हालत में मिला। मृतका के पिता श्यामले और मां गुड्डी देवी का कहना है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष से आरती का रिश्ता सामान्य नहीं था। कई बार विवाद भी हुआ था। परिजनों ने पुलिस को लिखित शिकायत दी है। उनका आरोप है कि ससुराल वालों ने आरती की हत्या कर शव को ट्रेन के सामने फेंक दिया। उल्लेखनीय है कि आरती की छोटी बहन प्रतीक्षा की शादी 2023 में आरती के देवर महेश से हुई थी। प्रतीक्षा वर्तमान में अपने पति के साथ दिल्ली में रह रही है।

मानसिक तनाव में पिता ने दिव्यांग बेटे संग गंगा में लगाई छलांग

करण वाणी न्यूज

उन्नाव। उन्नाव के कल्याणी मोहल्ला में बुधवार दोपहर करीब 12 बजे एक दर्दनाक घटना सामने आई, जब मानसिक तनाव से जूझ रहे एक पिता ने अपने दिव्यांग पुत्र के साथ गंगा नदी में छलांग लगा दी। कल्याणी मोहल्ला निवासी ब्रजकिशोर अस्थाना अपने बेटे शोभित अस्थाना के साथ गंगा घाट पहुंचे थे। कुछ देर घाट पर बैठने के बाद उन्होंने अचानक बेटे के साथ नदी में छलांग लगा दी। मौके पर मौजूद ग्रामीणों और स्नान कर रहे श्रद्धालुओं ने तत्काल सतर्कता दिखाई और दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दोनों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनकी स्थिति सामान्य बताई। उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, ब्रजकिशोर लंबे समय से पारिवारिक कलह, आर्थिक तंगी और दिव्यांग पुत्र की देखभाल की जिम्मेदारियों से मानसिक रूप से परेशान थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। फिलहाल परिजनों की ओर से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

एएमयू के प्रोफेसर द्वारा प्रेरणादायक व्याख्यान श्रृंखला का संचालन

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर एसएम. खान ने कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में व्याख्यान प्रस्तुत किये। प्रो. खान ने वाणिज्य विभाग में एक व्यावहारिक सत्र का संचालन किया जिसमें उन्होंने जनरेटिव एआई को शोध कार्य में उपयोग करने के तरीके बताए। इसके बाद उन्होंने यूजीसी माळवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र में फैकल्टी डेवेलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत ‘स्केल डेवलपमेंट और स्टैंडर्डाइजेशन‘ और ‘शिक्षकों में तनाव प्रबंधन और मानसिक कल्याण‘ विषयों पर दो सत्रों का संचालन किया। प्रो. खान ने मनोविज्ञान विभाग में बदलते शैक्षणिक परिवेश में शोध की विधियों पर विचार साझा किए। उन्होंने यूजीसी माळवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र में चल रहे फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में शिक्षकों के लिए जनरेटिव एआई÷ और डिजिटल एक्सेसिबिलिटी के जरिये समावेशी शिक्षा पर व्याख्यान दिए।

बालिकाओं को किया गया जागरूक, की गई चेकिंग

करण वाणी न्यूज

अमेठी। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में बुधवार को मिशन शक्ति÷ अभियान के तहत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन हेतु बालिकाओं में सशक्तिकरण व विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से प्रभारी निरीक्षक महिला थाना कंचन सिंह मय हमराह द्वारा कस्बा अमेठी स्थित आरआरपीजी कॉलेज में छात्राओं को थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क तथा महिला सशक्तिकरण से संबंधित शासन की विभिन्न योजनाओं के विषय में विस्तार से जानकारी देकर जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित कर जागरूक किया गया । और इसी क्रम में एन्टी रोमियो टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर मनचलों द्वारा छेड़छाड़ व महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत सतत निगरानी करते हुए अभियान चलाया गया एवं संदिग्धों की चेकिंग की गयी ।

तीन दिन से गांव में अधेरा, बिजली विभाग नहीं है पुरसाहाल

करण वाणी न्यूज

मौरावां, उन्नाव। विकासखंड हिलौली में बने पावर हाउस के करदहा फीडर के गांव संदाना में 13 तारीख की रात को एक 100 चक्क्ष का ट्रांसफार्मर जल गया था जिसकी सूचना ग्रामीणों ने तुरन्त अवर अभियंता बसन्त लाल को सूचना दिया उसके बाद से अवर अभियंता जी गहरी नींद में सो गए तीन दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक दूसरे ट्रांसफार्मर का अता पता नही है इस ट्रांसफार्मर से गांव के लगभग तीन सौ घरों को बिजली मिलती है जो तीन दिवस से प्यासे रहकर अंधेरे में जीवन यापन करने पर मजबूर है मजे की बात यह है कि जहाँ सूबे की सरकार के शख्त आदेश है कि कही भी बिजली की कटौती न कि जाए जहाँ कोई भी दिक्कत हो उसे तुरंत ठीक कर समस्या का समाधान किया जाय लेकिन उन्ही की सरकार में उन्ही के मुलाजिम सरकार की छवि को धूमिल करने में कोई कोर कसर नही छोड़ते है।

सूत्र बताते है कि सरकार द्वारा नियम है कि बिजली की ब्यवस्था विगड़ने न पाए इस लिए सरकार ने हर यंत्र की ब्यवस्था की है और कड़ाई के साथ सख्त आदेश है कि यदि 100 चक्क्ष का ट्रांसफार्मर जलता है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी अवर अभियंता की होगी लेकिन सरकार की इतनी कड़ाई के बाद भी अवर अभियंता बसन्त लाल पर कोई प्रभाव नही पड़ता हैं और वह कुम्भकर्णी नींद में सोए हुए है।

जब इस ट्रांसफार्मर के जलने के बाद भी कोई ब्यवस्था नही हुई तो इसकी जानकारी के लिए अधिशाषी अभियंता विष्णुदयाल यादव को दूरभाष से सम्पर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि मैं कोई मीटिंग में हूँ आप मेरे व्हाट्सएप पर लिख कर डाल दो मैं दिखवा लूंगा।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया मजदूर, गंभीर घायल

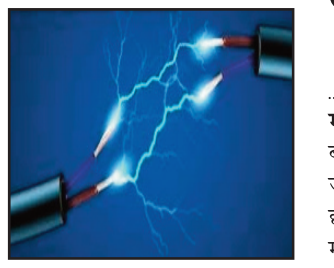

करण वाणी न्यूज

उरई/जालौन। जालौन के कोंच कोतवाली क्षेत्र में एक मजदूर निर्माणाधीन मकान में काम करते समय हाई वोल्टेज विद्युत लाइन की चपेट में आ गया। यह हादसा कोंच नगर के कांच के मंदिर के पास मंडी गेट इलाके में हुआ। जहां 35 वर्षीय मजदूर यूनिस पिलर खड़ा कर रहा था। इस घटना का लाइव सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार, यूनिस पुत्र लाल मोहम्मद निवासी मालवीय नगर, कोंच में दिहाड़ी मजदूरी करता है। मंगलवार को रोज की तरह काम पर गया था और एक खाली प्लॉट में अपने 5 साथियों के साथ मिलकर पिलर लगाने का काम कर रहा था। जैसे ही उसने अपने साथी के साथ लोहे का पिलर ऊपर उठाया। वह प्लॉट के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गया। पिलर के विद्युत तार से स्पर्श होते ही यूनिस को जबरदस्त करंट का झटका लगा और वह बुरी तरह झुलस गया। उसके साथी घबराकर पीछे हट गए और तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कोंच ले जाया गया। डॉक्टरों ने यूनुस की हालत देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर उरई रेफर कर दिया। परिजनों ने बताया कि करंट लगने से यूनिस के शरीर में कई जगहों पर गहरे जलने के निशान हैं। उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

तेज रफ्तार लोडर की चपेट में आने से वृद्ध की हुई दर्दनाक मौत

करण वाणी न्यूज

मौरावां उन्नाव। बुधवार की शाम को बहन को बाइक में बिठाकर दवा लेने जा रहे भाई को तेज रफ्तार से आ रहा छोटा हाथी ने सामने से बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोर थी कि बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोग उसे पीएचसी हिलौली लेकर गए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौरावां थाना क्षेत्र के गांव गुरूदत्त खेड़ा मजरे विसारा निवासी पप्पू 53 पुत्र स्वर्गीय दयाराम बुधवार दोपहर अपनी बहन इसुरदेई निवासी बलुवाखेड़ा के यहाँ गए थे। वहाँ से अपनी बहन को बाइक में बिठाकर भवानीगंज दवा लेने जा रहे थे। वहीं संदाना गांव से तीन सौ मीटर पहले तेज रफ्तार में आ रहा

छोटा हाथी (लोडर) ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह उछलकर सड़क पर गिर गया और मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। लोडर चला रहे कपिल गुप्ता पुत्र स्व श्रीकेशन गुप्ता निवासी संदाना ने गांव फोन लगाया और लोगों को बुला कर उसे आनन फानन पीएचसी हिलौली लेकर गए जहाँ डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पीछे बैठी ईश्वरदेई को आंशिक चोंटे आई हैं। अचानक घटी घटना से पत्नी विमलेश कुमारी,बेटा हेमराज यादव,बेटी शशी यादव का रो रो कर बुरा हाल रहा। वही घटना की सूचना पर पहुंचे मौरावां थाना प्रभारी निरीक्षक कुँवर बहादुर सिंह ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। और बताया कि लोडर चालक के ऊपर नाम जद मुकदमा पंजीकृत करा दिया गया है।

बहन को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप

बीघापुर उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के साढेमऊ के रहने वाले पवन पुत्र धनीराम ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर अपनी बहन लक्ष्मी देवी को बहलाफुसलाकर भाग ले जाने का पारिवारिक व रिश्तेदारों के ऊपर आरोप लगाया है। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि पीड़ित के साथ मकान में रहने वाली पारिवारिक भाभी लता व पारिवारिक बाबा राम प्यारे उसकी बहन से फोन पर रिश्तेदार सुग्रीव निवासी मढ़ी जिला शिवनी मप्र से लुक छुपाकर बातचीत कराते थे। 6 जुलाई को लता व रामप्यारे उसकी बहन को कानपुर के एक ब्यूटी पार्लर में काम करने की बात को ले गए थे किंतु उसकी बहन वापस नहीं आई ।आशंका है कि लता व रामप्यारे की साजिश के चलते उसकी बहन को सुग्रीव भगा ले गया है। एसओ राजपाल ने बताया की प्रार्थना पत्र पर केस दर्ज कर लिया गया है। जांच कर कार्रवाई की जाए।

जमीनी विवाद में चले लाठी-डण्डे हुई फायरिंग ग्यारह घायल

करण वाणी न्यूज

अमेठी। सरहंगो ने अपने साथियो के साथ पीड़ित के ऊपर जान लेवा हमला बोल दिया। और पहले गाली-गलौज की। फिर लाठी डण्डे से हमला बोल दिए। और कई राउंड गोली चलीं आधा दर्जन लोग घटना मे घायल हुए। जिन्हे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर मे प्राथमिक उपचार कराकर जिला संयुक्त चिकित्सालय असैदापुर गौरीगंज मे इलाज चल रहा है। यही नही घायल परिजनो को पुलिस कोतवाली मे बैठा रखा है। पुलिस के रवैये से गांव वालो मे रोष व्याप्त है। जिले के कोतवाली जगदीशपुर के ग्राम कचगाव मे रमेश कुमार पुत्र रघुनाथ ग्राम थौरी थाना शहीद स्मारक भाले सुल्तान जिला अमेठी ने अपने चार पांच साथियो के जान लेवा हमला बोल दिया। हमला 15 जुलाई 2025 को सरहंगो ने धान की रोपाई के खेत मे टैक्टर दौडा कर फसल नष्ट कर दिए। बिरोध करने पर पीड़ित परिवार को पहले भद्दी भद्दी,गाली-गलौज की।

फिर लाठी डण्डो से हमला बोला। उसके बाद मामला बढा। तो रमेश कुमार ने साथियो के साथ कई राउंड गोली चलाई। जिसमे रामधनी,दान बहादुर,रामावती, बाबादेई,आदित्य कुमार,रामा, बाबादीन को गम्भीर चोटे आयी। दान बहादुर ने बताया कि खेत की नाप हुई। और पत्थर नसब हुआ। उसी खेत मे धान की रोपाई हुई थी। जिसे मंगलवार को टैक्टर चलाकर रमेश कुमार ने फसल बर्बाद कर दी। मना करने पर गाली-गलौज और लाठी डण्डे से हमला कर आधा दर्जन लोगो को गम्भीर रूप से घायल कर दिए। वही रमेश कुमार,गया प्रसाद,प्रेमा देवी,जितेन्द्र कुमार आदि को चोटे आयी है। परिवार के लोगो ने घायलो को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर मे उपचार कराया। गम्भीर हालत देख जिला संयुक्त अस्पताल असैदापुर गौरीगंज मे भर्ती कराया गया। जहा उपचार चल रहा है। कोतवाली जगदीशपुर प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि घटना की जांच पुलिस कर रही है।दोषी के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी। कानून को हाथ मे लेने वाले बक्शे नही जायेगे। पुलिस न्याय करेगी। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस सरहंगो के बचाव मे लगी है। पीड़ित परिवार को भी पुलिस कोतवाली मे बैठा रखा। घटना को लेकर पुलिस प्रशासन पर अंगुलिया उठना शुरु है। पीड़ित परिवार ने तहरीर दे रखी है।

5 साल की बच्ची से दुष्कर्म

पेट दर्द की शिकायत पर परिजनों को हुई जानकारी, आरोपी गिरफ्तार

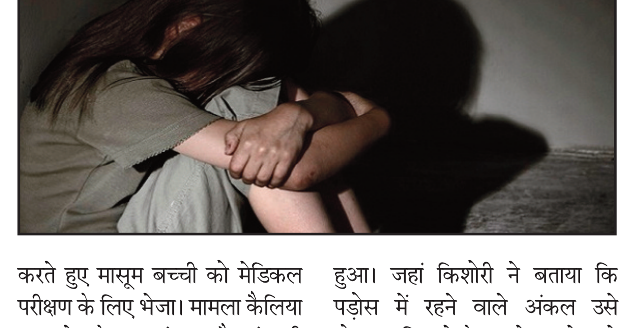

करण वाणी न्यूज

उरई/जालौन। जालौन में 5 साल की मासूम के साथ रेप की घटना सामने आई है। जहां पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने एक माह पहले मोबाइल दिखाने के बहाने उसे घर ले जाकर उसके साथ दरिंदगी की। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब मंगलवार की रात को मासूम के पेट में दर्द उठा, जिस पर उसने परिजनों को इसके बारे में जानकारी दी। परिजनों जब उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, तो मासूम के साथ हुई दरिंदगी की घटना सामने आई। जिसके बाद परिजन थाने पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस को इस मामले की जानकारी दी। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया साथ ही मुकदमा पंजीकृत करते हुए मासूम बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा। मामला कैलिया थाना क्षेत्र के एक गांव का है। गांव की रहने वाली एक 5 साल की मासूम बच्ची के साथ पड़ोस में रहने वाले युवक ने मोबाइल दिखाने के बहाने अपने घर ले जाकर एक माह पहले उसके साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया इस घटना के बारे में तब खुलासा हुआ, जब मंगलवार की रात मासूम के पेट में दर्द हुआ और उसने अपनी मां को इसके बारे में बताया। मां जब उसे अस्पताल लेकर पहुंची तो डॉक्टरों ने जांच की तो इस घटना का खुलासा हुआ। जहां किशोरी ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले अंकल उसे मोबाइल दिखाने के बहाने घर ले जाते थे और उसके साथ गलत काम कर रहे थे जिसे सुनकर परिजनों की होश उड़ गए और उन्होंने तत्काल इस बारे में कलिया थाने जाकर पुलिस को सूचना दी।

इस घटना को सुनते ही कैलिया थाना पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल मुकदमा पंजीकृत करते हुए आरोपी को हिरासत में लेकर मासूम बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया।

संक्षिप्त खबरें

ब्रिटिश सशस्त्र बलों के साथ काम करने वालों पर केस नहीं

मास्को। तालिबान उन अफगानों पर मुकदमा नहीं चलाएगा जिन्होंने ब्रिटिश सेना के साथ काम किया था और जिनका डेटा लीक होने के कारण उजागर हो गया था। यह जानकारी अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने शुक्रवार को दी। ब्रिटेन के रक्षा सचिव जॉन हेली ने 15 जुलाई को पहली बार ब्रिटिश सेना के साथ सहयोग करने वाले हजारों अफगानों के लिए पुनर्वास कार्यक्रम होने की बात स्वीकार की थी। 2022 में, अफ़ग़ान पुनर्वास एवं सहायता नीति (एआरएपी) में भागीदारी के लिए आवेदन करने वाले लगभग 19,000 अफ़ग़ानों का डेटा लीक हो गया था। उनके परिवार के सदस्यों को शामिल करते हुए इस लीक ने लगभग एक लाख अफ़ग़ानों को जोखिम में डाल दिया था।

डेनवर संग्रहालय के पार्किंग स्थल के नीचे मिला जीवाश्म

डेनवर। अमेरिका के कोलारेडो स्थित डेनवर प्रकृति एवं विज्ञान संग्रहालय के जीवाश्म विज्ञानियों ने संग्रहालय के पार्किंग स्थल के नीचे एक विशेष जीवाश्म की खोज की है। संग्रहालय ने बताया कि डायनासोर की यह हड्डी जनवरी में इस स्थल के नीचे चट्टान की परतों का अध्ययन करने के लिए एक ड्रिलिंग अभियान के दौरान सामने आई थी।

उत्तरी अमेरिका में जंगल की आग तेज हुई

कोलोरेडो। उत्तरी अमेरिका में जंगल की आग लगातार फैलने के कारण कनाडा में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है। अमेरिका के कोलोरेडो राज्य में जंगल की आग 4,160 एकड़ तक फैल गई है। इससे वहां की आबादी और जंगली जीवों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उत्तरी कैलिफ़ोर्निया में, शास्ता झील के पास आग में तेजी आ जाने से 'सुपर स्कूपर' विमानों को तैनात करना पड़ा। बीबीसी ने यह जानकारी दी है।

कैथोलिक चर्च पर इजराइली हमला, तीन लोगों की मौत

एजेंसी

तेल अवीव/गाजा। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को गाजा के एकमात्र होली फैमिली कैथोलिक चर्च में टैंक की गोलीबारी में तीन लोगों की मौत पर अफसोस जताया। दरअसल, गुरुवार को गाजा के फैमिली कैथोलिक चर्च पर इजराइली टैंक से हमला हुआ, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और दस अन्य घायल हुए, जिनमें एक पादरी भी शामिल हैं। हमला सुबह लगभग 10.30 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुआ। इस चर्च में सैकड़ों विस्थापित लोगों ने शरण ले रखी थी। नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से इसे लेकर फोन पर बातचीत की। नेतन्याहू ने कहा कि यह हमला गलती से हुआ, जिसमें एक गोला चर्च पर जा गिरा।

नेतन्याहू ने कहा, हर निर्दोष की जान का जाना भयानक नुकसान है। इजराइली सेना IDF ने भी जांच के बाद कहा कि एक गोले का टुकड़ा गलती से चर्च पर गिरा। सेना का दावा

है कि उसने नागरिकों और धार्मिक स्थलों को नुकसान से बचाने की पूरी कोशिश की। इजराइली सेना ने कहा कि एक गोले का टुकड़ा गाजा सिटी में सैन्य कार्रवाई के दौरान गलती से चर्च पर गिर गया। इसकी जांच की जा रही है। अमेरिका के व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि ट्रम्प और नेतन्याहू के बीच इस हमले को लेकर तनावपूर्ण बातचीत हुई। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति को बताया कि कैथोलिक चर्च पर हमला करना इजराइलियों की एक भूल थी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने गाजा में इजराइल के हालिया हमलों की कड़ी निंदा की है। मेलोनी ने एक्स पर लिखा, ÷इजराइल के गाजा में हमलों ने होली फैमिली चर्च को भी निशाना बनाया। महीनों से नागरिकों पर किए जा रहे ये हमले बर्दाश्त नहीं किए जा सकते। कोई भी सैन्य कार्रवाई इस व्यवहार को सही नहीं ठहरा सकती।÷ मेलोनी ने मई में कहा था कि इजराइल को अपने सैन्य अभियानों में अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए। वहीं, लैटिन पैट्रिआर्केट ऑफ जेरूसलम (कैथोलिक चर्च का एक ग्रुप) ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने बताया कि हमले के समय चर्च में करीब 600 लोग शरण लिए हुए थे। लैटिन पैट्रिआर्केट कार्डिनल पियेरबातिस्ता पिज्जाबाला ने बताया हमले में पादरी फादर गैब्रियल रोमानेली सहित कई लोग घायल हुए। उन्होंने कहा- चर्च में शरण लिए लोग युद्ध से अपनी जान बचाने की उम्मीद में वहां आए थे, उनके घर, संपत्ति और सम्मान पहले ही छीना जा चुका था। हमें पक्का पता है कि एक टैंक ने चर्च पर जानबूझ कर हमला किया। इजराइल का कहना है कि यह गलती थी, लेकिन हमें यकीन नहीं है। वेटिकन ने इस हमले को सैन्य हमला बताया और पोप लियो ङ्खढ्ढङ्क की ओर से शोक व्यक्त किया। पोप ने मृतकों की आत्मा की शांति और घायलों के ठीक होने की प्रार्थना की।

होली फैमिली कैथोलिक चर्च, गाजा में स्थित कैथोलिक चर्च अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी दिवंगत पोप फ्रांसिस के साथ निकटता के लिए जाना जाता है। गाजा में चल रहे युद्ध के दौरान, पोप फ्रांसिस इस चर्च के समुदाय के साथ फोन पर संपर्क में रहते थे। वे चर्च के पादरी और वहां शरण ले रहे लोगों से बात करते थे, ताकि उनकी स्थिति का जायजा ले सकें और उनका हौसला बढ़ा सकें। यह चर्च गाजा के छोटे ईसाई समुदाय (लगभग 1,000 लोग) के लिए एक महत्वपूर्ण आश्रय स्थल रहा है।

अमेरिका की दिग्गज पॉप गायिका और अभिनेत्री कॉनी फ्रांसिस का 87 वर्ष में निधन

न्यूयॉर्क। अमेरिका की मशहूर दिग्गज पॉप गायिका और अभिनेत्री कॉनी फ्रांसिस का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। न्यू जर्सी के नेवार्क में 12 दिसंबर, 1937 को जन्मी फ्रांसिस ने एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। 1960 के दशक में वह युवाओं और किशोरों की चहेती गायिका रहीं। इस दशक में उनके गाने लिपस्टिक ऑन योर कॉलर और हूज सॉरी नाउ? मौजूदा पीढ़ी ने जमकर सुना। कॉनी फ्रांसिस के निधन की सूचना दुनिया को सबसे पहले उनके प्रचारक और मित्र रॉन रॉबर्ट्स ने दी। रॉबर्ट्स ने फेसबुक पेज पर लिखा, भारी मन और अत्यंत दुख के साथ मैं आपको कल रात अपनी प्रिय मित्र कॉनी फ्रांसिस के निधन की सूचना दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि फ्रांसिस को हाल ही में दर्द की समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस महीने की शुरुआत में उन्हें कुछ कार्यक्रम रद्द भी करने पड़े थे। हाल में उनके गाने प्रिटी लिटिल बेबी ने टिकटॉक ट्रेंड की बदौलत युवा पीढ़ी का ध्यान आकर्षित किया था।

अमेरिका में तूफान चेंटल का कहर नॉर्थ कैरोलिना में आपातकाल घोषित

एजेंसी

नॉर्थ कैरोलिना । अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य में उत्तरी अटलांटिक उष्णकटिबंधीय तूफान चेंटल के चलते भारी तबाही हुई है। इस तूफान में अब तक कम से कम छह लोगों की मौत हो चुकी है और कई इलाकों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हालात की गंभीरता को देखते हुए राज्य के गवर्नर जोश स्टाइन ने गुरुवार को आपातकाल की घोषणा की है।

बता दें कि इस भीषण चक्रवात के चलते कैरोलिना कुछ इलाकों में 9 से 12 इंच तक बारिश हुई। एनो नदी समेत कई नदियों का जलस्तर रिकॉर्ड तोड़ ऊंचाई तक पहुंच गया। इतना ही नहीं डरहम, रैले और चैपल हिल जैसे शहरों में लोगों को पीने का साफ पानी तक नहीं मिल पा रहा है। कई घर और दुकानें तबाह हो गईं और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। तूफान इतना तेज था कि एक 58 वर्षीय महिला का वाहन बाढ़ में फंस गया, मदद के लिए 911 पर कॉल किया लेकिन कॉल कट गई। बाद में वह मृत पाई गईं। दो कैनोर्स (नाविक) की तलाश के बाद उनकी लाशें चाथम काउंटी में मिलीं। वहीं एक अन्य महिला की कार पानी में बह गई और उनकी मौत हो गई।

इसके साथ ही 71 वर्षीय व्यक्ति और 23 वर्षीय युवती की भी बाढ़ में मौत हो गई। हालांकि डरहम में 80 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया। चैपल हिल में 50 से अधिक लोगों को बचाया गया, खासकर अपार्टमेंट्स से। गौरतलब है कि तूफान के बढ़ते स्वरूप को देखते हुए राज्य सरकार ने 13 प्रभावित काउंटीज़ में आपातकाल लागू कर दिया है। इससे नॉर्थ कैरोलिना अब फेडरल सहायता (केंद्र सरकार से मदद) मांग सकता है, ताकि राहत और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाई जा सके।

ब्रिटेन में अब 16 साल की उम्र में वोट करने का अधिकार, कई देशों में भी भारत से अलग है कानून

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन सरकार ने ऐलान किया कि अगले आम चुनाव से पहले देश में वोटिंग की उम्र 18 से घटाकर 16 साल कर दी जाएगी। यह कदम लोकतंत्र में भागीदारी बढ़ाने के इरादे से उठाया गया है। स्कॉटलैंड और वेल्स में पहले ही 16-17 साल के युवा स्थानीय चुनावों में वोट डाल सकते हैं। अब ब्रिटेन ऑस्ट्रिया, इक्वाडोर और ब्राजील जैसे देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जहां 16 साल में मतदान की अनुमति है।

इतना ही नहीं, इन बदलावों के लागू होने के बाद, लोग मतदान से कम से कम 14 दिन पहले डाक से मतदान के लिए आवेदन कर सकेंगे। पहले यह समय सीमा 11 दिन थी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि लोगों को समय पर अपना मतपत्र मिल जाए। प्रस्तावित कानून ब्रिटेन भर में मतदान के अधिकार की आयु के संबंध में एकरूपता लाएगा। स्कॉटलैंड और

वेल्स में, युवा पहले से ही न्यागत संसद के लिए अपने प्रतिनिधियों को चुनने के लिए मतदान कर सकते थे, लेकिन ब्रिटिश चुनावों में ऐसा नहीं है। यूरोप में केवल ऑस्ट्रिया, माल्टा, आइल ऑफ मैन और चैनल द्वीप समूह ने ही कम से कम 16 वर्ष की आयु के लोगों को मतदान का अधिकार दिया है। द गार्जियन के अनुसार, अन्य देशों में, ब्राज़ील, अर्जेंटीना और क्यूबा ने भी मतदान की आयु घटाकर 16 वर्ष कर दी है। जर्मनी, इज़राइल और एस्टोनिया के कुछ हिस्सों में 16 और 17 वर्ष के बच्चों को कुछ चुनावों में, यदि सभी नहीं, तो मतदान करने की अनुमति है। निकारागुआ में 16 वर्ष के बच्चों को मतदान करने की अनुमति है, जबकि इंडोनेशिया, पूर्वी तिमोर, इथियोपिया, उत्तर कोरिया और सूडान में मतदान की कानूनी आयु 17 वर्ष है।

32 साल का आरोपी फ्रांस से प्रत्यर्पित

वाशिंगटन। अमेरिका के पेनसिल्वेनिया राज्य में पढ़ाई के दौरान एक छात्रा से यौन शोषण के आरोपी इयान क्लियरी (32) ने आखिरकार अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी को कुछ महीने पहले फ्रांस से अमेरिका लाया गया था, जहां वह 2013 की घटना के बाद भाग गया था।

मामले में पीड़िता शैनन कीलर ने बताया कि 2013 में जब वह गेटीसबर्ग कॉलेज में पहली वर्ष की छात्रा थीं तब इयान क्लियरी उसके हॉस्टल के कमरे में घुस आया और उसका यौन शोषण किया। क्लियरी कॉलेज में तीसरे वर्ष का छात्र था। पीड़िता ने उसी समय पुलिस को सूचना दी, लेकिन मामला आगे नहीं बढ़ा।

इसके बाद 2021 में अचानक उसे आरोपी की फेसबुक आईडी से एक मैसेज मिला कि तो मैंने तुम्हारे साथ दुष्कर्म किया। यह देख वह फिर से न्याय के लिए सक्रिय हुई। शैनन कीलर ने बताया कि वह पिछले 12 वर्षों से न्याय के लिए लड़ रही थीं, लेकिन प्रशासन और कानून की सुस्ती के कारण आरोपी पर कार्रवाई नहीं हो सकी।

ट्रंप ने कोयला, लौह, रासायनिक उद्योगों को नियामक राहत देने का निर्णय लिया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों, रासायनिक विनिर्माताओं और अन्य प्रदूषणकारी उद्योगों को दो वर्ष की नियामक छूट देने का निर्णय लिया है। ट्रंप पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन द्वारा लगाए गए नियमों को उलटना चाहते हैं, जिन्हें वे अत्यधिक बोझिल मानते हैं।

ट्रंप ने बृहस्पतिवार देर रात कई उद्योगों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक बताते हुए छूट देने वाले आदेश जारी किए। ये आदेश कोयला आधारित बिजली संयंत्रों, इस्पात निर्माण के लिए इस्तेमाल होने वाले टैकोनाइट लौह अयस्क की प्रसंस्करण इकाइयों तथा सेमीकंडक्टर और चिकित्सा उपकरणों को रोगाणुमुक्त करने में मदद करने वाले रासायनिक निर्माताओं पर लागू होंगे। व्हाइट हाउस ने बताया कि ये आदेश उन पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) मानकों के अनुरूप हैं, जो बाइडन प्रशासन द्वारा हाल के वर्षों में लागू किए गए नियमों से पहले थे। ट्रंप ने बाइडन के नियमों को महंगे और कई मामलों में अव्यवहार्य बताया। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह कदम महत्वपूर्ण उद्योगों को राष्ट्रीय सुरक्षा के समर्थन में बिना भारी लागत के निर्बाध रूप से संचालित करने÷ में मदद करेगा। ट्रंप का ईपीए पहले भी कई कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को प्रदूषण नियंत्रण नियमों से छूट दे चुका है। साथ ही ईपीए ने पारा, आर्सेनिक और बेंजीन जैसे विषैले रसायनों के उत्सर्जन को कम करने के नियमों से भी कई औद्योगिक प्रदूषकों को छूट देने का अवसर दिया था। पर्यावरण संगठनों ने इस प्रस्ताव की कड़ी आलोचना की और इस संबंध में जारी नए ईमेल को प्रदूषकों का पोर्टल÷ बताया, जो पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों से बचने में सैकड़ों कंपनियों की मदद कर सकता है। उनकी दलील है कि पारा बच्चों के मस्तिष्क को नुकसान पहुंचा सकता ह।

अमेरिकी सोलर कंपनियों ने भारत, इंडोनेशिया और लाओस से होने वाले आयात पर टैरिफ की मांग की

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका की सौर पैनल निर्माता कंपनियों के एक समूह ने भारत, इंडोनेशिया और लाओस से हो रहे सौर पैनलों के आयात पर टैरिफ (शुल्क) लगाने की मांग की है। इन देशों पर सस्ते दामों पर उत्पादों की बिक्री (डंपिंग) कर अमेरिकी बाजार को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। यह याचिका गुरुवार को अमेरिकी वाणिज्य विभाग के समक्ष दायर की गई।

इस मांग का नेतृत्व 'अलायंस फॉर अमेरिकन सोलर मैन्युफैक्चरिंग एंड ट्रेड' नामक समूह कर रहा है, जिसमें फर्स्ट सोलर, दक्षिण कोरियाई कंपनी क्यू-सेल, और निजी कंपनियां टैलोन पीवी और मिशन सोलर शामिल हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इन देशों की कंपनियों को उनकी सरकारों से अनुचित सब्सिडी मिल रही है और वे अमेरिका में लागत से कम कीमत पर उत्पाद बेच रही हैं, जिससे अमेरिकी निर्माण क्षेत्र को गहरा

नुकसान हो रहा है। याचिका में कहा गया है कि चीनी कंपनियों ने पहले जिन दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों (मलेशिया, वियतनाम, थाईलैंड, कंबोडिया) में उत्पादन किया था, उन पर पहले ही अमेरिका ने टैरिफ लगाया है। अब वे कंपनियां अपना उत्पादन इंडोनेशिया और लाओस में स्थानांतरित कर रही हैं।

साथ ही भारत की कुछ कंपनियां भी अमेरिकी बाजार में कम कीमत पर पैनल बेच रही हैं। याचिका के मुताबिक, भारत, इंडोनेशिया और लाओस से अमेरिका में सोलर पैनल का आयात वर्ष 2022 में 289 मिलियन डॉलर था, जो 2023 में बढ़कर 1.6 बिलियन डॉलर हो गया, यानी करीब 450 फीसदी की वृद्धि। याचिका में शामिल वकील टिम ब्राइटबिल ने कहा, हमेशा से हमारा मानना रहा है कि हमारे व्यापार कानूनों का सख्ती से पालन सौर उद्योग की सफलता के लिए आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने 2022 में पारित 'इन्फ्लेशन रिडक्शन एक्ट' के तहत घरेलू सौर पैनल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए टैक्स क्रेडिट जैसी कई योजनाएं शुरू की थीं। इसके बाद अमेरिका की सौर पैनल उत्पादन क्षमता 2020 में 7 गीगावॉट से बढ़कर 2024 में 50 गीगावॉट हो गई है। हालांकि, अब भी यह घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है, जो हर साल लगभग 43 गीगावॉट तक पहुंच चुकी है।

पांच साल की हिंदू छात्रा का अपहरण, दूसरी का जबरन धर्म परिवर्तन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के मामले में दिन-प्रतिदिन और बढ़ोतरी होती जा रही है। इसी सिलसिले में एक और दर्दनाक घटना सामने आई है। नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली 15 साल की हिंदू छात्रा शनीला मेघवार को बीते 23 जून को रात के समय बंदूकधारियों ने उसके घर से जबरदस्ती उठा लिया। यह घटना सिंध प्रांत के बादिन जिले के मतली इलाके की है। मामले में वॉयस ऑफ पाकिस्तान माइनॉरिटी (वीओपीएम) नामक मानवाधिकार संगठन ने बताया कि शनीला को उसके घर से दो हथियारबंद लोग जबरन बाहर ले गए और एक सफेद गाड़ी में डालकर फरार हो गए। गाड़ी में पहले से दो और लोग मौजूद थे। इस घटना के बाद से शनीला का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। मामले में पीड़ित परिवार का संघर्ष यहीं खत्म नहीं हुआ। शनीला के चाचा मजनू महाराज के अनुसार पुलिस में एफआईआर दर्ज कराने के लिए भी उन्हें बहुत दबाव बनाना पड़ा।

बांग्लादेश के गोपालगंज में हिंसा में मारे गए लोगों का बिना पोस्टमार्टम के अंतिम संस्कार

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रही और गोपालगंज में बुधवार को हुई हिंसा में मारे गए लोगों का बिना पोस्टमार्टम के अंतिम संस्कार कर दिया गया। सरकार ने दावा किया है कि लोग अस्पताल से चारों लोगों के शव जबरदस्ती ले गए। ढाका ट्रिब्यून की खबर में परिजनों के हवाले से कहा गया है कि हिंसा के शिकार उनके सदस्यों का पोस्टमार्टम नहीं किया गया। इसलिए उन्होंने उनका अंतिम संस्कार कर दिया।

खबर में कहा गया है कि इन लोगों की मौत पर गुरुवार रात तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया। इस हिंसा की वजह अवामी लीग और उसके प्रतिबंधित छात्र लीग के नेताओं और समर्थकों की नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) की रैली पर हुए कथित हमले को ठहराने की कोशिश की गई है। ढाका ट्रिब्यून ने प्रत्यक्षदर्शियों के

हवाले से कहा कि हमलावरों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। इसमें कथित तौर पर चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान रमजान काजी, सोहेल राणा, दीप्तो साहा और इमोन तालुकदार के रूप में हुई। पीड़ित परिवारों ने दावा किया कि पुलिस ने उन सभी की गोली मारकर हत्या कर दी। चारों पीड़ितों में से किसी का भी पोस्टमार्टम नहीं किया। इमोन को गुरुवार सुबह लगभग सात बजे गेतपारा स्थित नगरपालिका कब्रिस्तान में दफनाया गया। सोहेल को भी लगभग उसी समय तुंगीपारा स्थित उनके पारिवारिक कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। रमजान काजी को बुधवार रात नमाज के बाद गेतपारा में दफना दिया गया। दीप्तो का अंतिम संस्कार रात को नगर निगम के श्मशान घाट पर किया गया। इस बारे में गोपालगंज सामान्य अस्पताल के अधीक्षक डॉ. जिबितेश बिस्वास का कहना है कि चारों के शव अस्पताल लाए गए थे, लेकिन उनका पोस्टमार्टम नहीं किया गया। परिवार के सदस्यों ने दावा किया कि अस्पताल ने कोई मृत्यु प्रमाण पत्र भी जारी नहीं किया। ढाका रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक रेजाउल करीम मलिक ने स्वीकार किया कि शव परीक्षण नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि हिंसा के सिलसिले में अब तक 25 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। जब उनसे पूछा गया कि पोस्टमार्टम क्यों नहीं कराया गया? तो उन्होंने कोई सीधा जवाब न देते हुए कहा कि अधिकारी इस मामले को कानूनी प्रक्रिया के तहत लाएंगे और घटना पर मुकदमा दर्ज करने की तैयारी चल रही है। इस बीच अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग ने मीडिया से एक पुलिस रिपोर्ट साझा की है। इसमें कहा गया है, अनियंत्रित भीड़ ने जिला अस्पताल में चारों शवों का पोस्टमार्टम नहीं होने दिया। भीड़ जबरिया सभी शव अपने साथ ले गई।÷ इस सरकारी दावे की कलीम मुंशी के बयान ने धज्जियां उड़ा दी हैं। हिंसा में मारा गया रमजान उनका भतीजा है। कलीम मुंशी ने कहा कि उन्होंने एक वीडियो में देखा कि उनके भतीजे को गोली मार दी गई।

कथित अश्लील पत्र छापने पर द वाल स्ट्रीट जर्नल, न्यूजकॉर्प और मर्डोक पर भड़के ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के प्रमुख अखबार द वाल स्ट्रीट जर्नल, न्यूजकॉर्प और रूपर्ट मर्डोक पर राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप जल्द ही मुकदमा दायर करने वाले हैं। वह जेफरी एपस्टीन को कभी लिखे गए उनके कथित अश्लील पत्र के छापने से आहत और गुस्से में हैं। ट्रंप पहले ही इस पत्र को फर्जी बता चुके हैं। द वाल स्ट्रीट जनरल में इस आशय की रिपोर्ट छपने के बाद ट्रंप ने अपने सोशल ट्रुथ पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए बयान जारी किया है।

द वाल स्ट्रीट जनरल ने अपनी विशेष रिपोर्ट में कहा है कि ट्रंप ने एपस्टीन को एक कथित पत्र भेजा था। इस पत्र की भाषा अश्लील थी। बताया गया है कि द वाल स्ट्रीट जर्नल और रूपर्ट मर्डोक को राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने सीधे चेतावनी दी थी कि अगर एपस्टीन को लिखा गया उनका कथित फर्जी पत्र छापा जाता है तो वह मुकदमा दायर करेंगे। अमेरिकी मीडिया विशेषज्ञों का कहना है कि मर्डोक ने ट्रंप को

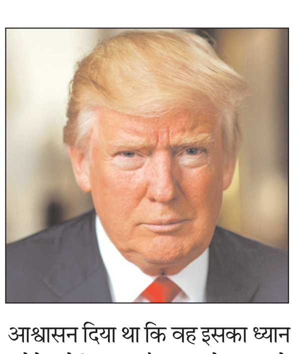

आश्वासन दिया था कि वह इसका ध्यान रखेंगे, लेकिन उनके पास ऐसा करने का अधिकार नहीं था। इसके अलावा ट्रंप की तरफ से व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने द वाल स्ट्रीट जर्नल की संपादक एम्मा टकर को बताया था कि पत्र फर्जी है। लेविट का कहना है कि एम्मा टकर कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थीं। वह सिर्फ झूठी, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक कहानी पर अडिग थीं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल ट्रुथ पर अपनी पोस्ट में कहा कि वह जल्द ही द वल स्ट्रीट जर्नल, न्यूजकॉर्प और मर्डोक पर मुकदमा करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रेस को सच बोलना सीखना होगा। प्रेस को ऐसे स्रोतों पर भरोसा नहीं करना होगा जो शायद मौजूद ही नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप पत्रकार जॉर्ज स्टेफानोपोलोस, एबीसी, 60 मिनट्स, सीबीएस और अन्य मीडिया घरानों से टकरा कर उनकी बोलती बंद करा चुके हैं। अब वह निष्पक्षता की दुहाई देने वाले द वाल स्ट्रीट जर्नल से टकराने का मन बना चुके हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि द वाल स्ट्रीट जर्नल पहले जैसा नहीं रहा। अब वह घटिया अखबार बन गया है। उन्होंने कहा कि अगर कथित पत्र में रत्ती भर सच्चाई होती तो हिलेरी और अन्य कट्टरपंथी वामपंथी राष्ट्रपति चुनाव में जरूर मुद्दा बनाते। द वाल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट फेक न्यूज का एक और उदाहरण है।

गुरुवार (स्थानीय समय) को प्रकाशित द वाल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, जेफरी एपस्टीन को 2003 में उनके 50वें जन्मदिन पर भेजे गए बधाई संदेश के पत्रों के संग्रह में डोनाल्ड ट्रंप का नाम और एक नग्न महिला की रूपरेखा वाला एक नोट शामिल था। हालांकि ट्रंप ने मंगलवार को दिए द वाल स्ट्रीट जर्नल को दिए गए एक साक्षात्कार में इस बात से इनकार किया कि उन्होंने एपस्टीन को पत्र लिखा या चित्र बनाया था।

उन्होंने कहा था, मैंने अपने जीवन में कभी कोई शब्द चित्र नहीं लिखा। मैं महिलाओं के चित्र नहीं बनाता। यह मेरी भाषा नहीं है। यह मेरे शब्द नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि एपस्टीन अमेरिका के बड़े फाइनेंसर रहे हैं।

उनके देश के कई राजनेताओं और प्रभावशाली हस्तियों के गहरे संबंध किसी से छुपे नहीं हैं। उन पर साल 2019 में फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क में नाबालिगों की यौन तस्करी का आरोप लगा था। इस खुलासे के बाद उनकी गिरफ्तारी भी हुई। बाद में वह अपनी जेल की कोठरी में मृत पाए गए। सीएनएन के अनुसार, मेडिकल जांच में कहा गया कि उन्होंने आत्महत्या की। बाद में परिस्थितियों ने कई नए रहस्य खोले और उनकी मौत पर षड्यंत्र के सिद्धांत गढ़े गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नसों की बीमारी, पैरों में आने लगी सूजन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप को उम्रजनित शारीरिक दिक्कतें शुरू हो गई हैं। 79 वर्षीय ट्रंप को नसों की बीमारी हो गई है। इससे उनके पैरों में सूजन आने लगी है। व्हाइट हाउस ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि ट्रंप के पैरों के निचले हिस्से में सूजन और दाहिने हाथ में चोट के निशान हैं।

द वाशिंगटन पोस्ट की खबर के अनुसार, व्हाइट हाउस ने आधिकारिक विज्ञप्ति में चिकित्सक के हवाले से कहा कि ट्रंप के शरीर में क्रोनिक शिरापरक की अपर्याप्तता है। यह ऐसी स्थिति होती है जिससे जिसमें पैरों को हृदय तक रक्त पहुंचाने में परेशानी होती है। उल्लेखनीय है कि चिकित्सा विज्ञान में साफ किया गया है कि क्रोनिक शिरापरक अपर्याप्तता पीड़ित व्यक्ति के पैरों की नसें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। इस वजह से रक्त को हृदय तक वापस ले जाने में मुश्किल होती है। इससे पैरों में रक्त जमा हो जाता है। पैरों में रक्त जमा हो जाने से सूजन, दर्द, और त्वचा में परिवर्तन आ जाता है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट गुरुवार दोपहर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह बीमारी आमतौर पर 70 वर्ष से अधिक उम्र के बाद होती है। उन्होंने कहा कि इस इस हफ्ते ऑनलाइन कुछ तस्वीरें वायरल हुईं। इनमें ट्रंप के पैर सूजे हुए और एक हाथ की त्वजा में पारदर्शी आवरण दिखाई दिए। इन तस्वीरों के बाद इंटरनेट पर कई लोगों ने यह अनुमान लगाया कि प्रशासन राष्ट्रपति के बारे में कुछ छुपा रहा है। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति के हाथ में कई लोगों से हाथ मिलाने की वजह से चोट आ गई है। उनके पैर में सूजन एक सामान्य नसों की बीमारी के कारण है। लेविट ने कहा कि इससे राष्ट्रपति को कोई परेशानी नहीं हो रही। लेविट के संवाददाता सम्मेलन के बाद व्हाइट हाउस ने अमेरिकी नौसेना के एक अधिकारी और ट्रंप के चिकित्सक शॉन बारबेला का पत्र जारी किया। इसमें कहा गया है कि ट्रंप ने इन समस्याओं के संबंध में कई परीक्षण करवाए हैं। इसमें कहा गया कि राष्ट्रपति के पैरों के अल्ट्रासाउंड से फ्रक्रोनिक वेनस इनसफीशिएंसी का पता चला है, जो आम बीमारी है, खासकर 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में पाई जाती है। अन्य जांच में हृदय गति रुकने, गुर्दे खराब होने या किसी अन्य उम्रजनित बीमारी के कोई लक्षण नहीं मिले।

कार्रवाई : स्लोवेनिया ने इजराइल के दो मंत्रियों को अवांछित किया घोषित

एजेंसी

साराजेवो। स्लोवेनिया ने गुरुवार को इजराइल के दो कट्टरपंथी मंत्रियों राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर और वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच को पर्सोना नॉन ग्राटा (अवांछित व्यक्ति) घोषित किया है। ऐसा करने वाला स्लोवेनिया पहला यूरोपीय संघ देश बन गया है। यह निर्णय इजराइल पर फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसा और उकसावे के आरोपों के चलते लिया गया है।

स्लोवेनिया की विदेश मंत्री तान्या फायोन ने पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि आज हमारी सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। हमने दो इजराइली मंत्रियों को स्लोवेनिया में अवांछित घोषित किया है। यह यूरोपीय संघ में अपनी तरह की पहली कार्रवाई है। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि दोनों मंत्री वेस्ट बैंक में अवैध यहूदी बस्तियों के विस्तार, फिलिस्तीनियों की जबरन बेदखली और नागरिक फिलिस्तीनी आबादी के खिलाफ हिंसा के समर्थन में सार्वजनिक बयान देते रहे हैं। फायोन ने बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया क्योंकि ब्रसेल्स में मंगलवार को हुई ईयू विदेश मंत्रियों की बैठक में इजराइल के खिलाफ कोई साझा कार्रवाई तय नहीं हो सकी। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य संभावित उपायों पर भी विचार किया जा रहा है, लेकिन फिलहाल विस्तार से कुछ नहीं बताया। इजराइली सरकार की ओर से इस फैसले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

हालांकि इजराइल पहले भी गाजा में ÷नरसंहार के आरोपों÷ को सिरे से खारिज करता आया है। उसका कहना है कि उसकी कार्रवाई आत्मरक्षा में है, खासकर 07 अक्टूबर 2023 को हुए हमास हमले के बाद, जिसमें 1,200 लोगों की मौत हुई थी और 251 लोगों को बंधक बना लिया गया था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले ब्रिटेन, नॉर्वे, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा ने भी दोनों इजराइली मंत्रियों पर प्रतिबंध लगाए थे, यह आरोप लगाते हुए कि वे फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं।

परफेक्शन की चाहत ने बर्बाद कर दिए हैं रिश्ते

आज के समय में हम अपने पार्टनर से सब कुछ चाहते हैं, समझदारी, सहारा, रोमांस, दोस्ती, भावनात्मक साथ और वो भी बिना किसी झगड़े के। लेकिन क्या ये मुमकिन है? हम सब जानते हैं कि कोई भी इंसान परफेक्ट नहीं होता, फिर भी हम एक परफेक्ट पार्टनर की तलाश में रहते हैं, जो बिना कहे सब समझ जाए, हर मुश्किल वक्त में साथ खड़ा रहे और हमेशा खुश रखे।

आज के रिश्तों में सबसे बड़ा सवाल यही है, आखिर शादियां अब लंबे समय तक क्यों नहीं टिक रहीं? बहुत से लोग जो कभी प्यार से भरे रिश्ते में थे, अब या तो अलग रह रहे हैं या तलाक ले चुके हैं। ये कोई अनोखी बात नहीं रह गई है, आजकल ये आम हो गया है। तलाक के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं, और हर बार जब हम कोई ऐसा किस्सा सुनते हैं, तो दिल में एक सवाल जरूर उठता है, ऐसा क्यों हो रहा है? इसका एक बड़ा कारण है, हमारी उम्मीदें।

आज के समय में हम अपने पार्टनर से सब कुछ चाहते हैं, समझदारी, सहारा, रोमांस, दोस्ती, भावनात्मक साथ और वो भी बिना किसी झगड़े के। लेकिन क्या ये मुमकिन है? हम सब जानते हैं कि कोई भी इंसान परफेक्ट नहीं होता, फिर भी हम एक परफेक्ट पार्टनर की तलाश में रहते हैं, जो बिना कहे सब समझ जाए, हर मुश्किल वक्त में साथ खड़ा रहे और हमेशा खुश रखे। ऐसी उम्मीदें गलत नहीं हैं, लेकिन ये समझना जरूरी है कि किसी भी रिश्ते में तालमेल बैठाने में समय लगता है। दो अलग-अलग परवरिश, सोच और आदतों वाले लोग जब साथ आते हैं, तो कुछ चीजों पर मतभेद होना बहुत ही स्वाभाविक है। इस मोड़ पर रिश्ते को निभाने के लिए सबसे जरूरी होती है, समझदारी और धैर्य। लेकिन अफसोस, अक्सर हम ये खो देते हैं। हम गुस्से में, जल्दीबाज़ी में, या सिर्फ अपने नजरिए से सोचकर ऐसा कुछ कह या कर जाते हैं जिससे रिश्ता धीरे-धीरे टूटने लगता है।

मैरिज काउंसलर और रिलेशनशिप थेरेपिस्ट रूथ असुमेह का कहना है, शादी कोई इंस्टेंट नूडल्स नहीं है। इसे मजबूत बनाने में वक्त लगता है। हर दिन थोड़ा-थोड़ा प्रयास करना पड़ता है। धीरे-धीरे चीज़ें बदलती हैं, और बेहतर होती हैं।उन्होंने कुछ जरूरी बातें बताई हैं, जो हर कपल अपने रिश्ते में अपनाकर इसे फिर से प्यार और भरोसे से भर सकते हैं। क्योंकि हर रिश्ता टूटने के लिए नहीं बना होता, कुछ रिश्ते सिर्फ थोड़े से धैर्य और समझ की मांग करते हैं।

1. परफेक्शन नहीं, प्रगति को अपनाएं

आपको सब कुछ बिल्कुल सही करने की ज़रूरत नहीं है। जरूरी ये है कि आप दोनों एक-दूसरे के साथ धीरे-धीरे आगे बढ़ते रहें। गलतियां होंगी, लेकिन उन्हें एक-दूसरे की कमियां साबित करने का मौका ना बनाएं बल्कि उनसे सीखने का नजरिया रखें।

2. छोटे-छोटे बदलाव मिलकर करें

रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए एकसाथ मिलकर छोटे कदम उठाना बहुत असरदार होता है। कोई बड़ी बात नहीं, लेकिन रोज़मर्रा की ज़िंदगी में कुछ छोटे बदलाव जैसे एक साथ बैठकर बात करना, एक-दूसरे को समय देना, ये सब बहुत मायने रखते हैं।

3. रिश्ते में भावनात्मक सुरक्षा बनाएं

जब रिश्ता ठंडा पड़ने लगता है, तो लोग परफेक्ट लाइफ नहीं, बल्कि सुरक्षित जगह चाहते हैं, जहां उन्हें सुना जाए, समझा जाए। ऐसी जगह जहां आप खुलकर बोल सकें, बिना डर के, बिना जजमेंट के। यही वो माहौल है जहां प्यार फिर से पनप सकता है।

4. अपूर्णता में भी हंसी की जगह बनाएं

कभी-कभी दूरियां किसी बड़े झगड़े की वजह से नहीं, बल्कि बोरिंग दिनचर्या की वजह से भी आ जाती हैं। ऐसे में छोटी-छोटी खुशियों की जगह बनाएं, साथ बैठकर हंसना, मज़ाक करना, एक-दूसरे को हल्का-फुल्का सरप्राइज देना। प्यार के लिए कभी परफेक्ट पल का इंतज़ार मत करें, उसे खुद बनाना पड़ता है।

5. जब लड़ाई हो जाए, तो जानबूझकर सुलह करें

गलतफहमियां होंगी, बहसें होंगी, यह तो हर रिश्ते में होता है। लेकिन असली बात ये है कि क्या आप दोनों उसे सुलझाने की कोशिश करते हैं या नहीं। एक माफ़ी, एक छोटा-सा स्पर्श, या मुश्किल वक़्त में भी साथ खड़े रहना, यही वो चीजें हैं जो रिश्ते को टूटने से बचाती हैं।

6. बड़े इशारों के बजाय रोज़ की छोटी कोशिशें करें

रिश्ते को बचाने के लिए कोई बड़ा तमाशा या प्लान नहीं चाहिए सिर्फ़ छोटी-छोटी बातें रोज़ करनी होती हैं। जैसे ध्यान से सुनना, प्यार से हाथ पकड़ना, दिनभर में एक बार हालचाल पूछना या बस 5 मिनट के लिए दिल से बात करना। यही छोटी-छोटी चीजें समय के साथ आपके बीच का प्यार और गहरा बनाती हैं।

पार्टनर के साथ इस तरह लें रोमांटिक मौसम का मजा

गर्मियों के पसीने से तर-बतर दिन आखिरकार विदा ले चुके हैं और मानसून की फुहारों ने मौसम को खुशनुमा बना दिया है, जो रोमांस के लिए बिल्कुल सही माहौल है। अब आप अपने साथी के साथ बेझिझक कुछ बेहद रोमांटिक चीजें कर सकते हैं। जब बाहर बारिश हो रही हो, तो एक कप गरमागरम कॉफी या चाय का आनंद लेना, हल्की बारिश में एक साथ सैर पर निकलना या बालकनी में भीगने का मजा लेना, ये सब आपको करीब लाएगा। गर्मियों के पसीने से तर-बतर दिन आखिरकार विदा ले चुके हैं। अब आप अपने साथी के साथ बेझिझक रोमांस कर सकते हैं, क्योंकि मानसून की फुहारों ने मौसम को इतना खुशनुमा बना दिया है कि यह एक आदर्श रोमांटिक माहौल के लिए बिल्कुल सही है। तो पेश हैं कुछ बेहद रोमांटिक चीजें, जिन्हें आप दोनों मिलकर उस वक्त एंजॉय कर सकते हैं जब बाहर बारिश बरस रही हो। साथ में कॉफी/चाय का आनंद- जब बाहर तेज बारिश हो रही हो, तो एक कप गरमागरम कॉफी या चाय का मजा ही कुछ और होता है। इसे अपने साथी के साथ बांटिए। साथ बैठकर बातें करें, एक-दूसरे को देखें और इस आरामदायक पल का आनंद लें। यह आप दोनों को करीब लाएगा और मूड को खुशनुमा बनाएगा। बारिश में धीमी सैर- जब हल्की बारिश हो रही हो, तो एक छाता लेकर बाहर निकल जाएं। जितनी तेज बारिश होगी, आप खुद को भीगने से बचाने के लिए उतने ही करीब आएंगे। यह एक-दूसरे के साथ समय बिताने और बारिश का अनुभव करने का एक प्यारा तरीका है, जो आपके रिश्ते को और भी मजबूत बना सकता है।

हल्की बारिश में भीगने का मजा

अगर आपके घर में बालकनी या छत है, तो बारिश की हल्की फुहारों का आनंद लें। बस कुछ देर के लिए बारिश में भीगने का मजा लें। एक-दूसरे का हाथ पकडें या गले लगाएं। यह एक ताजगी भरा और मजेदार अनुभव होगा जो आपको करीब लाएगा।

चीजों से होती हैं इम्प्रेस

कंबल में सिमटकर आराम करें- मानसून का मौसम अक्सर बिस्तर पर चादर में लिपटकर आराम करने का मन करता है। तो क्यों न अपने साथी के साथ एक मुलायम कंबल में सिमट जाएं? एक साथ टीवी देखें, किताबें पढें या बस बातें करें। यह एक-दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताने का एक आरामदायक और प्यारा तरीका है।

सलमान की एक्स गर्लफ्रेंड संगीता बिजलानी के फार्महाउस में घुसे चोर, पुलिस जांच में जुटी

18 जुलाई को अज्ञात बदमाशों ने गुजरे ज़माने की अभिनेत्री और मॉडल संगीता बिजलानी के पवना डैम इलाके में स्थित फार्महाउस में घुसकर कई कीमती सामान लूट लिए। उन्होंने सभी सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए, अंदर तोड़फोड़ की और संपत्ति को भारी नुकसान पहुँचाया।

18 जुलाई को अज्ञात बदमाशों ने गुजरे ज़माने की अभिनेत्री और मॉडल संगीता बिजलानी के पवना डैम इलाके में स्थित फार्महाउस में घुसकर कई कीमती सामान लूट लिए। उन्होंने सभी सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए, अंदर तोड़फोड़ की और संपत्ति को भारी नुकसान पहुँचाया। लोनावला ग्रामीण पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक आकलन से पता चलता है कि पूर्व अभिनेत्री की अनुपस्थिति में फार्महाउस को निशाना बनाकर एक पूर्व-नियोजित घटना की गई थी।

अधिकारी के अनुसार, यह घटना तब सामने आई जब बिजलानी चार महीने बाद टिकोना गांव स्थित अपने फार्महाउस पहुंचीं। पुणे ग्रामीण पुलिस को दी गई शिकायत में बिजलानी ने बताया कि फार्महाउस का मुख्य दरवाजा और खिड़की की ग्रिल टूटी हुई मिली, एक टेलीविजन गायब था और कई घरेलू सामान जैसे पलंग, फ्रिज और सीसीटीवी कैमरे क्षतिग्रस्त कर दिए गए थे। बिजलानी ने पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल को लिखे आवेदन में कहा कि वह अपने पिता की तबीयत खराब होने के कारण फार्महाउस पर पिछले कुछ महीनों से नहीं आ सकी थीं। उन्होंने बताया, आज मैं अपनी दो घरेलू सहायकों के साथ फार्महाउस पहुंची। वहां पहुंचकर देखा कि मुख्य दरवाजा टूटा हुआ था। भीतर जाने पर खिड़की की ग्रिल टूटी हुई मिली, एक टेलीविजन गायब था और दूसरा टूटा हुआ था। उन्होंने बताया कि ऊपर की मंजिल में सब कुछ बिखरा हुआ था, बिस्तर टूटे हुए थे और कई घरेलू सामान और कीमती वस्तुएं या तो गायब थीं या क्षतिग्रस्त कर दी गई थीं। लोनावला पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक दिनेश तायडे ने पीटीआई-को बताया कि घटना की जांच के लिए एक टीम मौके पर भेजी गई है। उन्होंने कहा, जैसे ही नुकसान और चोरी का आकलन पूरा होगा, हम औपचारिक रूप से प्राथमिकी दर्ज करेंगे।

अपनी शिकायत में, बिजलानी ने तत्काल पुलिस हस्तक्षेप, घटनास्थल का निरीक्षण, पंचनामा, फोरेंसिक विश्लेषण और साक्ष्य संग्रह का अनुरोध किया है। उन्होंने घर में सेंधमारी, चोरी और आपराधिक अतिक्रमण से संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज करने का भी अनुरोध किया है।

राजामौली ने की जेनेलिया की तारीफ बोले- तुमने समय को रोक दिया है, आज भी पहले जितनी खूबसूरत हो

हाल ही में जेनेलिया डिसूजा की तेलुगु फिल्म 'जूनियर' का प्री इवेंट हुआ। इस इवेंट में फिल्ममेकर एसएस राजामौली और जेनेलिया का आमना-सामना हुआ। दोनों की मीटिंग का वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल है। दरअसल, इवेंट के दौरान, राजामौली जेनेलिया की खूबसूरती देख खुद को तारीफ करने से नहीं रोक पाए।

वायरल वीडियो में नजर आ रहा है कि एसएस राजामौली स्टेज से कहते हैं, जेनेलिया, तुमने तो समय को रोक दिया है। क्या... कितने साल बीत गए, फिर भी तुम बिल्कुल वैसी ही दिखती हैं। वही खूबसूरती, वही शालीनता। मैंने सिनेमैटोग्राफर सेंथिल से भी पूछा कि क्या हमें इसमें नई जेनेलिया देखने को मिलेगी, और उन्होंने भरोसा दिलाया, जरूर मिलेगी। मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। राजामौली से मिली तारीफ को सुनकर जेनेलिया काफी खुश नजर आ रही हैं। फिर वो उन्हें इसके लिए शुक्रिया भी कहती हैं। स्टेज से उतरने के बाद राजामौली वहां मौजूद सभी लोगों से मिलते हुए जेनेलिया के पास पहुंचते हैं। वहां भी वो जेनेलिया की तारीफ करते नजर आ रहे हैं। बता दें कि जेनेलिया ने हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी और कन्नड़ फिल्मों में काम किया है।

सुबह-सुबह कुछ टेस्टी चाहिए, तो बिना अंडे के ट्राई करें हाई प्रोटीन ब्रेकफास्ट

अगर आप एक क्विक ब्रेकफास्ट रेसिपी की तलाश में हैं तो ऐसे में प्रोटीन स्मूदी बनाकर पीना अच्छा विचार है। इससे आपको लगभग 18-20 ग्राम प्रोटीन मिल जाएगा। इसके लिए एक स्कूप प्लांट बेस्ड प्रोटीन पाउडर में 1 केला, 1 कप दूध या दही, 1 छोटा चम्मच चिया सीड्स डालकर सभी चीज़ों को ब्लेंड कर लें।

जब भी हाई प्रोटीन ब्रेकफास्ट की बात होती है तो सबसे पहले अंडा ही दिमाग में आता है। लेकिन अगर आप वेजिटेरियन हैं या फिर अंडा नहीं खाते हैं तो भी आप हाई प्रोटीन ब्रेकफास्ट कर सकते हैं। यह ब्रेकफास्ट आइटम्स ना केवल आपको फुलर फील करवाती है, बल्कि टेस्ट बड को भी शांत करती हैं। इतना ही नहीं, इन्हें बनाना भी बेहद आसान होता है और इसलिए आप हर दिन इन्हें बेहद आसानी से बना सकते हैं। चाहे आप फिटनेस लवर हो या अपनी हेल्थ पर थोड़ा ज्यादा ध्यान देने के बारे में सोच रहे हों या फिर क्विक मॉर्निंग रेसिपीज की तलाश में हों, ये सभी ब्रेकफास्ट आइडियाज आपको जरूर पसंद आएंगे। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही हाई प्रोटीन ब्रेकफास्ट ऑप्शन्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप भी आसानी से ट्राई कर सकते हैं-

बिना अंडे वाली प्रोटीन स्मूदी

अगर आप एक क्विक ब्रेकफास्ट रेसिपी की तलाश में हैं तो ऐसे में प्रोटीन स्मूदी बनाकर पीना अच्छा विचार है। इससे आपको लगभग 18-20 ग्राम प्रोटीन मिल जाएगा। इसके लिए एक स्कूप प्लांट बेस्ड प्रोटीन पाउडर में 1 केला, 1 कप दूध या दही, 1 छोटा चम्मच चिया सीड्स डालकर सभी चीज़ों को ब्लेंड कर लें। यह ना केवल टेस्ट में लाजवाब है, इससे आपको अच्छा खासा प्रोटीन भी मिल जाता है।

टोफू भुर्जी ब्राउन ब्रेड के साथ

अगर आपको नाश्ते में ब्रेड खाने की आदत है तो अब उसे ब्राउन ब्रेड से स्विच करें। आप इसे टोफू भुर्जी के साथ खा सकते हैं। टोफू को प्रोटीन का एक अच्छा सोर्स माना गया है। इसके लिए टोफू को मैश करके प्याज़, टमाटर, शिमला मिर्च, हल्दी और मसालों के साथ भूनें। साथ में दो स्लाइस ब्राउन ब्रेड के साथ खाएं।

दही के साथ लें सत्तू पराठा

अगर आप एक वेजिटेरियन हैं तो ऐसे में सत्तू का सेवन करना काफी अच्छा माना जाता है। अगर आप एक सत्तू का पराठा दही के साथ खाते हैं तो इससे आपको लगभग 14-16 ग्राम प्रोटीन मिल सकता है।

इसके लिए सत्तू में प्याज़, हरी मिर्च, सरसों का तेल, अजवाइन और नमक डालकर मिश्रण तैयार करें। इसे गेहूं के आटे में भरकर पराठा बेलें। आप इसे दही या चटनी के साथ खाएं। यकीन मानिए, आपके टेस्ट बड आपको थैंक्यू बोलेंगे।

पैदल चलना या साइकिल चलाना, शरीर व मन को कौन रखता है ज्यादा खुश

आप अपने घर के दरवाजे पर खड़े हैं और पांच किलोमीटर की दूरी तय करते हुए आपको काम पर जाना है लेकिन आपके पास न तो कार है, न ही कोई बस सेवा उपलब्ध है। अब ऐसे में आपके पास दो ही विकल्प हैं या तो एक घंटे पैदल चलें, या फिर बिना ज्यादा पसीने बहाए अपनी साइकिल पर सवार होकर कुछ ही मिनटों में पहुंच जाएं। अमूमन आप दूसरा विकल्प ही चुनते हैं। साइकिल चलाना सबसे बेहतर परिवहन साधनों में से एक है जिसमें ऊर्जा की बिल्कुल भी खपत नहीं होती है। साइकिलिंग के माध्यम से लोग चलने या दौड़ने की तुलना में कम ऊर्जा खपत पर तेज और दूर तक सुविधाजनक तरीके से सफर करने में सक्षम होते हैं। लेकिन आखिर पैदल चलने की तुलना में साइकिलिंग इतनी आसान क्यों लगती है? इसका जवाब छिपा है उस सुव्यवस्थित जैव-यांत्रिकी में जो साइकिल का हमारे शरीर के साथ तालमेल बनाती है।

साइकिल अद्भुत मशीन है

साइकिल एक बहुत ही सरल रचना हैरू दो पहिए (इसलिए इसे ''बाय-साइकिल कहा जाता है), एक चेन के जरिए ताकत को पिछले पहिए तक पहुंचाने वाला पैडल और हमारे प्रयास को सही तरीके से नियंत्रित करने वाला गियर। जब हम चलते या दौड़ते हैं तो असल में हमारा झुकाव एक नियंत्रित तरीके से आगे की ओर रहता है और हर कदम पर खुद को संभालते हैं। हमारे पैरों को हर कदम पर एक बड़े दायरे में आगे बढ़ाना पड़ता है, हर कदम पर पैरों को गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध ऊपर उठाना पड़ता है। सिर्फ इस क्रिया में ही शरीर की बहुत सारी ऊर्जा खर्च होती है। साइकिल पर, आपके पैर बहुत छोटी गोलाकार गति में घूमते हैं। हर क्रिया पर अपने पूरे पैर का वजन उठाने के बजाय, आप बस अपनी जांघों और पिंडलियों को एक संकुचित पैडल वाली साइकिल पर घुमाते हैं। इस वजह से शारीरिक ऊर्जा की बचत तुरंत महसूस होती है।

सड़क को छूना

साइकिलें इन समस्याओं को हल करने के लिए दुनिया के महान आविष्कारों में से एक, पहियों का उपयोग करती हैं। धरती पर कदमों के छूने के बजाय इसमें आपको 'रोलिंग कॉन्टैक्ट मिलता है- टायर का हर हिस्सा उठने से पहले सड़क की सतह को हल्के से ''छूता है जिससे कोई शारीरिक ऊर्जा खपत नहीं होती और चूंकि पहिया सुचारू रूप से घूमता रहता है, ताकत सीधा नीचे की ओर जमीन पर लगती है, इसीलिए निरंतर चलते रहते हैं। आपके पैडल चलाने से लगने वाला बल सीधे गति में परिवर्तित हो जाता है जो साइकिल को आगे की ओर धकेलता है।

मांसपेशियां होती हैं मजबूत

साइकिल हमारी मांसपेशियों को बेहतर ढंग से काम करने में भी मदद करती हैं। मनुष्यों की मांसपेशियों की एक बुनियादी सीमा होती हैरू वे जितनी तेजी से सिकुड़ती हैं, उतनी ही कमजोर होती जाती हैं और उतनी ही ज्यादा शारीरिक ऊर्जा खर्च करती हैं। यही वजह है कि दौड़ना, चलने या जॉगिंग की तुलना में इतना कठिन लगता है, क्योंकि आपकी मांसपेशियां अपनी गति की सीमा के करीब काम कर रही होती हैं, और हर कदम के साथ उनकी कार्यक्षमता कम होती जाती है। जैसे-जैसे आप तेज चलते हैं, आप एक बड़े गियर में स्थानांतरित कर सकते हैं जिससे आपकी मांसपेशियों को तेजी से काम नहीं करना पड़ता, लेकिन साइकिल की रफ्तार बढ़ती रहती है। आपकी मांसपेशियां ताकत लगाने और शारीरिक ऊर्जा कम खपत करने के लिए अपनी सबसे सही स्थिति में बनी रहती हैं। यह ऐसे है जैसे आपके पास एक निजी सहायक हो जो लगातार आपका काम इस तरह से समायोजित करता है कि आप हमेशा अपनी सबसे बेहतरीन क्षमता में बने रहें।

कभी-कभी चलना भी अच्छा है

साइकिल हर स्थिति में बेहतर नहीं होती। जब करीब 15 प्रतिशत (यानि हर 10 मीटर की दूरी पर आप 1.5 मीटर ऊपर चढ़ते हैं) या उससे ज्यादा चढ़ाई वाला क्षेत्र आता है आपके पैरों को साइकिल को ऊपर चढ़ाने में सक्षम बनाने के लिए पैडलिंग करने के दौरान ज्यादा ताकत लगाने के लिए मशक्कत करनी पड़ती है। हम अपने पैरों को सीधे बाहर की ओर धकेलते हुए ज्यादा ताकत पैदा कर सकते हैं, इसलिए ऐसे में चलना (या चढ़ाई करना) ज्यादा असरदार हो जाता है। अगर 'माउंट एवरेस्ट पर सड़कें बन भी जाएं तो भी हम वहां पर साइकिल नहीं चला पाएंगे। लेकिन ढलानों पर ऐसा नहीं है। ढलानों पर साइकिल चलाना धीरे-धीरे आसान होता जाता है (अंततः इसमें बिल्कुल भी शारीरिक ऊर्जा की खपत नहीं होती), लेकिन ज्यादा ढलान पर पैदल चलना वास्तव में मुश्किल हो जाता है। सिर्फ एक परिवहन संसाधन के रूप में ही नहीं, आंकड़े भी यह साबित करते हैं कि साइकिलिंग, चलने की तुलना में कम से कम चार गुना और दौड़ने की तुलना में आठ गुना अधिक प्रभावी होती है।

साइकिल चलाने के 12 फायदे जो हृदय स्वास्थ्य में सुधार से लेकर वजन कम करने में है मददगार

1. **हृदय स्वास्थ्य में सुधार :** साइकिल चलाना एक उत्कृष्ट हृदय व्यायाम है जो हृदय को मजबूत करता है, रक्त परिसंचरण में सुधार करता है, और रक्तचाप को कम करता है।
2. **वजन कम करने में मदद :** साइकिल चलाने से कैलोरी बर्न होती है और शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम होती है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।
3. **मांसपेशियों को मजबूत करता है :** साइकिल चलाने से पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, खासकर जांघों और पिंडली की मांसपेशियां।
4. **तनाव कम करता है :** साइकिल चलाने से एंडोर्फिन रिलीज होता है, जो मूड को बेहतर बनाता है और तनाव को कम करता है।
5. **मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है :** साइकिल चलाना अवसाद और चिंता को कम करने में मदद कर सकता है, और समग्र मानसिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकता है।
6. **हड्डियों को मजबूत करता है :** साइकिल चलाना हड्डियों के घनत्व को बढ़ाने और ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करने में मदद करता है।
7. **जोड़ों के लिए अच्छा :** साइकिल चलाना एक कम प्रभाव वाला व्यायाम है जो जोड़ों पर कम दबाव डालता है, जिससे यह जोड़ों के दर्द या चोट वाले लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प बन जाता है।
8. **नींद में सुधार :** नियमित साइकिल चलाने से नींद की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।
9. **ऊर्जा के स्तर को बढ़ाता है :** साइकिल चलाने से ऊर्जा के स्तर में सुधार हो सकता है और थकान कम हो सकती है।
10. **पर्यावरण के अनुकूल :** साइकिल चलाना एक स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का साधन है जो वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करता है।
11. **बचत :** साइकिल चलाने से पेट्रोल और कार रखरखाव पर पैसे की बचत होती है।
12. **सामाजिक :** साइकिल चलाना एक सामाजिक गतिविधि हो सकती है, खासकर यदि आप समूहों में सवारी करते हैं।